* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.com

01 नवंबर, 2022
कार्तिक, शुक्ल पक्ष, अष्टमी
संवत 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
मंगलवार, वर्ष 08, अंक 13

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

शरद पवार ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती, महसूस हो रही थी बेचैनी

गुजरात के मोरबी पुल हादसे में 134 की मौत, नौ गिरफ्तार

पीएम मोदी ने की उच्च-स्तरीय बैठक, आज जायेंगे मोरबी

आजाद सिपाही संवाददाता

गांधीनगर। गुजरात के मोरबी पुल हादसे में पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को पुल का रखरखाव करने वाली ओरेवा कंपनी के दो मैनेजर, ब्रिज की रिपेयरिंग करने वाले दो कॉन्ट्रैक्टर, दो टिकट क्लर्क और तीन सिक्योरिटी गार्ड्स को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि पकड़े गये आरोपियों पर आइपीसी की धारा 304, धारा 308 के तहत केस दर्ज किया गया है। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोरबी हादसे पर उच्च-स्तरीय बैठक की साथ ही राहत-बचाव कार्यों की समीक्षा भी की। गुजरात के मोरबी में हुए हादसे के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक नवंबर को मोरबी जायेंगे। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी घटनास्थल का जायजा लेंगे। राजकोट रेंज के आइजी अशोक कुमार ने शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 50 लोगों की टीम मामले की जांच में जुटी है। पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि इस हादसे के लिए जिम्मेदार बड़े लोगों को कब गिरफ्तार किया जायेगा। इस सवाल पर आइजी ने कहा- अभी तक जिनकी भूमिका सामने आयी, उन्हें गिरफ्तार किया गया। जैसे-जैसे नाम सामने आते जायेंगे और गिरफ्तारियां होती जायेंगी। गुजरात के मोरबी पुल हादसे में मृतकों की संख्या सोमवार सुबह 134 पहुंच गयी। इनमें 45 की उम्र 18 साल से कम है। मृतकों में महिलाओं और बुजुर्गों की संख्या ज्यादा है। 170 लोग रेस्क्यू किये गये हैं। हादसा रविवार शाम 6.30 बजे तब हुआ, जब 765 फीट लंबा और महज 4.5 फीट चौड़ा केबल सस्पेंशन ब्रिज टूट गया। 143 साल पुराना पुल ब्रिटिश शासन काल में बनाया गया था। यह पुल पिछले 6 महीने से बंद था। कुछ दिन पहले ही इसकी मरम्मत की गयी थी। हादसे से 5 दिन पहले 25 अक्टूबर को यह ब्रिज आम लोगों के लिए खोला गया। रविवार को यहां भीड़ क्षमता से ज्यादा हो गयी। हादसे की भी यही वजह बतायी जा रही है। हादसे का 30 सेकेंड का वीडियो भी सामने आया है। इसमें 15 सेकेंड के बाद पुल टूट गया और लोग मच्छू नदी में समा गये।

पुतिन-लापिड समेत कई वैश्विक नेताओं ने जताया दुख

गुजरात के मोरबी में पुल गिरने से जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और इस्त्राइल के प्रधानमंत्री यैर लापिड समेत विश्व नेताओं संवेदना व्यक्त की है। रूस की सरकारी वेबसाइट पर राष्ट्रीय द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक संदेश में पुतिन ने कहा, प्रिय राष्ट्रपति और प्रिय प्रधानमंत्री..गुजरात राज्य में पुल ढहने से हुई दुखद घटना पर मेरी हार्दिक संवेदना स्वीकार करें। वहीं, इस्त्राइली प्रधानमंत्री यैर लापिड ने अपने शोक संदेश में कहा कि इस्त्राइलियों की संवेदनाएं और प्रार्थनाएं भारत के लोगों के साथ हैं। इस घटना पर पड़ोसी देश श्रीलंका ने भी दुख जताया है। देश के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम संदेश में कहा कि वह पुल ढहने की दुखद घटना से स्तब्ध और दुखी हैं। विक्रमसिंघे ने कहा कि हमारी सरकार और श्रीलंका के लोग भारत के लोगों, विशेष रूप से अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं और बचाव व राह कार्य के सफल संचालन की कामना करता हूं। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने कहा कि वह इस घटना से बेहद दुखी हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा, हम बहुमूल्य जीवन के नुकसान पर भारत की सरकार और लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। सऊदी रब के विदेश मंत्रालय ने भी मोरबी में हुई त्रासदी पर बयान जारी किया। भारत के पश्चिम राज्य गुजरात में पुल ढहने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कई लोग हताहत और घायल हुए हैं। सऊदी अरब मैत्रीपूर्ण गणराज्य (भारत) के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।बयान में कहा गया है कि राज्य मृतकों के परिजनों और रिश्तेदारों व मित्र भारतीय लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है।उधर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि वहां जो कुछ हुआ है, उस हमने उसे देखा है। हम जानमाल के नुकसान के लिए शोक व्यक्त करते हैं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं।

आकस्मिक निधि से अब 1200 करोड़ तक निकाल सकेगी हेमंत सरकार

- बिहार और ओड़िशा सरकार की राह पर झारखंड सरकार, अधिनियम में होगा संशोधन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में चल रही कल्याणकारी और रोजगारोन्मुखी योजनाओं में किसी तरह के फंड की कमी नहीं हो, इसके लिए हेमंत सोरेन सरकार ने एक बड़ा फैसला किया है। सरकार अब राज्य की आकस्मिक निधि से 1200 करोड़ रुपये तक की निकासी कर सकेगी। पहले यह राशि 500 करोड़ रुपये तक की थी। सरकार का तर्क है कि राज्य गठन के बाद का बजटीय आकार में काफी बढ़ोतरी हुई है। 2001-02 में राज्य का बजटीय आकार 7114.12 करोड़ रुपये था, जो 2015-16 में 55,492.95 करोड़ रुपये हो गया। वर्तमान में राज्य का बजटीय आकार 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का हो गया है। ऐसे में कल्याणकारी योजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारने और भविष्य की आवश्यकता की पूर्ति के लिए आकस्मिक निधि को पर्याप्त

उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। बता दें कि हाल में राज्य सरकार ने कई रोजगारोन्मुखी योजनाओं की शुरुआत की है।

संविधान के अनुच्छेद 267 (2) में है राज्य आकस्मिक निधि का प्रावधान : कभी-कभी ऐसी परिस्थिति बनती है, जब सरकार को विधानसभा से स्वीकृति लिए बिना ही योजनाओं के लिए राशि खर्च करनी पड़ती है। इस तरह का खर्च करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 267 (2) राज्य आकस्मिक निधि का प्रावधान किया गया है। यह निधि राज्यपाल या कार्यपालिका या सरकार के अधीन होती है। इस निधि से पैसा निकालने के लिए विधानसभा की इजाजत की जरूरत नहीं होती है, लेकिन विधानसभा ही तय करती है कि निधि में कितना पैसा होगा और कितने की निकासी होगी।

2001 में अधिनियम बना, 2015 में पहली बार किया गया था संशोधन : राज्य गठन के बाद झारखंड राज्य आकस्मिक निधि 2001 का गठन किया गया था। अधिनियम में 150 करोड़ रुपये तक की निकासी का प्रावधान किया गया था। झारखंड आकस्मिक निधि (संशोधन) अधिनियम 2015 में इस राशि को बढ़ा कर 500 करोड़ रुपये किया गया था। राज्य सरकार अब इस अधिनियम में एक बार फिर से संशोधन कर 1200 करोड़ करने जा रही है। कई राज्यों यथा ओड़िशा और बिहार ने भी अपनी आकस्मिक निधि से राशि निकासी में बढ़ोतरी की है। ओड़िशा ने 400 करोड़ रुपये की आकस्मिक निधि को 2000 करोड़ और बिहार सरकार ने स्थायी तौर पर 350 करोड़ के अतिरिक्त अस्थायी तौर पर कुल बजट का 4 प्रतिशत निकासी की राशि तय की है।

रेप की जांच के लिए टू-फिंगर टेस्ट पर रोक

ये साइंटिफिक नहीं, सरकार किसी भी हालत में इसे न होने दे : सुप्रीम कोर्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने रेप केस में टू-फिंगर टेस्ट के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़ और जस्टिस हेमा कोहली की बेंच ने यह चेतावनी भी दी है कि इस तरह के टेस्ट करने वाले व्यक्तियों को कदाचार का दोषी ठहराया जाएगा। बेंच ने कहा कि दुर्भाग्य है कि यह टेस्ट आज भी जारी है।

बेंच ने स्वास्थ्य मंत्रालय को निर्देश दिया है कि यह सुनिश्चित किया जाये कि किसी भी स्थिति में यौन उत्पीड़न या रेप सर्वाइवर का टू फिंगर टेस्ट नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाइकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ सुनवाई की, जहां कोर्ट ने आरोपियों को रिहा कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनायी है।

बेंच ने एक रेप केस में फैसला सुनाते हुए कहा कि कोर्ट ने बार-बार रेप केस में टू फिंगर टेस्ट नहीं करने आदेश दिया है। इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। इसके बजाय यह महिलाओं को बार-बार रेप की तरह ही प्रताड़ित करता है। यह टेस्ट एक गलत धारणा पर आधारित है कि एक सेक्शुअली एक्टिव महिला का बलात्कार नहीं किया जा सकता है।

बेंच ने केंद्र और राज्य सरकारों को यह निर्देश भी दिया कि टेस्ट से जुड़े दिशा-निर्देश सभी सरकारी और निजी अस्पतालों तक पहुंच जाये।

क्रिकेटर विराट कोहली के होटल रूम का वीडियो हुआ वायरल, बोले

प्राइवेसी में दखल, खिलाड़ी मनोरंजन की चीज नहीं

एजेंसी

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के जिस होटल में टीम इंडिया रुकी है, वहां यह फैन विराट कोहली के कमरे में घुस गया। उनकी गैर-मौजूदगी में इस फैन ने उनके कमरे का वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। इस घटना से विराट नाराज हैं। फैन की इस हरकत को लेकर विराट कोहली ने नाराजगी जाहिर की है।

विराट ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मैं जानता हूं कि फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देख कर बहुत खुश और उत्साहित रहते हैं। मैंने हमेशा फैंस के इस उत्साह की सराहना की है, लेकिन यह वीडियो जो आया है, उससे मैं आहत हूं। इसने मुझे मेरी प्राइवेसी को लेकर चिंतित किया है। अगर होटल रूम में मुझे प्राइवेसी नहीं मिल सकती तो मुझे पर्सनल स्पेस कहां मिलेगा। मेरी निजता में ऐसे दखल से मुझे आपत्ति है। प्लीज लोगों की प्राइवेसी का सम्मान कीजिए और उन्हें अपने मनोरंजन की चीज जैसे ट्रीट मत कीजिए।'

इस वाकये से एक इंसान की गरिमा का उल्लंघन हुआ - अनुष्का : विराट की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने भी फैन की इस हरकत को सरासर गलत बताते हुए कहा कि इससे उनके पति की गरिमा को ठेस पहुंची है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'इससे पहले भी ऐसे कई मौके आए हैं, जब फैंस ने हमारे प्रति कोई करुणा या दया नहीं दिखाई, लेकिन यह घटना अब तक की सबसे बुरी है।' 'यह सरासर गलत है और एक इंसान की गरिमा का उल्लंघन करता है। वो सभी लोग जो सोचते हैं कि ह्यसेलिब्रिटी हो तो डील करना पड़ेगा वो भी इस समस्या का हिस्सा हैं। थोड़ा सा संयम बरतने से सबका भला होता है। और अगर ये सब आपके बेडरूम में हो रहा है, तो आखिर पब्लिक लाइफ और पर्सनल लाइफ के बीच की लाइन कहां हैं?'

होटल ने की कार्रवाई : विराट कोहली के होटल कमरे के वीडियो वायरल होने पर नाराजगी जताने के बाद अब होटल क्राउन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए इस मामले में शामिल व्यक्ति को तुरंत हटा दिया है। वहीं इसके लिए विराट से माफी भी मांगी है।

आजाद सिपाही में प्रकाशित खबर का असर

सरकार ने लिया संज्ञान, अड़की-बीरबांकी और बंदगाव सड़क का अधूरा काम जल्द होगा शुरू

- अड़की की सात पंचायतों के ग्रामीणों की दूसरी मांगों पर भी होगा विचार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने अड़की की सात पंचायतों के ग्रामीणों की मांगों पर समुचित विचार करने का आश्वासन दिया है। इस बाबत राज्य सरकार के वरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इन ग्रामीणों ने अड़की-बीरबांकी- बंदगाव सड़क का

खूंटी जिला प्रशासन के आश्वासन के बाद भी ठेकेदार ने अधूरे पड़े कार्य को शुरू नहीं किया

पंद्रह दिन बाद तमाड़-खूंटी रोड को अनिश्चितकाल के लिए जाम करेंगे सात पंचायत के 12000 ग्रामीण

कोरबा में हुई बैठक में आंदोलन की बनी रूपरेखा, शुरू होगा जनसंपर्क अभियान

अधूरा पड़ा कार्य शुरू नहीं होने पर तमाड़-खूंटी सड़क को बेमियादी जाम करने की चेतावनी दी थी। इसके अलावा ग्रामीणों ने कई दूसरी मांगें भी सामने रखी थीं। आजाद सिपाही ने ग्रामीणों की समस्याओं और उनकी मांगों से संबंधित खबर 28 अक्टूबर के अंक में प्रकाशित की थी। तमाड़ डेटलाइन से प्रकाशित इस खबर में करीब 12 हजार ग्रामीणों द्वारा तय किये गये आंदोलनात्मक कार्यक्रम का विस्तार से ब्योरा दिया गया था।

जानकार सूत्रों ने बताया कि खबर प्रकाशित होने के बाद सरकार ने इसे गंभीरता से लिया। सरकार के शीर्ष स्तर से संबंधित अधिकारियों को तत्काल इस मामले का समाधान करने का निर्देश दिया गया। सूत्रों ने कहा कि अधिकारियों की टीम जल्दी ही इस इलाके में जायेगी। सड़क निर्माण को यथाशीघ्र पूरा करने का निर्देश पहले ही दिया जा चुका है।

बता दें कि अड़की की सात पंचायतों के 12 हजार लोगों ने अधिकारियों की वादाखिलाफी और प्रशासन तथा ठेकेदार की उदासीनता के विरोध में बड़े आंदोलन का फैसला किया है। इसके तहत उन्होंने यह तय किया है कि अगर पंद्रह दिनों के अंदर अड़की-बीरबांकी- बंदगाव सड़क का अधूरा पड़ा कार्य शुरू नहीं होता है, तो वे तीर धनुष लेकर खूंटी-तमाड़ रोड को अनिश्चितकाल के लिए जाम कर देंगे। इस सड़क का निर्माण कार्य 2019 से ही चल रहा है। यह 44 किलोमीटर लंबी सड़क है। बीच-बीच में सड़का का निर्माण अधूरा है। इस कारण से बरसात के दिनों में इस क्षेत्र के लोगों का संपर्क अन्य क्षेत्रों से कट जाता है।

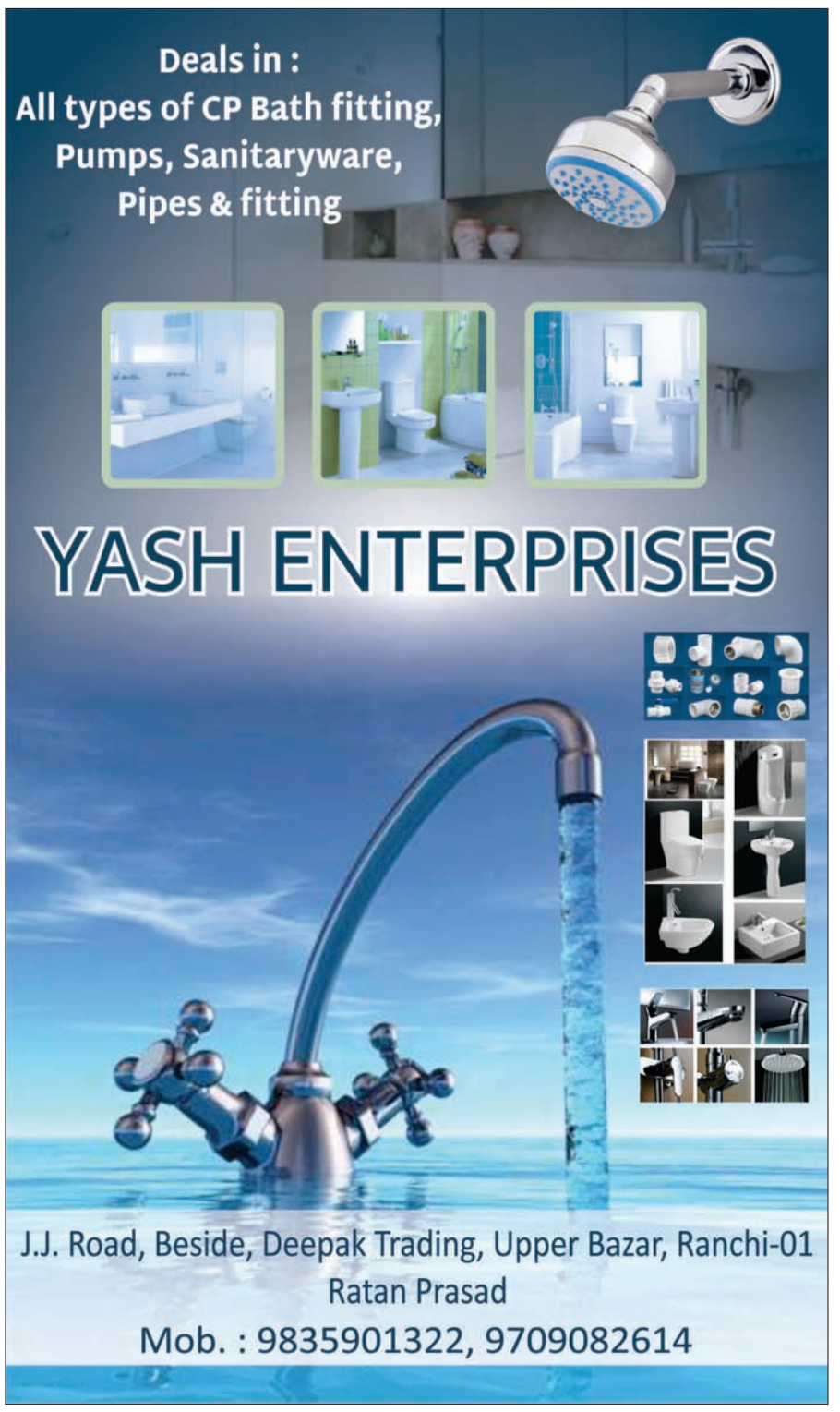

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 47,500 रु./10 ग्राम
चांदी 59,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 01 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

लापरवाही और बदइंतजामी का नतीजा है मोरबी पुल हादसा

बड़ा सवाल : 130 से अधिक मौतों के लिए कौन है जिम्मेदार, आखिर कब तक होते रहेंगे इस तरह के हादसे

आजाद सिपाही विशेष

गुजरात के मोरबी में हुए पुल हादसे में 136 लोग जान गंवा चुके हैं। सरकार से लेकर सेना तक सभी अलर्ट मोड पर हैं। घटनास्थल पर बचाव कार्य जारी है। साथ ही जांच के भी आदेश दिये गये हैं। अब तक इस हादसे के कारणों के बारे में जो जानकारी सामने आयी है, उससे तो साफ लगता है कि 140 साल पुराना यह पुल समुचित रख-रखाव के अभाव का शिकार बन गया। पुल पर कायम बदइंतजामी के कारण इतना बड़ा हादसा हो गया। इस घटना के बाद एक गंभीर सवाल यह उठ रहा है कि आखिर इस बदइंतजामी और लापरवाही का जिम्मेदार कौन है? पुल का रख-रखाव करने की जिम्मेदारी जिस निजी कंपनी को दी गयी थी, उसने आखिर कैसे एक सौ लोगों की क्षमता वाले पुल पर पांच सौ से अधिक लोगों को चढ़ने की इजाजत दे दी। इस कंपनी ने बिना जांच और फिटनेस सर्टिफिकेट के ही पुल को आम जनता के लिए किसकी अनुमति से खोला? इन सवालों का जवाब मिलना अभी बाकी है। हालांकि इस हादसे की जांच के आदेश दे दिये गये हैं, लेकिन गुजरात जैसे प्रदेश में, जो पूरे देश के लिए एक मॉडल है, इस तरह का हादसा होना साबित करता है कि अधिकारियों का बड़ा वर्ग आज भी अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहा है। यह बहुत गंभीर बात है, क्योंकि इस हादसे ने स्थानीय प्रशासन के साथ गुजरात सरकार को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। चूंकि यह हादसा गुजरात में हुआ है, इसलिए यह और भी गंभीर हो गया है। स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच ही इस हादसे के कारणों की असलियत सामने ला सकती है। लेकिन तब तक इस हादसे पर जो राजनीति हो रही है, उसका खामियाजा तो पूरे देश को भुगतना ही होगा। मोरबी पुल के इतिहास के साथ इस हादसे के कारणों की पड़ताल कर रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

गुजरात के मोरबी में माच्छू नदी पर 140 साल पहले बना केबल ब्रिज टूट गया। इस हादसे में खबर लिखने तक 134 लोगों की मौत की सुचना है। वहीं करीब 177 लोगों को बचाया जा चुका है और कई घायल हैं। इस दर्दनाक हादसे के बाद पुलिस ने गुनहगारों की धर-पकड़ तेज कर दी है। फिलहाल अब तक इस मामले में 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार किये गए आरोपियों में ओरेवा कंपनी के 2 मैनेजर, 2 टिकट क्लर्क, 3 सिक्योरिटी गार्ड और 2 रिपेयरिंग कांट्रेक्टर शामिल हैं। इनमें से कुछ को गिरफ्तार करने की भी जानकारी मिल रही है। यह पुल ब्रिटिश शासन के दौरान बनाया गया था। राजा-महाराजाओं के समय का यह पुल ऋषिकेश के राम-झूला और लक्ष्मण झूला पुल की तरह झूलता हुआ सा नजर आता था। इसलिए इसे झूलता पुल भी कहते थे। इसे गुजराती नव वर्ष पर महज पांच दिन पहले ही मरम्मत और रिनोवेशन के बाद चालू किया गया था। यह पुल सात महीने से बंद था। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि अगर मरम्मत के बाद इस पुल को खोला गया था, तो इसमें क्या काम हुआ था और यह कैसे गिर गया? इसका जवाब अब तक कोई नहीं दे सका है। मार्च 2022 में मोरबी की ओरेवा ग्रुप (अजंता मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड) को पुल के रखरखाव का ठेका दिया गया था। अधिकारी इस बात से इनकार कर रहे हैं कि पुल का फिटनेस सर्टिफिकेट जारी ही नहीं किया गया था। मोरबी नगरपालिका के मुख्य अधिकारी संदीपसिंह जाला ने कहा कि पुल मोरबी नगरपालिका की संपत्ति है, लेकिन हमने 15 सालों तक रखरखाव और संचालन के लिए इसे कुछ महीनों पहले कराया जा सका। अब सवाल उठता है कि आखिर बगैर सर्टिफिकेट पुल को आम जनता के लिए कैसे खोल दिया गया। प्रशासन भले ही यह कहकर पल्ला झाड़ रहा हो कि कंपनी ने बिना फिटनेस सर्टिफिकेट के पुल खोला, लेकिन अगर यह पुल पांच दिन पहले जनता के लिए शुरू किया गया था, तो क्या प्रशासन को इस बात की कोई जानकारी नहीं हुई। अगर प्रशासन को पुल के शुरू होने की जानकारी थी, तो उसकी ओर से कंपनी पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गयी।

दूसरा बड़ा सवाल यह है कि जब इस पुल पर एक साथ अधिकतम एक सौ लोगों का भार सहने की क्षमता थी, तो फिर इससे ज्यादा लोगों को पुल पर जाने क्यों दिया। पुल पर जाने के लिए टिकट लगता था और निजी कंपनी के कर्मी ही टिकट बेचते हैं। इससे साफ है कि पुल पर लोग टिकट लेकर गये थे। इससे यह भी साफ है कि पुल की क्षमता और लोगों की गिनती के बारे में टिकट बेचने वाले को जानकारी थी। पुल पर घूमने आये लोगों को 17 रुपये का टिकट खरीदना होता था। बच्चों के लिए 12 रुपये का टिकट अनिवार्य था।

रविवार को छुट्टी की वजह से पुल पर काफी भीड़ थी। प्रशासन और पुल का प्रबंधन करने वाली कंपनी लोगों से टिकट तो वसूल रही थी, लेकिन उनके पास भीड़ को काबू करने का कोई इंतजाम नहीं था। हादसे से पहले कुछ लड़के जब झूले को हिला रहे थे, तब कुछ लोगों ने कंपनी से इसकी शिकायत भी की। तब कंपनी ने यह कह कर पल्ला झाड़ लिया कि उनके पास भीड़ को काबू करने का कोई इंतजाम नहीं है। यदि यह सही है, तो फिर इस काम का जिम्मा इस गैर-जिम्मेदार कंपनी को क्यों दिया गया था, यह भी जांच का विषय है।

मोरबी झूला पुल की कहानी

लगभग डेढ़ सौ वर्ष पूर्व मोरबी के राजा सर वाघजी ठाकोर ने इस पुल का निर्माण कराया था। उस समय इसे 'कलात्मक और तकनीकी चमत्कार' कहा जाता था। इस पुल का उद्घाटन 20 फरवरी 1879 को मुंबई के तत्कालीन गवर्नर रिचर्ड टेंपल ने किया था। पुल के निर्माण के लिए आवश्यक सभी सामग्री इंग्लैंड से आयी थी और निर्माण की लागत तब साढ़े तीन लाख रुपये थी। वर्षों पुराना यह पुल मोरबी के शाही दिनों की याद दिलाता था। इस पुल के कारण शहर में बड़ी संख्या में पर्यटक आते थे और उस समय इसे एक 'कलात्मक और तकनीकी चमत्कार' के रूप में देखा जाता था। यह पुल 1.25 मीटर चौड़ा और 233 मीटर लंबा था। यह दरबारगढ़ पैलेस और शाही निवास नजरबाग पैलेस को भी जोड़ता था। वर्ष 2001 में गुजरात में आये विनाशकारी भूकंप से यह पुल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इस पुल के निर्माण के पीछे सर वाघजी ठाकोर पर औपनिवेशिक काल के स्थापत्य का स्पष्ट प्रभाव था। वाघजी ठाकोर मोरबी शहर के विकास में तेजी लाने के लिए इससे प्रेरित हुए थे। सर वाघजी ठाकोर ने 1922 तक मोरबी पर शासन किया। शाही काल के दौरान मोरबी शहर की प्लानिंग में यूरोपीय शैली का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। शहर के मुख्य चौराहे को 'ग्रीन चौक' के नाम से जाना जाता है, जहां तीन अलग-अलग दरवाजों के माध्यम से पहुंचा जा सकता है। इन तीनों दरवाजों के निर्माण में राजपूत और इतालवी शैली का मेल साफ देखा जा सकता है। मोरबी जिले की वेबसाइट के अनुसार, सस्पेंशन ब्रिज मोरबी रॉयल्टी के 'प्रगतिशील और वैज्ञानिक दृष्टिकोण' को प्रदर्शित करता है। इस पुल का मालिकाना हक फिलहाल मोरबी नगरपालिका के पास है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हुए भावुक

इस हादसे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भावुक हो गए। उन्होंने गुजराती में कहा, मोरबी हादसा भयंकर पीड़ादायक है। वह कहते-कहते कई बार रुक गए। उनकी आवाज भारी हो गयी। पीएम ने कहा, मन बहुत व्यथित है। मैं दुविधा में था कि विकास के कार्यक्रम जो हैं, उन्हें करुं कि न करुं। बनासकांठा के लिए ये कार्यक्रम जरूरी हैं। लेकिन आपके प्रेम और सेवाभाव और हमारे कर्तव्य निभाने के संस्कार की वजह से मैं मन मजबूत कर के आपके वास्ते यहां आ गया। बनासकांठा मतलब पूरा उत्तर गुजरात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक नवंबर को मोरबी जायेंगे। वह हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से भी मिलेंगे।

दुमका के हंसडीहा में गैस टैंकर विस्फोट में झुलस गये थे 20 से अधिक लोग

झुलसे मरीजों के इलाज के लिए मौके पर पहुंची रिम्स के तीन डॉक्टरों की टीम

आजाद सिपाही संवाददाता

दुमका। दुमका के हंसडीहा थाना क्षेत्र के बढ़ैत गांव में पिछले दिनों गैस टैंकर विस्फोट में कई ग्रामीण घायल हुए थे। घायलों का इलाज दुमका दुमका स्थित फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश और पहल पर रांची के रिम्स से तीन चिकित्सकों की टीम रविवार को दुमका पहुंची। चिकित्सकों ने मरीजों के इलाज का जायजा लिया। मरीजों की जांच कर आवश्यक दिशा- निर्देश दिये। टीम ने वहां भर्ती मरीजों के चल रहे इलाज को संतोषप्रद बताया।

मरीजों की जांच की, चार को किया रांची रेफर : रविवार को दुमका पहुंचे चिकित्सकों ने अपने स्तर से बारी-बारी से मरीजों की जांच की। टीम में सर्जन डॉ गौरव, क्रिटिकल केयर के डॉ वरुण और प्लास्टिक सर्जन डॉ विक्रांत रंजन मौजूद थे।

मरीजों की जांच के बाद रिम्स के तीनों चिकित्सक ने अब तक चले इलाज को संतोषप्रद बताया। उन्होंने कहा कि इन्हें जो भी दवा दी गयी, जिस तरह से यहां इलाज किया गया, वह सटीक है। सभी मरीजों की स्थिति खतरे से बाहर है। हालांकि 20 मरीजों में 4 ऐसे मरीज हैं, जिन्हें रांची के लिए रेफर कर रहे हैं, ताकि उन्हें और बेहतर इलाज मिल सके।

सीएम की पहल पर गयी थी डॉक्टरों की टीम : बता दें कि गैस टैंकर विस्फोट में आग से झुलसे सभी लोगों को पहले सरैयाहाट के सीएचसी और अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। वहां से तीन घायलों को फूलो झानो मेडिकल कॉलेज में रेफर कर दिया गया था। अचानक शनिवार की रात हादसे में जले 17 मरीज, जो स्थानीय अस्पताल में इलाज कर अपने घर भी लौट गये थे, वे मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। उनका कहना था कि घाव वाले स्थान में काफी जलन हो रही है। मुख्यमंत्री को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, तो उन्होंने त्वरित संज्ञान लेते हुए ट्वीट किया कि रविवार को रांची रिम्स से चिकित्सकों की टीम दुमका जाएगी और अग्निकांड के पीड़ित मरीजों के इलाज का जायजा लेगी।

कोर्ट की छुट्टियां खत्म

आज से हाइकोर्ट समेत राज्य भर के सिविल कोर्ट में रेगुलर सुनवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। करीब एक महीने बाद 1 नवंबर से झारखंड की सभी निचली अदालतों (सिविल कोर्ट) में नियमित सुनवाई शुरू हो जायेगी। 1 अक्टूबर से सिविल कोर्ट में सिर्फ बेल एवं अन्य महत्वपूर्ण मामलों की ही सुनवाई वैकेशन कोर्ट में हो रही थी। अब मंगलवार से दुबारा सभी जिला अदालतें अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करेंगी।

रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता प्रीतांशु सिंह ने बताया कि वैकेशन कोर्ट के दौरान ट्रायल की प्रक्रिया पर ब्रेक लग जाती है, लेकिन छुट्टी के बाद रेगुलर कोर्ट शुरू होने से मुकदमों में गवाही और ट्रायल की प्रक्रिया सुचारू रूप से चलेगी, जिससे पक्षकारों को भी सहूलियत होगी।

हाइकोर्ट ने काउज लिस्ट भी जारी की : वहीं करीब 10 दिनों के बाद झारखंड हाइकोर्ट में भी मंगलवार से मुकदमों की सुनवाई दुबारा शुरू होगी। हाइकोर्ट ने मंगलवार को होने वाली सुनवाई से पहले काउज लिस्ट भी जारी कर दी है। अधिवक्ताओं एवं उनके मुवक्किलों के लिए सूचीबद्ध मामलों की लिस्ट अपडेट कर दी गयी है।

झारखंड हाइकोर्ट के एडवोकेट एसोसिएशन की युवा निर्वाचित सदस्य शौर्या कश्यप द्विवेदी कहती हैं कि न्यायालय में छुट्टी के दौरान मुकदमे में उलझे अधिवक्ताओं को एक ब्रेक मिलता है, जिससे अपने केस में बेहतर करने के लिए वकीलों को अध्ययन करने का थोड़ा समय भी मिल जाता है।

मोरबी ब्रिज हादसे पर जताया दुख

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गुजरात में मोरबी ब्रिज की दुर्घटना में अब तक 146 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। दुर्घटना में सबसे ज्यादा मौत बच्चों और महिलाओं की हुई है। इस घटना पर झारखंड के नेताओं ने भी दुख व्यक्त किया है।

पूर्व सीएम **बाबूलाल मरांडी** ने लिखा, गुजरात के मोरबी स्थित झूलता पुल के अचानक टूटने से कईयों के हताहत होने एवं लापता होने की अत्यंत दुःखद सूचना मिली। राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। ईश्वर पीड़ित परिजनों को दुःख के इस वज्रपात सहने की शक्ति प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री **रघुवर दास** ने भी घटना पर दुख जताते हुए लिखा है, गुजरात के मोरबी में केबल ब्रिज टूटने के हादसे का दुखद समाचार मिला। राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। ईश्वर से हादसे में घायल हुए लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

सीएम हेमंत सोरेन ने हादसे में घायल लोगों की कुशलता की कामना की

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ट्विटर पर लिखा- गुजरात के मोरबी में नदी पर बने ब्रिज के टूटने से कई लोगों के निधन होने की दुःखद खबर मिली है। परमात्मा से हादसे में घायल हुए लोगों की कुशलता की कामना करता हूं।

भाजपा नेता और सांसद **निशिकांत दूबे** ने भी घटना पर दुख जताया है। सोशल मीडिया पर इन्होंने लिखा गुजरात के मोरबी में पुल टूटने से हुई दुर्घटना अत्यंत दुःखद है। इस हादसे में दिवंगत सभी को ईश्वर शांति प्रदान करें और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्यलाभ की प्रार्थना करता हूं। शोकाकुल परिवारों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं।

झारखंड में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष **राजेश ठाकुर** ने इस घटना पर खेद प्रकट करते हुए लिखा, अत्यंत दुखद घटना। गुजरात के मोरबी में केबल पुल टूटने से करीब 400 लोगों के नदी में गिरने एवं 40 लोगों के निधन की खबर आ रही है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दुर्घटनाग्रस्त लोगों को सही सलामत रखें एवं दिवंगत भक्तगणों को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

पलामू में दो लोगों को मारी गोली

पुलिस जवान ने सर्विस रिवाल्वर से चलायी गोली, एक गंभीर रूप से घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

पलामू। पलामू जिले में झारखंड पुलिस के एक जवान ने छठ पर्व की रात अपने सर्विस रिवाल्वर से दो लोगों पर गोली चला दी। एक व्यक्ति बाल बाल बच गया, जबकि दूसरे का इलाज मेडिका हॉस्पिटल, रांची में चल रहा है। आरोपी जवान विनीत मिश्रा मेदिनीनगर सेंट्रल जेल के सुप्रीटेंडेंट का बॉडी गार्ड है। इसे घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला शहर थानाक्षेत्र का है। रविवार की रात करीब आठ बजे रेड़मा का रहने वाला अंजन तिवारी चियांकी स्थित लाइन होटल अपने पिता को लेने जा रहा था। रास्ते में बक्शी टेंपो शो रूम के पास पुलिस जवान विनीत मिश्रा अपने साथी रेड़मा के काशीनगर निवासी गुड्डू तिवारी के साथ हथियार लिए खड़ा था। अंजन को देख उस पर गोली चला दी। गोली अंजन के पीठ को छूते हुए निकल गया। इसकी जानकारी अंजन ने अपने घर वालों को दी। गोली चलाने का कारण जानने लोग गुड्डू तिवारी के घर पंहुचे। वहां जवान विनीत भी मौजूद था। इसी दौरान उसने मनीष तिवारी उर्फ रिंकू (38) परभी गोली चला दी। गोली रिंकू की छाती के पास लगी। एमएमसीएच में प्राथमिक उपचार के बाद उसे रांची रेफर कर दिया गया। मेडिका में ऑपरेशन के बाद गोली निकाल दी गयी है। इस संबंध में जख्मी रिंकू के पिता ललन तिवारी ने नामजद एफआईआर दर्ज कराया है। घटना की जानकारी मिलते ही रात में एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने हॉस्पिटल पहुंच कर थाना प्रभारी को छानबीन और आरोपियों के गिरफ्तारी के लिए निर्देश दिया। थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा ने बताया कि आरोपी जवान को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसका सर्विस रिवॉल्वर जब्त कर लिया गया है।

सोशल मीडिया कैंपेन से रिम्स पहुंची एथलीट जूली

सड़क हादसे में हुई थी घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। समाज के कुछ युवाओं ने मदद के लिए अभियान चलाया और जूली को रिम्स के न्यूरोसर्जरी विभाग में भर्ती कर लिया गया है। न सिर्फ इलाज की व्यवस्था, बल्कि पैसे के लिए क्राउड फंडिंग भी की गयी। इसके जरिए एक लाख 20 हजार रुपये जमा कर लिया गया है। बता दें कि 16 साल की जूली महतो रांची में आयोजित 37वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए रांची आ रही थी। वो अपने ममेरे भाई और एथलीट राहुल के साथ बाइक से निकली थी। इसी दौरान धनबाद के महुदा लालबंगला के पास बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। जूली के सिर में अंदरूनी चोट लगी है।

रिम्स में चल रहा इलाज : मामा भरत महतो ने कहा कि घटना के बाद मेरे बेटे राहुल ने फोन कर जानकारी। घर में चीख-पुकार मच गयी। आनन-फानन में इलाज के लिए एसएनएमसीएच धनबाद लेकर गये, जहां से बेहतर इलाज के लिए बोकारो के बीजीएच हॉस्पिटल रेफर किया गया। पैसे की तंगी आड़े आ रही थी। इसके बाद धनबाद के मुकुंदा गांव के युवक राहुल मोदक और तोपचांची के महाबीर महतो ने सोशल मीडिया के जरिए क्राउड फंडिंग और ट्विटर के जरिए मंत्री चंपई सोरेन का ध्यान आकृष्ट करवाया। इसके बाद जूली को रिम्स के न्यूरोसर्जरी विभाग में भर्ती किया गया है, जहां जूली की हालत पहले से बेहतर है।

धनबाद जिले की चैंपियन रह चुकी है जूली : जूली धनबाद जिले के बलियापुर प्रखंड बन्दरचुआ की रहने वाली है। बचपन में सिर से पिता का साया उठ गया, जिसके बाद जूली ने पढ़ाई के साथ स्पोर्ट्स को अपना भविष्य मान गांव की पंगडंडियों पर दौड़ना शुरू किया। जुनून ने उसे साल 2022 में कामयाबी दिलायी, जब उसने धनबाद जिले में आयोजित अंडर-16 में 100 और 300 मीटर दौड़ में वो चैंपियन बन कर आपने गांव और जिले का नाम रौशन किया। गुवाहाटी में 11 से 15 नवंबर तक आयोजित 37वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के ट्रायल में भाग लेने के लिए मोरहाबादी फुटबॉल स्टेडियम आ रही थी कि यह घटना घट गयी।

बेहतर प्रयास कर रहे हैं डॉक्टर : जूली का इलाज रिम्स के न्यूरो सर्जरी विभाग के आइसीयू में चल रहा है। डॉ अनिल कुमार केकी यूनिट में उसे भर्ती किया गया है। विभाग के सीनियर रेसिडेंट डॉ विकास कुमार ने ट्विटर पर घटना का संज्ञान लिया। इसके बाद जुली का इलाज यहां शुरू हो पाया। उन्होंने कहा कि जूली के सिर पर गंभीर चोट लगी है, जिस वजह से ब्लड क्लॉट कर गया है। उन्होंने कहा कि हम लोग बेहतर प्रयास कर रहे हैं। उम्मीद है कि रिजल्ट अच्छा होगा।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.6 °c	15.4 °c
सूर्यास्त (आज) :		17.11 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.53 बजे

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व संपन्न, घाटों पर उमड़ा सैलाब

छठ महापर्व प्रकृति की पूजा का प्रतीक है : हेमंत सोरेन

सीएम ने सपरिवार हटनिया तालाब जाकर भगवान भास्कर को दिया अर्घ्य

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही महा आस्था का छठ पर्व का सोमवार को संपन्न हो गया। राजधानी सहित राज्यभर के नदियों, तालाबों के किनारे के साथ ही घर में बने कुंडों में छठव्रती महिलाओं और उनके परिजनों ने भगवान भास्कर के दोनों रूपों (अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य) को अर्घ्य दिया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर राज्य के विकास और राज्यवासियों की सुख- समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रांची के नक्षत्र वन स्थित हटनिया तालाब पहुंचे तथा सैकड़ों व्रतियों के बीच छठ पूजा में शामिल हुए। इस दौरान उनकी धर्म पत्नी कल्पना सोरेन और दोनों बेटे साथ थे।

प्रकृति पर आस्था और उससे जुड़ाव भारतीय संस्कृति की रही है परंपरा : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह महापर्व सूर्य भगवान की आराधना के लिए जाना जाता है। छठ महापर्व प्रकृति की पूजा का प्रतीक है। प्रकृति पर आस्था और उससे जुड़ाव भारतीय संस्कृति की परंपरा रही है। हमारी माताएं-बहनें 72 घंटे का व्रत रखकर भगवान भास्कर की आराधना करती हैं। यह हजारों साल पुरानी अद्भुत परंपरा है। राज्यवासियों को महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठी मैया से उनकी प्रार्थना है कि सभी सुखी हों, सब निरोगी रहें, छठी मैया सबका मंगल और कल्याण करें। मुख्यमंत्री एवं उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने हटनिया तालाब में डिप्टीपाड़ा निवासी छठ व्रती विनोद कुमार वर्मा एवं दीनदयाल नगर निवासी छठ व्रती शिवनारायण राम के परिजनों के साथ डूबते भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर अपनी श्रद्धा अर्पित की।

कोरोना संक्रमण से मिली राहत ने बढ़ाया महापर्व का उत्साह : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि छठ महापर्व के अवसर पर हर तरफ भक्ति का रंग कुछ अलग ही दिखायी पड़ा। कोरोना महामारी के कारण जहां पिछले वर्ष महिलाओं ने सीमित रूप में ही व्रत किया था, वहीं इस बार कोरोना से राहत मिलने की स्थिति में फिर वही पुराना उत्साह और जोश के साथ छठ पर्व मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने भगवान भास्कर से प्रार्थना की कि इसी उत्साह और उमंग के साथ हमारी सभी परंपराएं आगे बढ़ती रहें। सभी छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं पर भगवान भास्कर अपनी कृपा दृष्टि बनाये रखें।

OXFORD (N) SCHOOL
(A Play School)
Bahu Bazar, Opp. Yogda Math, Ranchi; Phone: 7485096734/35
REGISTRATION FOR ADMISSION - PRE-NURSERY, NURSERY & PREP
Registration forms for admission in Pre-Nursery, Nursery & Prep for the session 2023-24 will be available in the school office from **1.11.2022 to 25.11.2022** on working days **(Timing – 8:30 a.m. to 1:00 p.m.)**. For further details, contact school office or visit **www.oxfordkidsworld.org.** Parents must carry a copy of the Municipal Birth Certificate and Aadhar Card to procure the registration form. ***BUS FACILITY AVAILABLE.***
Principal

OXFORD PUBLIC SCHOOL
Pragati Path, Old H.B. Road, Ranchi; Phone: 7485096733
REGISTRATION FOR ADMISSION - NURSERY, PREP & STD-I
Registration forms for admission in Nursery, Prep and Std-I for the session 2023-24 will be available in the Junior Wing office counter and on school's official website **www.oxfordpublicschool.net.in** from **1.11.2022 to 25.11.2022** on working days **(Timing – 8:30 a.m. to 1:00 p.m.)**. Parents must carry a copy of the Municipal Birth Certificate and Aadhar Card to procure the registration form. ***BUS FACILITY AVAILABLE.***
Principal

हरीद्रानंद का 74वां जन्मदिवस मनाया गया

रांची (आजाद सिपाही)। शिव शिष्यता के जनक साहब हरीद्रानंद का 74वां जन्म दिवस मनाया गया। साहबश्री के शरीर त्यागने के बाद पहली बार बिना उनकी शारीरिक उपस्थिति के शिव शिष्यों ने उनका जन्मदिन मनाया। रांची स्थित मुख्यालय उपवन में सवा घंटे का शिव नाम संकीर्तन किया गया और पुष्पांजलि अर्पित की गयी। ऐसा ही आयोजन देश-विदेश में भी किया गया। बहुत सारे अनाथालय/ वृद्धाश्रम में भी दैनिक वस्तुओं का वितरण किया गया और वृक्ष भी लगाये गये। इस अवसर पर उनके पुत्र सह उनके आप्त सचिव अर्चित आनंद ने बताया कि साहब शिवलीन जरूर हुए हैं, परंतु वो अपने विचारों का बीज जनमानस के अंदर बोकर गये हैं। हम सभी शिव शिष्यों का यह कर्तव्य है कि उनके द्वारा दिये गये शिवचर्चा के पथ पर खुद भी चलें और लोगों को भी प्रेरित करें। अर्चित आनंद ने बताया कि हरीद्रानंद की समाधि रांचीमें बनायी जायेगी। इस आयोजन में शिव शिष्य हरीद्रानंद फाउंडेशन की अध्यक्ष बरखा सिन्हा, अनुनिता आनंद, अभिनव आनंद, शिव कुमार, गौतम, राजेश सहित 1000 से अधिक शिवशिष्य/ शिष्या उपस्थित थे।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 01 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार का दूसरा चरण आज से

रांची में आज नहीं कल लगाया जायेगा कैंप

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हेमंत सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पंचायत स्तर पर आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का दूसरा चरण कल यानि 01 नवंबर से शुरू होगा। दूसरे चरण में एक से 14 नवंबर तक विभिन्न प्रखंडों के पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन होना है। हालांकि, रांची में एक नवंबर को कैंप का आयोजन नहीं हो रहा है। रांची जिला प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार यहां 2 नवंबर यानि बुधवार के दिन कैंप लगाया जायेगा। इस दिन जिन 18 प्रखंडों में कैंप का आयोजन होना है उसकी सूची भी जारी की गयी है। इसके अलावा इस दिन रांची नगर निगम क्षेत्र के दो वार्ड में भी कैंप का आयोजन किया जायेगा। अभियान के तहत शिविर लगा कर जरूरतमंदों को लाभान्वित किया जायेगा।

इन मामलों का होगा निष्पादन

झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत 5 लाख नये ग्रीन राशन

कार्ड, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना हेतु आवेदन, सर्वजन पेंशन योजना व किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन समेत अन्य योजनाओं का लाभ सुयोग्य लाभुकों से आवेदन प्राप्त कर जांचोपरांत दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना अंतर्गत आवेदन प्राप्त करना, मनरेगा के तहत प्रत्येक गांव में न्यूनतम 5-5 योजनाओं की स्वीकृति प्रदान करना। 15वें वित्त आयोग के वार्षिक लक्ष्य के विरूद्ध शत-प्रतिशत योजनाओं को स्वीकृत करते हुए उन्हें प्रारंभ करना। धोती, साड़ी, लुंगी और कंबल का वितरण करना। वित्तीय वर्ष 2022-23 तक भू-राजस्व के अद्यतन रसीद निर्गत तथा अन्य भू-राजस्व से संबंधित मामलों का निबटारा, असंगठित मजदूरों का ई-श्रम तथा प्रवासी मजदूरों/परिवारों का श्रमाधान पोर्टल पर निबंधन, पीडीएस के तहत राशन कार्ड को आधार से लिंक, धान अधिप्राप्ति हेतु किसानों का निबंधन, हड़िया/शराब के व्यापार में संलग्न महिलाओं को वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध, सेवा के अधिकार के तहत प्रमाण पत्रों के आवेदनों का निष्पादन, बिजली तथा पेयजल से संबंधित समस्याओं का निपटारा सुनिश्चित किया जायेगा।

आदिवासी सभ्यता-संस्कृति के संरक्षण के लिए आगे आना होना : कृष्णा उरांव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सोमवार काके रोड मिसिर गोंदा स्थित बारह पड़हा जतरा का आयोजन किया गया। गांव के महतो राजा संदीप उरांव काठ के घोड़े में सवार होकर चलफा दल एवं कलशा दल के साथ पारंपरिक वेश भूषा एवं पारंपरिक वाद्य यंत्र ढोल नगाड़ों के साथ कार्यक्रम में हुए। जतरा में मिसिर गोंदा से चिलगू लकड़ा के नेतृत्व में प्रतीक चिह्न काठ के घोड़ा के साथ खोड़ा दल, जयपुर से पिंकल गाड़ी के नेतृत्व में प्रतीक चिह्न रंपा चंपा के साथ खोड़ा दल, कटहर गोंदा से रवि उरांव के नेतृत्व में प्रतीक चिह्न कढ़सा के साथ खोड़ा दल, कोंगे जयपुर से नरेश पाहन नेतृत्व में खोड़ा दल, भिठ्ठा से सोनू पाहन के नेतृत्व में प्रतीक चिह्न परक्षा झंडा के साथ खोड़ा दल, चंदवे से विनोद पाहन के नेतृत्व में खोड़ा दल, हथिया गोंदा से जतरू पाहन के नेतृत्व में खोड़ा दल, पतरा गोंदा से मालू पाहन के नेतृत्व में खोड़ा दल अपने पारंपारिक वेश/भूषा तथा पारंपरिक वाद्ययंत्र ढोल नगाड़ों के साथ जतरा में शामिल हुए। मिसिर गोंदा मौजा के पहान बिरसा पाहन एवं कोटवार लक्ष्मन नायक ने जतरा देव खूंटा एवं सरना अखड़ा स्थल में पूजा कर समाज की सुःख समृद्धि की मनोकामनाएं की।

पाहन बिरसा पाहन ने कहा कि देव खुट्टा में बारह मुर्गा / मुर्गी का बलि देकर तथा मौजा के अखड़ा में एक रंगवा मुर्गा देकर गांव की सुःख शांति तथा बारह पड़हा मौजा के गांवों/टोलों में खुशहाली बनी रहे। इसको लेकर अपने रूढ़िवादी परंपरा के अनुसार पुजा पाठ की गयी।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वीरेंद्र कुमार टोप्पो (डीआइजी सीआरपीएफ), झारखंड राज्य आंदोलनकारी आयोग के पूर्व सदस्य श्री सुनील फकीरा कच्छप, विध्यन टोप्पो, जिला परिषद सदस्य विपिन टोप्पो, वार्ड नं 2 के पार्षद गुंदरा उरांव, वार्ड 1 के पार्षद नकुल तिर्की, जयपुर के मुखिया सुधीर मुंडा, नरेश पाहन, मुन्ना उरांव, रवि खलखो, अजित लकड़ा, डॉ बबलू राम, सोनू खलखो, प्रो प्रतीत कच्छप, कृष्णा लकड़ा, अध्यक्ष कृष्णा उरांव कोषाध्यक्ष ललित उरांव, सचिव मुकेश उरांव, पूर्व अध्यक्ष सम्मी गाड़ी, पूर्व अध्यक्ष अनिल उरांव, राज तिर्की, सोनू कुजूर, किशुन गाड़ी, सोनू तिर्की, सन्नी उरांव, सम्मी गाड़ी, आशीष उरांव, विशाल उरांव, सूरज पहान, राजेश उरांव, प्रवीण उरांव, राजेश उरांव, बिमल टोप्पो, सोनू तिर्की, राकेश लकड़ा, आनंद उरांव, विकास लकड़ा, संजय उरांव, आलोक बांडो, नितिन लिंडा, आकाश उरांव, रोहित उरांव, आशीष लकड़ा, दीपू लकड़ा, विजय लकड़ा, राहुल लिंडा, संरक्षक देव नारायण उराव, रामनारायण खलखो, अशोक खलखो, मंगा उरांव, सुरेश टोप्पो, सुनील कच्छप, सूरजू उरांव, माठू उरांव, मर्या उरांव, एतवा मुंडा, लाधु उरांव, भानु उरांव, आशीष हेमरोम, जग्गनाथ उरांव, सोहराई उरांव, विवेक खलखो, प्रदीप लकड़ा, मुन्ना गाड़ी, अजय उरांव, संजय उरांव, निखिल बांडो, बसंती कुजूर, कोयली उरांव, रजनी उरांव, शांति उरांव, विनोद राम, सूरज पहान, अमन हेमरोम, बल्लू लोहरा, राजवीर सिंह, आकाश तिर्की, रमीज इत्यादि लोग मौजूद थे।

सरदार पटेल को राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया नमन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 147वीं जयंती के मौके पर राज्यपाल रमेश बैस और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें नमन किया। राज्यपाल रमेश बैस ने राजभवन में सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि आधुनिक भारत के महान शिल्पी एवं देश की एकता एवं अखंडता के प्रतीक भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। देश के एकीकरण के लिए उनके द्वारा किये गये कार्य सदैव स्मरणीय तथा हर पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेंगे।

एकता के प्रतीक सरदार पटेल को नमन : हेमंत

वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया ट्विटर पर लिखा, देश की एकता के प्रतीक लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शत-शत नमन। बता दें लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती हर वर्ष 31 अक्टूबर को मनायी जाती है। इस दिन को भारत में राष्ट्रीय एकता दिवस के तौर पर मनाया जाता है. सरदार पटेल आजाद भारत के पहले उप प्रधानमंत्री थे। देश की आजादी और एकीकरण में सरदार पटेल ने अभूतपूर्व योगदान दिया था।

चडरी कोल जतरा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सोमवार को पी डब्ल्यू कचहरी के निकट जतरा स्थल में आदिवासी परंपरा के अनुसार रंगुवा मुर्गा की बलि देकर कोल जतरा मनाया गया. गांव के पाहन गुड्डू पाहन, पइनभोरा दीपक मुंडा, कोटवार दीनू मुंडा ने अपने इष्ट देवों और पूर्वजों को भेलवा फड़ाई और रंगुवा मुर्गा की बलि देकर अपना धर्म निभाया। इस मौके पर गांव की सुख-शांति का कामना की गयी। पाहन ने कहा कि पूर्वजों द्वारा स्थापित परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं, जो बलि प्रथा से संपन्न होती है। ऐसी प्रथाएं किसी और तरीके से करना हमारी संस्कृति और सभ्यता से खिलवाड़ करना होगा। इस मौके पर चडरी सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा ने बताया कि किसी भी गांव में जतरा का आयोजन पूर्वजों की दूरदर्शी सोच और व्यावहारिकता का परिचायक है। जिन परिस्थितियों में ऐसी व्यवस्था का सृजन हुआ, उस समय ना तो यातायात की सुविधाएं थी और ना ही संचार के साधनों की व्यवस्था थी। लोगों के पास खेती बारी के अलावा पर्याप्त समय होता सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों को सौंपने की जिम्मेवारी अब हम लोगों की है।

ये रहे मौजूद : इस मौके पर चडरी सरना समिति के मुख्य संरक्षक जितेंद्र सिंह, पूजा समिति अध्यक्ष बबलू मुंडा, कार्यकारी अध्यक्ष आकाश मुंडा, राजेश मुंडा, शंकर लिंडा, बादल लिंडा, संजय लकड़ा, मंगल मुंडा, विकी मुंडा, अमनदीप मुंडा, बजरंग मुंडा, पल्लू मुंडा, राहुल मुंडा, उदय मुंडा,प्रे म लिंडा, चीकू लिंडा, आशीष लिंडा, सागर भगत, दीपक मुंडा, अप्पू लिंडा, प्रदीप मुंडा, रामा मुंडा, पनीर मुंडा, अजीत नायक, सूरज नायक ,विश्वनाथ मुंडा, छोटू पहान, फूदकू पहान, बबलू पहान, अशोक मुंडा, भोला केसरी, बबलू खान, बंटी मुंडा समेत कई लोग उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

पीआइबी रांची के अपर महानिदेशक ने अधिकारियों को दिलायी सत्यनिष्ठा की शपथ

रांची (आजाद सिपाही)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), प्रादेशिक कार्यालय एवं पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की ओर से लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती 'एकता दिवस' और उनकी जयंती के अवसर पर ही आयोजित होने वाले सतर्कता जागरुकता सप्ताह पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। गुगल मीट पर ऑनलाइन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में पीआईबी रांची के अपर महानिदेशक अखिल कुमार मिश्रा के सभी को इन दोनों ही महत्वपूर्ण विषयों पर कर्तव्य एवं सत्यनिष्ठा की शपथ दिलायी। साथ ही रांची स्थिति पीआईबी और सीबीसी के कर्मियों ने सीबीसी प्रादेशिक कार्यालय में एकत्रित होकर शपथ ग्रहण किया। सतर्कता सप्ताह, इस वर्ष 31 अक्टूबर से 6 नवंबर तक मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय एकता दिवस पर गुजरात के केवड़िया में आयोजित मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह में झारखंड में स्थित केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भागीदारी रही।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर आरयू ने किया रन फॉर यूनिटी का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सोमवार को रांची विश्वविद्यालय में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। रांची वीमेंस कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रोग्राम ऑफिसर डॉ कुमारी उर्वशी ने निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसका विषय था भारत के राजनीतिक एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर दीक्षा कुमारी, द्वितीय स्थान पर रानी कुमारी महतो, तृतीय स्थान पर रिया कुमारी और चारूबाला कुमारी संयुक्त रूप से रहीं। कार्यकताओं ने ऑनलाइन माध्यम से यह प्रतिज्ञा ली कि मैं पूरी तरह से प्रतिज्ञा करती हूं कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए खुद को समर्पित करती हूं। मैं इस प्रतिज्ञा को अपने देश की एकता की भावना से लेती हूं, जो सरदार वल्लभ भाई पटेल की दृष्टि और कार्यों से संभव हुआ। मैं भी अपने देश की आंतरिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान देने का दृढ़ संकल्प करती हूं। शपथ और निबंध प्रतियोगिता में 22 कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

हिंदपीढ़ी में युवक ने शादी का झांसा देकर किया युवती से यौन शोषण, गिरफ्तार

रांची (आजाद सिपाही)। हिंदपीढ़ी थाना की पुलिस ने यौन शोषण के एक आरोपी को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। आरोपी मोहम्मद कैफी उर्फ टीपू आलम हिंदपीढ़ी खेत मोहल्ला का निवासी है। उस पर हिंदपीढ़ी की एक युवती ने केस दर्ज कराया था। पीड़ित युवती का आरोप था डेढ़ साल पहले उससे उसकी दोस्ती हुई। शादी का झांसा देकर आरोपी ने उससे शारीरिक संबंध बनाया। ऐसा वह एक साल तक करता रहा। शादी से इनकार करने पर उसने आरोपी पर केस दर्ज कराया।

आइफा इंटरनेशनल में विश्व हेल्विन दिवस का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। विश्व हेल्विन दिवस आइफा इंटरनेशनल में का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं का प्रदर्शन दर्शकों को मंत्र मुक्त कर दिया। 40 प्रतिभागियों ने अपने कलात्मक से शाम को भूतफूल बना दिया। हर एक ने आत्माओं का रूप लेकर अपने अत्याचारों को दर्शाया और बताया कि इंसान अपने स्वार्थ के लिए कुछ भी कर जाता है। संदेश दिया बुराइयों तथा बुरे लोगों से बचें। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडली में कविता वर्मा वॉइस प्रिंसिपल आर्मी पब्लिक स्कूल रांची तथा डॉ साजिश परवेज थे। डॉ राम शक्ल सिंह वीवीपीएस से बच्चों का कार्य को देखा और समझा। प्रथम पुरस्कार सुरूतिका मानना, सेकेंड पुरुस्कार अंकिता कुमारी, मारवाड़ी कॉलेज, थर्ड पुरुस्कार रिया कुमारी तथा बेस्ट एंट्रीज में स्नेहा कुमारी तथा आर्य कुमारी, सोनल, जिया पोद्दार, अफीफा, निधि कुमारी तथा नैना को मिला को मिला। धन राशि रूप में 3000, 2000 तथा 1000 रुपया फर्स्ट सेकंड थर्ड को और मोमेंटो दिया गया। मंच का संचालन आकृति सिन्हा ने किया। इस कार्यक्रम में संगीत का आयोजन था, जिसमें सिंगर अरशद उबैद ,जयदेव, जमाल अख्तर ,कुमार गहलोत तथा साबिर हुसैन ने गाना गाकर दर्शकों को झूमने में मजबूर कर दिया। इसका कार्यक्रम को सफल बनाने में हुमायूं, शगुफ्ता बानो, अलमा हसन, हैप्पी, अतीक रजा, आलिया का सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में बॉलीवुड एक्टर दिवेश खान सीटीए निदेशक अरशद ओबैद, डॉ नीरजा धन्यवाद ज्ञापन मोहम्मद साबिर हुसैन और आकृति सिन्हा ने किया।

जनजाति सम्मेलन सह डीलिस्टिंग रैली 27 को

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कार्तिक उरांव के अधूरे कार्य अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए आज पूरे देश भर के जनजाति समाज सड़कों पर उतर चुका है। जो जनजाति/ आदिवासी अपना आदिमत तथा विश्वासों को त्याग दिया हो, वह जनजाति का सदस्य नहीं माना जा सकता है। इसी कड़ी में जनजाति सुरक्षा मंच के बैनर तले आगामी 27 नवंबर को स्वर्गीय राम दयाल मुंडा फुटबॉल ग्राउंड में जनजाति सम्मेलन सह डीलिस्टिंग रैली का आयोजन रखा गया है। इस डीलिस्टिंग रैली मे आने के लिए सोमवार को नगड़ी प्रखंड साहेर पंचायत के ग्राम जरा टोली अखड़ा में बैठक करते हुए एवं एवं 27 नवंबर 20 22 को रांची में आने के लिए आमंत्रण दिया गया। इसी तरह रांची जिला के विभिन्न प्रखंडों एवं गांवों का द्वारा कर जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इस जनसंपर्क अभियान में मेघा उरांव, राजू उरांव, सनी टोप्पो, संदीप उरांव, एवं गांव के बंधना खलखो, पाहन सिटुवा मुंडा, अमित कक्षप, बिग३ खलखो, अनिल कक्षप, सुशील उरांव एवं अन्य सैकड़ों लोग बैठक में शामिल थे।

धूमधाम से मनायी गयी छठ पूजा

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा नेता सह समाजसेवी लक्ष्मण सिंह और अनुपमा सेवाश्रम के तत्वावधान में सेवाश्रम के सचिव कविता सिंह ने धूमधाम से मनायी छठ पूजा। कविता सिंह ने भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर सभी लोगों को स्वस्थ और निरोग होने की कामना की। जितेंद्र सिंह, शत्रुघन सिंह, मनी ओराइन, प्रतिभा सिंह, नेहा सिंह,नीरज तिवारी, आकाश, संभवि सिंह और गौरव कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

हटनिया तालाब नक्षत्र वन में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं मृणालिनी अखौरी।

ढेलाटोली में छठ मनातीं छठव्रती महिलाएं।

राष्ट्रीय एकता के अग्रदूत थे सरदार पटेल : मनोज कुमार

देश की आजादी में सरदार पटेल का उत्कृष्ट योगदान रहा : सरोजिनी लकड़ा

लौह पुरुष ने भारत की अखण्डता के लिए सार्थक पहल किया : स्मृति सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की इकाई नेहरू युवा केंद्र, रांची, राष्ट्रीय सेवा योजना की रांची विश्वविद्यालय इकाई के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 147वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन रांची विश्वविद्यालय के सहयोग से बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, रांची में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मनोज कुमार, सचिव, पर्यटन, कला संस्कृति एवं खेल विभाग झारखंड सरकार, विशिष्ट अतिथि सरोजिनी लकड़ा, निदेशक, खेल निदेशालय, झारखंड, सम्मानित अतिथि डॉ स्मृति सिंह पीआरओ, रांची विश्वविद्यालय, नेहरु युवा केंद्र संगठन झारखंड राज्य की राज्य निदेशक हनी सिन्हा, राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य पदाधिकारी डॉ ब्रजेश कुमार, साईं के द्रोणाचार्य अवार्डी श्री सैनी, राष्ट्रपति अवार्डी मिस फलक फातिमा, अलुमुनी एसोसिएशन के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल के साथ खेल विभाग के डीएसओ प्रतिनिधि मुकेश एवं स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के विनोद एवं विभिन्न खेल संगठन एवं युवा मंडल के सदस्य राष्ट्रीय सेवा योजना के तथा खेल विभाग के खिलाडी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत डॉ ब्रजेश कुमार, राज्य पदाधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा फूल गमला देकर किया गया, एवं अतिथियों के द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल की छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गयी। अपने स्वागत भाषण में एनवाइकेएस की राज्य निदेशक हनी सिन्हा ने कहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल का जीवन सभी के लिए आज भी प्रासंगिक है।

मुख्य अतिथि सचिव मनोज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता के अग्रदूत थे। उन्होंने भारत के 550 से ज्यादा रियासतों एवं राज्यों का विलय कर देश को एकता के सूत्र में बांधने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश के 75000 स्थानों पर एकता दौड़ कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है एवं झारखण्ड सरकार भी झारखंड के 100 स्थानों पर आयोजन कर रही है। उन्होंने देश की आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में राष्ट्रीय एकता के लिए युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि भारत रत्न सरदार पटेल के द्वारा 1947 के पूर्व चुनौती एवं राष्ट्रीय एकीकरण में उनके उल्लेखनीय योगदान से सीखने की जरूरत है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खेल निदेशक सरोजिनी लकड़ा ने कहा कि देश की आजादी में सरदार पटेल का उत्कृष्ट योगदान रहा है एवं उन्होंने भारत की एकता हेतु सराहनीय कार्य किया है। अपने संबोधन आरयू की पीआरओ डॉ स्मृति सिंह ने कहा कि लौह पुरुष ने भारत की एकता एवं अखंडता के लिए सार्थक पहल किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन नेहरु युवा केंद्र के उपनिदेशक, सर्वेंद्र प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलायी गयी। एवं राष्ट्रीय एकता दौड़ को हरी झंडी मनोज कुमार सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं खेल विभाग झारखण्ड सरकार ने दिखा कर रवाना किया। एकता दौड़ बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोराबादी से प्रारंभ होकर ऑक्सीजन पार्क, राजकीय अतिथिशाला, शिबू सोरेन आवास, रेड क्रोस सोसाइटी, हॉकी स्टेडियम, बापू वाटिका होते हुए पुनः बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में समाप्त हुई। कार्यक्रम को सफल बनाने में एन वाइकेएस के आसिफ, एनएसएस के अमन, उज्ज्वल, नैंसी, रोहित, शिवांगी, अतुल, रानी आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

भगवान भास्कर को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व संपन्न

चंदवा। चंदवा लोक आस्था के महापर्व छठ पर्व को लेकर रविवार व सोमवार को छठ घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। जिले की सभी नदियों के तट पर छठ पूजन के लिए दोपहर बाद से भीड़ जुटने लगी, जो देर रात तक बनी रही। व्रतियों तथा महिलाओं ने अस्ताचल डूबते एवं उदीयमान उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार और कुल के लिए मंगल कामना की। वहीं चंदवा के देवानद नदी छठ घाट कमाता कुजारी नदी छठ घाट समेत ग्रामीण इलाके के छठ घाटों पर उत्सव सा माहौल रहा। रविवार को दोपहर बाद एवं सोमवार को सुबह होने से काफी पहले व्रती महिलाएं परिवार व ढोल-ताशा के साथ घरों से निकलकर घाटों की तरफ चल पड़ी।छठ मइया को रिझाने के लिए महिलाएं कांचहि बांस के बहंगिया बहंगी लचकत जाए, केरवा फरेला घवद से ओहे पर सुगा मंडराय जैसे मांगलिक गीत गाते चल रही थी। उनके हाथों में गन्ना और प्रसाद की थाली थी। साथ चल रहे पुरुषों के सिर पर बांस की टोकरी डाला थी। जिसमें सूप, फल, सब्जी और पूजन की अन्य सामग्री थी। घाट पहुंचने पर व्रती महिलाओं ने स्वयं की बनाई वेदी के पास बैठकर उसके चारों ओर गन्ने का मंडप तैयार कराया। फिर मंडप के अंदर बैठकर छठ मइया का विधिवत पूजन किया।

माओवादियों का बंकर ध्वस्त

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। पुलिस लाइन में आयोजित प्रेस वार्ता में डीआइजी राजकुमार लकड़ा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक अंजनी इंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि काफी संख्या में माओवादी बूढ़ा पहाड़ के आसपास के इलाकों में भ्रमणशील होने की योजना बना रहे हैं। उनका मुख्य उद्देश्य पूर्व से बंकरों में छिपाकर रखे गये आधुनिक हथियार, गोला बारूद और आईडी बम को प्राप्त कर उनका इस्तेमाल नये स्थापित तिसिया, नवाटोली एवं झालुडेडा पुलिस कैंप में तैनात सुरक्षा बलों के खिलाफ करना है।

उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के बाद एक संयुक्त अभियान स्पेशल ऑपरेशन ऑक्टोपस 20 चलाया गया। इस ऑपरेशन में लातेहार जिला बल, कोबरा 203, एजी 08, सीआरपीएफ 218 को शामिल किया गया। यह ऑपरेशन बारेसाढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बूढ़ा पहाड़, चट्टान पानी एवं जोक पानी पहाड़ी क्षेत्र में चलाया गया। हालांकि ये सभी इलाके माआवादियों के पुराने व सुरक्षित गढ़ माना जाता है। माओवादियों द्वारा इन सभी क्षेत्रों में भारी मात्रा में आइडी बम, प्रेशर आइडी बम, हैंड ग्रेनेड व गोला बारूद छुपाकर रखा गया है।

अत्याधुनिक हथियार समेत 200 आइडी बम बरामद : बूढ़ा पहाड़ में कदम कदम पर आईडी, प्रेशर आइडी बम लगे हुए हैं। ऐसे में सुरक्षाबलों ने अदम्य साहस एवं सूझबूझ दिखाते हुए न केवल पूरे एरिया को सेनीटाइज किया बल्कि सुरक्षित रूप से माओवादियों के बंकरों तक पहुंचे और पूर्व में पुलिस से लूटे गये 18 हथियार जिसमें अत्याधुनिक हथियार जैसे 303 एलएमजी, इंसास राइफल, एसएलआर राइफल शामिल है के साथ ही 200 से ज्यादा आईडी बम भी बरामद किये गये।

बूढ़ा पहाड़ छोड़कर भागे नक्सली : उन्होंने बताया कि पिछले डेढ़ महीनों से सफलतापूर्वक चलाए गये अभियान ऑक्टोपस के बाद बूढ़ा पहाड़ में सक्रिय सभी भाकपा माओवादी अपने तीन दशक पुराने गढ़ को छोड़कर भागने को विवश हो गये।

सुरक्षाबलों का बढ़ा मनोबल : इस संयुक्त अभियान की सफलता से जहां एक तरफ माओवादियों के हौसले पस्त हुए हैं। वहीं दूसरी ओर झारखंड पुलिस एवं कोबरा सीआरपीएफ के जवानों का मनोबल काफी बढ़ा है। पुलिस का यह संयुक्त अभियान बूढ़ा पहाड़ इलाके में लगातार जारी रहेगा।

प्रेसवार्ता में डीआइजी सीआरपीएफ विनय नेगी, पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, 203 कोबरा कमांडेंट राजीव कुमार, 218 सीआरपीएफ बटालियन कमांडेंट एमके खान, बाढेसाढ़ थाना प्रभारी जमील अंसारी, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता सहित कई लोग उपस्थित थे।

बरामद हथियार और गोला-बारूद

303 एलएमजी राइफल- 1 दो मैगजीन के साथ, एसएलआर राइफल- 01 एक मैगजीन के साथ, 556 एमएम इंसास राइफल- 1 दो मैगजीन के साथ, 09 कार्बाइन 1 दो मैगजीन के साथ, 303 राइफल 7 11 मैगजीन के साथ, 315 राइफल 09 , 303 की गोली 474 पीस, 315 की गोली 402 पीस, देसी ग्रेनेड 41 पीस, आईडी बम 213 पीस, देसी यूबीजीएल एक, 303 का बोल्ट 5 पीस, एसएलआर राइफल का पिस्टल रोड दो पीस, 22 की गोली 75 पीस, दूरबीन 1 पीस, जीपीएस 3 पीस, वॉकी टॉकी 1 पीस, एलमुनियम नाइट्रेट दो डब्बा, आर्म्स स्प्रिंग 20 पीस, कोडेक्स वायर 100 मीटर, इलेक्ट्रिक वायर एक सौ मीटर, लाल बैनर एक पीस, काला वर्दी दो सेट, सीलिंग तीन पीस व वर्मा रोड 6 पीस बरामद किया गया है।

संयुक्त अभियान में शामिल पदाधिकारी

इस ऑपरेशन में डिप्टी कमांडेंट जितेंद्र कुमार कोबरा 203, असिस्टेंट कमांडेंट हेमंत कुमार जसोदिया कोबरा 203, असिस्टेंट कमांडेंट आजाद अहमद हाजाम सीआरपीएफ बटालियन नवाटोली, पुलिस अवर निरीक्षक मनोज मुर्मू नवाटोली, पुलिस अवर निरीक्षक कैलाश बाड़ा नवाटोली पिकेट बारेसाढ़, पुलिस अवर निरीक्षक आनंद कुमार एजी 08 झारखंड जगुआर मुख्य रूप से शामिल थे।

खूंटी के छठ घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

खूंटी (आजाद सिपाही)। लोक आस्था और नेम निष्ठा का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ। इस दिन तड़के तीन बजे से ही पूरा वातारण छठ मैया के गीतों से गुंजामयान हो उठा। चार बजते-बजते श्रद्धालुओं का सैलाब छठ घाटों पर उमड़ पड़ा। जिला मुख्यालय के राजा तालाब, चौधरी तालाब, साहू तालाब के अलावा, कुजला, सोसोटोली सहित आसपास के छठ घाटों में भीड़ इस कदर उमड़ी की तिल रखने की जगह नहीं थी। जैसे ही पूर्व में उदीयमान सूर्य नारायण की लालिमा नजर आयी, पूरा छठ घाट ऐही सूर्यो संहस्त्रांशों के वैदिक मंत्र से गुंजने लगा। उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने सूर्य पूजन और रवि षष्ठी व्रत की कथा सुनकर हवन किया और प्रसाद वितरण किया। वहीं, प्रसाद पाने के लिए लोगों की होड़ मची रही। सांध्य और प्रातःकालीन अर्घ्य को लेकर नदियों, तालाबों और सरोवरों के छठ घाटों की आकर्षक विद्युत सज्जा की गयी थी। छठ घाटों से लौटने के बाद व्रतियों ने विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना कर अपने और परिवार की खुशहाली की कामना की। उधर, तोरपा में इस बार का छठ महापर्व कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। पहली बार छाता नदी छठ घाट पर सूर्य नारायण की प्रतिमा स्थापित कर उनकी प्राण प्रतिष्ठा के बाद पूजा-अर्चना की गयी। फ्रेंड्स क्लब छइ पूजा समिति की ओर से आकर्षक विद्युत सज्जा की गई थी। पूजा समिति द्वारा रविवार शाम और सोमवार की सुबह छठ घाट पर ही जगरता का आयोजन किया था। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत मधुर भजनों से पूरा वातावरण छठमय हो गया था।

छठ पर्व पर लंबा धौड़ा, मोहननगर और सपही नदी में भक्ति जागरण का आयोजन

खलारी (आजाद सिपाही)। छठ पर्व को लेकर क्षेत्र के लम्बा धौड़ा व मोहननगर छठ घाट पर सोमवार की रात पूजा समिति की ओर से भक्ति जागरण आयोजित किया गया। केडी ओल्ड साईडिंग लम्बा धौड़ा में आयोजित भक्ति जागरण में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रैयत विस्थापित मोर्चा एनके एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता एवं प्रखण्ड प्रमुख सोनी तिग्गा ने मां दुर्गा का पूजन करने के बाद फीता काटकर जागरण का उद्घाटन किया। इस दौरान आसनसोल व रांची से आये कलाकारों ने छठ पर्व के गीतों को गाकर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जागरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से रैयत विस्थापित मोर्चा के रामलखन गंझू, जगरनाथ यादव, प्रभाकर गंझू, नारद राम के अलावा सुनीता देवी, संगीता खलको, सुनील यादव, राजकुमार उरांव, प्रदीप प्रमाणिक, आनन्द कुमार, सत्येन्द्र कुमार, संतोष सिंह, अमित लोहरा, दीपक कुमार, नागेष्वर उरांव, अखिलेश महतो, सोने कुमार, महेंद्र पटेल, पिंटू पटेल, राजेन्द्र सिंह गंझू, सुनील महतो, अजय महतो, जीवन रजवार, राजकुमार नोनिया, दीलिप चैधरी, कार्तिक खंडित, सुरज कुमार, मुकेश चैधर, नागेश्वर मुंडा, युरोप चैहान, बादल उरांव सहित अन्य कई लोग उपस्थित थे। वहीं मोहननगर सीएचपी स्थित छठ घाट पर भी रविवार की रात छठ पूजा समिति की ओर से भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। जिसका इद्घाटन आयोजन समिति के कृश्णा चौहान सहित अन्य समिति सदस्यों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। जागरण में आए कलाकारों ने रातभर एक से बढ़ कर एक छठ व भक्ति गीतों को गाया और उपस्थित लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। रात भर छठ वर्तियों एंव स्थानीय लोगों ने जागरण का आनंद लिया। वहीं कार्यक्रम के सफल आयोजन में मोहननगर छठ पूजा समिति के नंदलाल चैहान, शैलेन्द्र शर्मा, अशर्फी राम, रामबली चौहान, अवधेश प्रसाद, जगदीश चौहान, लक्ष्मण शर्मा, बुटन चौहान, मुन्नू शर्मा, रमेश चौहान, सुरेंद्र चौहान, अरुण चौहान, भारत चौहान, सोनू चौहान, पंकज चौहान, रवि सिंह, दीपक सिंह, श्रीकांत, सूरज, धीरज, आशीष चौहान, दीपक, रितेश, कृष, बॉबी, रवि, चंदू, गोलू, सौरभ, पीयूष, सुधीर चौहान, अजय चौहान आदि सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके साथ ही मानकी स्थित सपही नदी छठ घाट पर डूबी आयोजन समिति के द्वारा डूक्ति जागरण का आयोजन किया गया था। जागरण में आए कलाकारों ने छठ के पारंपरिक गीतों को गाकर लोगों को मंत्रमुग्ध किया।

पिपरवार में भ्रष्टाचार मुक्ति के संकल्प के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

पिपरवार (आजाद सिपाही)। कोल इंडिया की अनुशंगी इकाई सीसीएल के पिपरवार महाप्रबंधक कार्यालय में सोमवार से जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जो छह नवंबर तक चलेगा। इसकी शुरूआत महाप्रबंधक सीबी सहाय सहित अन्य अधिकारियों द्वारा सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। मुख्य कार्मिक प्रबंधक आलोक मनीष सोय ने अधिकारियों को भ्रष्टाचार से दूर रहते हुए सीसीएल एवं देश के विकास में इमानदारी से अपना बहुमूल्य योगदान देने का संकल्प दिलाया। इस मौके पर सहायक महाप्रबंधक निरंजन सेनापति, मुख्य कार्मिक प्रबंधक आलोक मनीष सोय, स्टॉफ ऑफिसर (सिविल) प्रशांत साहु, स्टॉफ ऑफिसर(विद्युत एवं यांत्रिक) अमल कुमार पाठक, स्टॉफ ऑफिसर(एम एंड एम) पीके रॉय, क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अरुण कुमार महतो, कार्मिक प्रबंधक रवि बाड़ा,ज्योति कुशवाहा आदि मौजूद थे।

किट विवि में मनायी गयी छठ पूजा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। उत्तर भारत की सबसे महत्वपूर्ण पर्व में से एक छठ पूजा का भव्य आयोजन किट विश्वविद्यालय में मनाया गया। लोक आस्था के इस महापर्व के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किट और किस विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ अच्युता सामंत, कुलपति प्रो सश्मिता सामंत और कुलसचिव ज्ञान रंजन महंती मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम में किट विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले उत्तर भारत के हजारों छात्र और छात्राओं ने भाग लिया और छठी मैया की पूजा अर्चना की।

छठ पूजा के अवसर पर डॉ अच्युता सामंत ने छठ महापर्व के महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पर्व सिर्फ एक त्योहार नहीं बल्कि एक संस्कृति है जो लोगों में परस्पर सहयोग और भाईचारा का संदेश देती है। डॉक्टर सामंता ने सूर्य देव से सभी के जीवन में प्रेम, सुख-शांति और समृद्धि की चमक बिखेरने की कामना की।

खोरधारोड मंडल ने राष्ट्रीय एकता दिवस का पालन किया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के पावन अवसर पर खोरधारोड मंडल द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस का पालन किया गया। राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने और सुदृढ़ करने का यह एक अवसर है। इस अवसर पर रिकेश रॉय, मंडल रेल प्रबंधक, खोरधारोड ने खोरधारोड रेलवे स्टेडियम के परिसर में सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और स्काउट-गाइड बच्चों को ह्यएकता दिवस प्रतिज्ञाह्न दिलाई । सभी ने देश में एकता बनाए रखने के लिए अपने को समर्पित करने का संकल्प लिया। खोरधारोड मंडल के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर कर्मचारियों द्वारा एकता दिवस प्रतिज्ञा भी दिलायी गयी। अधिकारियों, कर्मचारियों, रेलवे सुरक्षा बल और स्काउट-गाइड के बच्चों द्वारा रेलवे स्टेडियम से खोरधारोड रेलवे स्टेशन तक एक समूह दौड़ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खोरधारोड रेलवे स्टेशन में रिकेश रॉय, मंडल रेल प्रबंधक, खोरधारोड, अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी श्री श्याम सुंदर बेहरा द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। रेल उपयोगकर्ताओं के लिए भुवनेश्वर, अनुगुल, ब्रह्मपुर, पलासा, ढेंकानाल, भद्रक और पारादीप रेलवे स्टेशनों पर भी इसी तरह की फोटो प्रदर्शित की गयी। रंजन मोहंती, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, खोरधारोड द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया ।

बंद भूमिगत खदान के पंखा घर से निकल रही जहरीली धुआं को रोकने का प्रयास असफल

खलारी (आजाद सिपाही)। करकट्टा स्थित बंद पड़ी डूमिगत कोयला खदान के पंखा घर से निकल रही जहरीली धुआं को केडीएच प्रबंधन द्वारा सोमवार को बंद करने का प्रयास किया गया। केडीएच के मैनेजर शाहिर अख्तर खान, केडीएच साइडिंग मैनेजर राजीव रंजन और एरिया सिकुयूरिटी की मौजुदगी में पंखा घर के मुहाने को व्हील डोजर मशीन से बंद करने का कार्य षुरू किया गया। लेकिन मुहाने के नजदीक आवासीय घर होने के कारण मुहाने को बंद नही किया जा सका। जिसके बाद मषीन को वापस ड्रोज दिया गया। वहीं दुसरी ओर करकट्टा स्थित झामुमो कार्यालय के पीछे डूबी निकल रहे धुंआ को डूबी मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने मुआयना कर बद करने का ग्रामीणा को डूबी आष्वासन दिया। इधर झामुमो मीडिया प्रड्डारी विषाल पासवान ने करकट्टा के ग्रामीणों की ओर से अधिकारियों के समक्ष उनकी मांगें रखी। जिसमें बंद पड़ी ओपन कास्ट माइंस को समतलीकरण करा दिया जाए या करकट्टा के ग्रामीणों को जल्द से जल्द एक निश्चित व सुरक्षित स्थान पर विस्थापित कर दिया जाए। ताकि हजारों लोगों का जीवन स्वस्थ्य और सुरक्षित रहे।

हीराखंड और पुरी-दुर्ग एक्सप्रेस में प्रथम श्रेणी एसी कोच सेवा प्रदान करने का निर्णय लिया गया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। पुरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस और भुवनेश्वर-जगदलपुर-भुवनेश्वर हीराखंड एक्सप्रेस में एसी प्रथम श्रेणी सेवा प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। मार्च 2023 पहला सप्ताह से ये सेवा शुरू होगा। उपरोक्त ट्रेनों में एसी फर्स्ट क्लास कोच सेवाओं का विस्तार उत्तर आंध्र प्रदेश के साथ-साथ दक्षिण और पश्चिम ओडिशा के यात्रियों को एक आरामदायक यात्रा प्रदान करेगा। वालटियर, संबलपुर और खुर्दा रोड पर सांसदों की बिभागीय कमिटी की बैठक में माननीय सांसदों ने उपरोक्त ट्रेनों में प्रथम श्रेणी एसी सेवा प्रदान करने की मांग की. इस मांग को ध्यान में रखते हुए और जनता, विशेषकर यात्रियों की मांगों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए पूर्व तट रेलवे ने उपरोक्त ट्रेनों में प्रथम श्रेणी एसी सेवाएं प्रदान करने का निर्णय लिया है। 18425/18426 पुरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस पुरी से 3 मार्च 2023 और दुर्ग से 4 मार्च 2023 को पहले और दूसरे एसी दोनों के कंपोजिट कोच को बदलकर एक एसी फर्स्ट क्लास कोच के साथ जोड़ा जायेगा। 18447/18448 भुवनेश्वर-जगदलपुर-भुवनेश्वर हीराखंड एक्सप्रेस 7 मार्च 2023 से भुवनेश्वर से और 8 मार्च 2023 से जगदलपुर से अपने नियमित डिब्बों के साथ एसी प्रथम श्रेणी के कोच के साथ चलेगी।

ईमानदारी और पारदर्शी तरीके से सभी कार्यों को करने के लिए सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलायी गयी

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)।खोरधारोड मंडल, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में हाथ मिलाने के उद्देश्य से सोमवार से छह नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रहा है। जागरूकता कार्यक्रम के के दौरान, मंडल रेल प्रबंधक, खोरधारोड रिकेश रॉय ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलायी। सभी ने ईमानदारी और पारदर्शी तरीके से सभी कार्यों को अंजाम देकर भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। भ्रष्टाचार मुक्त समाज के लिए खुद को प्रतिबद्ध करने के उद्देश्य से सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भी कर्मचारियों द्वारा ईमानदारी की शपथ ली गयी। सप्ताह भर चलने वाले अवलोकन के दौरान खोरधारोड मंडल के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भ्रष्टाचार मिटाओ पर बैनर, पोस्टर, जिंगल प्रदर्शित कर जागरूकता पैदा की जायेगी। कर्मचारियों, रेल उपयोगकर्ताओं और हितधारकों को संवेदनशील बनाने के लिए सेमिनार और नुक्कड़ नाटक किये जायेंगे।

राय शिव मंदिर में भक्ति जागरण का आयोजन आज

खलारी (आजाद सिपाही)। श्री श्री छठ पूजा समिति राय के द्वारा मंगलवार को शिव मंदिर राय प्रांगण में भक्ति जागरण का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए समिति के संरक्षक राजू गुप्ता ने बताया कि जागरण कार्यक्रम 1 नवंबर को सांध्य 7 बजे से राय शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित होगा। जिसमें बाबा मैजिकल ग्रुप के कलाकार पूरी रात डूक्ति गानों एवं झांकी से श्रद्धालुओं को डूक्ति के सराबोर में डूबा कर समा बंधेंगे। कार्यक्रम को लेकर राय मंदिर में तैयारी पूरी कर ली गई है। उन्होने क्षेत्र के लोगों से डूक्ति जागरण में शामिल होने का आग्रह किया है।

एनके एरिया में सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत

खलारी (आजाद सिपाही)। एनके एरिया में सोमवार से छह नवंबर तक चलने वाले सतर्कता जगरूकता सप्ताह की शुरूआत हुई। इसको लेकर एनके एरिया महाप्रबंधक कार्यालय प्रांगण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनके एरिया के एनके एरिया प्रभारी जीएम सह पुरनाडीह पीओ नरेष सिंह ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता और ईमानदारी की शपथ दिलाई। जिसके बाद राष्ट्रीय एकता दिवस पर नरेष सिंह ने लौह पुरूश सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यर्पण कर दीप प्रज्जवलित किया। जिसके बाद उपस्थित जीएम यूनिट के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पुष्प अर्पित किया। वहीं श्री सिंह ने अधिकारियों, कर्मियों एवं यूनियन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर सतर्कता जगरुकता रथ को भी रवाना किया। जागरूकता रथ एनके एरिया के विभिन्न आवासीय कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों में जाएगा। इधर एनके एरिया के सड्डी परियोजना कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुरूआत किया गया। कार्यालय प्रांगण में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता एवं जागरूकता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर पीओ रोहिणी डीके सिंह, एम किण्डो, दिवाकर साहू, विमल उरांव, ओमप्रकाश, एसीसी सदस्य विनय सिंह मानकी सहित कई कर्मचारी उपस्थित थे।

मासू एफसी की टीम बनी एसबीएस फुटबॉल टूर्नामेंट की चैंपियन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। एसबीएस क्लब शासनबेड़ा राजाडेरा के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब एफसी मासू की टीम ने जीत लिया। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में एफसी मासू की टीम ने शानदार खेल का प्रर्दशन करते हुए एफसी तुरूप की टीम को 3-1 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि जिप सदस्य राजेन्द्र शाही मुण्डा तथा विशिष्ट अतिथि विरेन्द्र सिंह भोगता, मोतीराम मुण्डा, रामकुमार दीपक, उज्जयस टोप्पो, सेवाराम महतो, महाबीर महतो, रोशन महतो एवं रतनलाल महतो ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर फाइनल मैच शुरू कराया। इस अवसर पर राजेन्द्र शाही मुण्डा ने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद भी जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के टूर्नामेंट का आयोजन होने से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। विरेन्द्र सिंह भोगता ने कहा कि खेल से लोगों में समरस्ता की भावना का विकास होता है। वहीं खिलाड़ियों का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास में सहायक होता है। बाद में विजेता एवं उपविजेता तथा तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली संत पॉल ब्रदर्श बाहया की टीम को पुरस्कृत किया गया। टूर्नामेंट को सफल बनाने में आयोजन समिति के रोहित महतो, उमेश चैधरी, उमेश महतो, दुर्गा महतो आदि का योगदान रहा।

सफल कोविड प्रबंधन के दस्तावेजीकरण पर जोर

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। जिस तरह से ओडिशा सहित कई राज्यों ने कोविड -19 महामारी से लड़ाई लड़ी और सफल हुए, उसे सबूतों के निर्माण के लिए प्रलेखित किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में देश में इसी तरह की आपदा का सामना करने पर स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके ।

डॉ मदन गोपाल नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार (स्वास्थ्य) ने यह जानकारी दी। इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल में आयोजित पहली कोक्रेन इंडिया नेटवर्क (सीआइएन) वार्षिक बैठक में सम्मानित अतिथि के रूप में बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के साक्ष्य को विभिन्न स्तरों पर अधिक गति से समझने के लिए प्रस्तुत किया जाना चाहिए और सोआ के दंत विज्ञान संकाय बेहतर तैयारी और प्रबंधन के लिए चर्चा की जानी चाहिए।

डॉ गोपाल ने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी हस्तक्षेपों की व्यवस्थित समीक्षा प्रमुख महत्व की थी जैसा कि कोक्रेन नेटवर्क द्वारा अनुसंधान और साक्ष्य के आधार पर किया जा रहा था। डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीआइ) के अध्यक्ष डॉ दिब्येंदु मजूमदार जिन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया, उन्होंने दंत विज्ञान शिक्षा के लिए विकसित नये पाठ्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि नए पाठ्यक्रम के अनुसार छात्र साढ़े चार साल तक अध्ययन करेंगे और फिर एक साल की इंटर्नशिप के लिए जायेंगे। उन्हें उम्मीद है कि अगले साल नया पाठ्यक्रम शुरू किया जायेगा। डीसीआई के तहत 316 डेंटल कॉलेज थे, जबकि उन कॉलेजों में लगभग 26,000 छात्र प्रवेश ले रहे थे, डॉ मजूमदार ने देश में 10 वें स्थान पर आईडीएस की प्रशंसा करते हुए कहा, हालांकि इसे 2006 में शुरू किया गया था। इसके अलावा यह एकमात्र दंत विज्ञान संस्थान था। देश जो कोक्रेन इंडिया नेटवर्क से संबद्ध दस संस्थानों में से एक है।

सोआ के कुलपति प्रो.(डॉ) अशोक कुमार महापात्र जिन्होंने बैठक को संबोधित किया, उन्होंने कहा कि हालांकि डब्ल्यूएचओ ने अनुमान लगाया था कि कोविड -19 भारत में लगभग 35 लाख लोगों की मौत का कारण बनेगा।

शानदार मुकाबले में एनएससी जाड़ी की जीत

चान्हो (आजाद सिपाही)। एवरग्रीन छोटनागपुर क्लब चान्हो के तरफ से तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले का आयोजन सोमवार को नर्सिंग कौशल कॉलेज मैदान में किया गया। फाइनल मुकाबला सुकुमार फुटबॉल क्लब लोहारदगा और एनएससी जाड़ी के बीच खेला गया। शानदार मुकाबले में एनएससी जाड़ी ने सुकुमार फुटबॉल क्लब लोहारदगा को एक गोल से हराया। विजेता टीम को मुख्य अतिथि सन्नी टोप्पो ने नकद 15000 रुपये और कप देकर सम्मानित किया। वहीं उपविजेता टीम को विशिष्ट अतिथि परमेश्वर भगत और आशुतोष तिवारी ने कप और नकद देकर सम्मानित किया। इससे पहले मैच के मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता और मांडर विधनसभा के पूर्व प्रत्याशी सन्नी टोप्पो, विशिष्ट अतिथि जिप सदस्य आशुतोष तिवारी और डीडीसी परमेश्वर भगत ने उद्घाटन किया।

रक्षा में भारत की आत्मनिर्भरता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गुजरात के वड़ोदरा में सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बनाने की फैक्ट्री का शिलान्यास करके एक बड़ी शुरुआत की है। हालांकि इस प्रॉजेक्ट के इर्द-गिर्द कुछ ऐसे मुद्दे उठ गये हैं, जो इसे लगातार चर्चा में बनाये हुए हैं, लेकिन ये मसले अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण पहलुओं से जुड़े हैं और इसलिए खतरा यह बन रहा है कि इन विवादों की धूल-धक्कड़ में कहीं प्रॉजेक्ट की वास्तविक अहमियत धुंधली न पड़ जाये। चूंकि गुजरात में विधानसभा चुनाव करीब आ गये हैं, इसलिए पहला विवाद तो यह है कि केंद्र की बीजेपी सरकार गुजरात के मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से ऐसे तमाम कार्यक्रम इसी समय घोषित कर रही है। लेकिन अगर यह आरोप सच हो, तो भी उससे इस प्रॉजेक्ट की अहमियत कम या ज्यादा नहीं होती। दूसरा विवाद महाराष्ट्र में इस बात को लेकर चल रहा है कि यह प्रॉजेक्ट गुजरात क्यों चला गया। पिछली महाविकास आघाड़ी सरकार में उद्योगमंत्री रहे शिवसेना नेता सुभाष देसाई ने कहा है कि इसे लेकर टाटा के अधिकारियों की सरकार के साथ तीन बैठक हो चुकी थी और अगर आघाड़ी सरकार होती, तो यह प्रोजेक्ट गुजरात नहीं जाता। इससे पहले वेदांता-फॉक्सकॉन के सेमीकंडक्टर बनाने के प्लांट से जुड़ा प्रॉजेक्ट गुजरात चले जाने पर भी ऐसे ही आरोप लगाये गये थे। इन विवादों की बारीकी में गये बगैर इतना जरूर कहा जा सकता है कि इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप मोटे तौर पर देश के हित में हैं। इससे अगर विभिन्न राज्यों के बीच अधिकाधिक निवेश हासिल करने की स्वस्थ प्रतिद्वंद्विता शुरू होती है, तो वह देश में विकास की गति को बढ़ाने में मददगार ही होगी। लेकिन मौजूदा प्रॉजेक्ट के संदर्भ में बात की जाये तो उसका आकलन इस आधार पर नहीं हो सकता कि वह फलां राज्य में क्यों लगा और फलां राज्य में क्यों नहीं। संबंधित कंपनी को जो जगह सबसे उपयुक्त लगी, वहां यह फैक्ट्री लगायी जा रही है। देखने वाली बात यह है कि 22000 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट के तहत पहली बार देश में कोई प्राइवेट कंपनी भारतीय वायुसेना के लिए विमान बनाने जा रही है। यह मेक इन इंडिया के साथ ही देश के डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता हासिल करने के सरकार के लक्ष्य की ओर भी एक बड़ा कदम है। यह देश में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के इकोसिस्टम को कितनी मजबूती देगा, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि टाटा कंसर्शियम ने इसके लिए देश में 125 एमएसएमइ सप्लायर्स की पहचान की है। इस प्रोजेक्ट से जहां 600 हाइली स्किल्ड जॉब प्रत्यक्ष रूप से बनेंगे, वहीं 3000 से ज्यादा अप्रत्यक्ष जॉब बनने की बात कही जा रही है। निश्चित रूप से इस बात पर नजर रखी जानी चाहिए कि ये वादे और दावे किस हद तक सच साबित होते हैं, लेकिन इन संभावनाओं को संकीर्ण राजनीतिक हितों से उपजी बहस की भेंट चढ़ने देने की इजाजत तो कतई नहीं दी जा सकती।

22000 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट के तहत पहली बार देश में कोई प्राइवेट कंपनी भारतीय वायुसेना के लिए विमान बनाने जा रही है। यह मेक इन इंडिया के साथ ही देश के डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता हासिल करने के सरकार के लक्ष्य की ओर भी एक बड़ा कदम है।

अभिमत
आजाद सिपाही

औपनिवेशिक मानसिकता से ग्रस्त रहे भारतीयों के लिए निश्चय ही यह एक गर्व का विषय है कि ऋषि सुनक उन गोरों के प्रधानमंत्री हैं जो कभी भारतीयों को शासन करने में नाकारा बताते थे। ऋषि सुनक को ये संस्कार श्रील एसी भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद द्वारा स्थापित इस्कॉन ने दिए हैं, जो मानता है कि हम हिंदू नहीं,हमारी पहचान सनातन धर्मी के रूप में है। जबकि कुछ संगठन सभी सनातन शास्त्रों व मान्यताओं के विपरीत चलते हुए अपना ही बनाया 'हिंदुत्व' सब पर थोपते हैं।

परदेस में कितने देसी नेता

विनीत नारायण

क्या आप जानते हैं कि इंगलैंड के अलावा भी कई देशों में भारतीय मूल के प्रधानमंत्री हैं? दीपावली के दिन जैसे ही यह खबर आयी कि ऋषि सुनक निर्विरोध ब्रिटेन के प्रधानमंत्री चुन लिए गये हैं, तो विश्व भर के हिंदुओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी, विशेष कर भारत में। लोग बल्लियों उछलने लगे। मानो भारत ने इंगलैंड को जीत लिया हो। औपनिवेशिक मानसिकता से ग्रस्त रहे भारतीयों के लिए निश्चय ही यह एक गर्व का विषय है कि ऋषि सुनक उन गोरों के प्रधानमंत्री हैं, जो कभी भारतीयों को शासन करने में नाकारा बताते थे। ऋषि सुनक को ये संस्कार श्रील एसी भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद द्वारा स्थापित इस्कॉन ने दिये हैं, जो मानता है कि हम हिंदू नहीं,हमारी पहचान सनातन धर्मी के रूप में है। जबकि कुछ संगठन सभी सनातन शास्त्रों व मान्यताओं के विपरीत चलते हुए अपना ही बनाया 'हिंदुत्व' सब पर थोपते हैं। लंदन के इस्कॉन मंदिर में ऋषि सुनक ने सपरिवार जाकर गौ माता का पूजन किया, तो कुछ लोग इसे इंगलैंड में भारतीय संस्कृति के प्रसार की संभावना मान कर अति उत्साहित हो गये, पर अगले ही दिन ऋषि सुनक ने ट्विटर पर लिखा कि मेरा संसदीय क्षेत्र गाय और बकरों के मांस का व्यापार करने वालों का है।

2017-2020 तक आयरलैंड के प्रधानमंत्री रहे लिओ वराडकर के माता-पिता मुंबई के पास वसई के रहने वाले हैं।

यह एक बढ़िया उद्योग है। कोई क्या खाये, ये उसकी पसंद से तय होता है। इसलिए मैं इस उद्योग को पूरा बढ़ावा दूंगा- देश में भी और विदेश में भी। पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर छाए रहे इस पूरे प्रकरण से कुछ बातें समझनी चाहिए। पहली बात तो यह है कि भारतीय मूल के जो युवा विदेशों में पैदा हुए और पले बढ़े और वहीं के नागरिक हैं, उनका भारत के प्रति न तो वह भाव है और न ही वह आकर्षण, जो उनके माता-पिता या पूर्वजों का रहा है, जो भारत में जन्मे थे और बाद में विदेशों में जा बसे।

पिछले कुछ वर्षों से हिंदुत्व को लेकर जो अभियान चलाया जा रहा है, उसे लेकर देश के करोड़ों सनातन धर्मियों के मन में अनेक प्रश्न खड़े हो रहे हैं, जिनका संतुष्टि पूर्ण उत्तर संघ परिवार के सर्वोच्च पदाधिकारियों को देना चाहिए। एक तरफ तो सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ऐसे वक्तव्य देते हैं, जिससे लगता है कि संघ अपने कट्टरपंथी चोले से बाहर आ रहा है।

ऋषि सुनक भारतीय उपमहाद्वीप मूल के पहले युवा नहीं हैं, जो इस ऊंचाई तक पहुंचे हैं। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की ननिहाल तमिलनाडु में है। उन्हें दक्षिण भारतीय खाना पसंद है और वे अपने मौसी-मामाओं से जुड़ी रहती हैं, पर भारत के प्रति कमला हैरिस का रवैया वही है, जो आम अमेरिकी का है। मसलन वे कश्मीर को मानवाधिकार का विषय मानती हैं। जो भारतीय दृष्टिकोण के विरुद्ध है। हम में से कितने लोग यह जानते हैं कि 2017-2020 तक आयरलैंड के प्रधानमंत्री रहे लिओ वराडकर के माता-पिता मुंबई के पास वसई के रहने वाले हैं।

लिओ ने 2003 में मुंबई के केइएम अस्पताल से इंटर्नशिप पूरी की थी। उनकी मां आयरिश हैं और पिता भारतीय। लिओ वराडकर की इस प्रभावशाली सफलता का भारत में कोई जिक्र क्यों नहीं करता? क्या इसलिए कि वे ईसाई हैं? यह बहुत ओछी मानसिकता का परिचायक है। इसी तरह पुर्तगाल के मौजूदा प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा भी भारतीय मूल के हैं। उनके माता-पिता का जन्म गोवा में हुआ था। ये दूसरी बार प्रधानमंत्री चुने गये हैं।

विडंबना देखिए कि न तो भारत के मीडिया को इसकी खबर है और न ही देश की जनता को। तो फिर भारत मां के इन सपूतों की इस उपलब्धि पर जश्न कौन मनायेगा? जबकि एंटोनियो कोस्टा तो आज भी ओसीआइ कार्ड के धारक हैं और लिओ वराडकर अक्सर अपने रिश्तेदारों से मिलने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में आते रहते हैं, पर इसकी मीडिया में कहीं कोई चर्चा क्यों नहीं होती? ये प्रमाण हैं इस बात का कि देश का मीडिया कितना संकुचित और कुंद हो गया है। यह रवैया भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि और लोकतंत्र के लिए घातक है।

पिछले कुछ वर्षों से हिंदुत्व को लेकर जो अभियान चलाया जा रहा है, उसे लेकर देश के करोड़ों सनातन धर्मियों के मन में अनेक प्रश्न खड़े हो रहे हैं, जिनका संतुष्टि पूर्ण उत्तर संघ परिवार के सर्वोच्च पदाधिकारियों को देना चाहिए। एक तरफ तो सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ऐसे वक्तव्य देते हैं, जिससे लगता है कि संघ अपने कट्टरपंथी चोले से बाहर आ रहा है। जैसे मुसलमानों और हिंदुओं का डीएनए एक है। अब मस्जिदों में और शिवलिंग खोजना बंद करें। दूसरी तरफ संघ प्रेरित सोशल मीडिया का दिन-रात हमला मुसलमानों के विरुद्ध भावनाएं भड़काने के लिए होता रहता है।

यह विरोधाभास क्यों? एक तरफतो संघ परिवार हिंदुत्व की जमकर पैरवी करता है और दूसरी तरफ सनातन धर्म की परंपराओं, वैदिक शास्त्रों और शंकराचार्य जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के विरुद्ध आचरण भी करता है। ये विरोधाभास क्यों? ऐसे में हमारे जैसा एक आस्थावान सनातन धर्मी किस मार्ग का अनुसरण करे? ये भ्रम जितनी जल्दी दूर हो उतना ही हमारे समाज और राष्ट्र के हित में होगा। वरना हम इसी तरह ऋषि सुनक की उपलब्धि पर तो बल्लियों उछलेंगे और एंटोनियो कोस्टा एवं लिओ वराडकर की उपलब्धियों से मूर्खों की तरह बेखबर बने रहेंगे। मोहन भागवत के वक्तव्य को यदि गंभीरता से लिया जाये, तो यह खाई अब पटनी चाहिए।

जमशेदपुर की खबरें

टाटा का जमशेदपुर स्टील प्लांट बना भारत का पहला रिस्पांसिबल स्टील सर्टिफिकेशन हासिल करनेवाला प्लांट

तीनों फैसिलिटिज के लिए रिस्पॉन्सिबल स्टील सर्टिफिकेशन प्राप्त करना सम्मान की बात : टीवी नरेंद्रन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा स्टील ने जमशेदपुर स्थित अपनी तीन उत्पादन फैसिलिटिज के लिए प्रतिष्ठित 'रिस्पॉन्सिबल स्टील सर्टिफिकेशन' प्राप्त कर भारत को वैश्विक डिकाबोर्राइजेशन और सस्टेनेबिलिटी मानचित्र पर स्थापित कर दिया।

जमशेदपुर स्थित टाटा का स्टील प्लांट, ट्यूब डिवीजन और कोल्ड रोलिंग मिल (बारा) 'रिस्पॉन्सिबल स्टील सर्टिफिकेशन' प्राप्त करने के साथ ही दुनिया भर में स्टील उत्पादक साइटों के एक विशेष समूह में शामिल हो गया है। जिसमें दुनिया के कुछ अन्य प्रसिद्ध स्टील निमार्ता भी शामिल हैं। रिस्पॉन्सिबल स्टील जो कि स्टील उद्योग की पहली वैश्विक बहु-हितधारक मानक और प्रमाणन पहल है। जलवायु परिवर्तन, विविधता, मानवाधिकारों इत्यादि सहित प्रमुख चुनौतियों का समाधान करके एक स्थायी स्टील उद्योग के निर्माण की दिशा में इस्पात उत्पादकों, उपभोक्ताओं और बिचौलियों के साथ काम करती है।

मौके पर टाटा स्टील के सीईओ व एमडी टी.वी. नरेंद्रन ने कहा यह टाटा स्टील के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने बताया हमारी सस्टेनेबिलिटी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वैश्विक स्तर पर स्टील उद्योग एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। हमें इस बात पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है ताकि हम जिस प्रकार स्टील का उत्पादन और उपभोग करते हैं उसका व्यापक प्रभाव क्या पड़ता। स्टील के सीईओ व एमडी टी.वी. नरेंद्रन ने बताया टाटा स्टील के जमशेदपुर प्लांट में जब पहली बार 1912 में स्टील का उत्पादन किया था तब से यह हमेशा से हमारी यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा हमारे लिए अपनी तीनों फैसिलिटिज के लिए रिस्पॉन्सिबल स्टील सर्टिफिकेशन प्राप्त करना सम्मान की बात है। हमारी सभी उत्पादन इकाईयां इस सम्मान को प्राप्त करने की दिशा में काम करेंगी। उन्होंने रिस्पॉन्सिबल स्टील टीम, ऑडिटर्स, एश्योरेंस पैनल और टाटा स्टील की टीम को इसे संभव बनाने में उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। वहीं रिस्पॉन्सिबल स्टील के सीईओ एनी हीटन ने कहा हम इस अविश्वसनीय उपलब्धि पर टाटा स्टील को हार्दिक बधाई देते हैं। टाटा ने दूरदर्शिता, प्रतिबद्धता और निवेश का प्रदर्शन किया है। जमशेदपुर प्लांट ने रिस्पॉन्सिबल स्टील सर्टिफिकेशन प्राप्त करने के लिए अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत की है। इस प्रमाणन को प्राप्त करनेवाली यह पहली टाटा स्टील साइट है। जिन्होंने भारत में पहला रिस्पॉन्सिबल स्टील सर्टिफिकेशन प्राप्त किया है। सिर्फ कम कार्बन उत्सर्जन पर ध्यान केंद्रित करना पर्याप्त नहीं है। प्रमाणित साइटों को भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वे मानक में अन्य सस्टेनेबल उद्देश्यों के लिए पूरी तरह से संरेखित हैं। उदाहरण के लिए अच्छा जल प्रबंधन सुनिश्चित करना, एक स्वस्थ एवं सुरक्षित कार्यस्थल बनाना, श्रम अधिकारों की रक्षा करना व स्थानीय समुदायों और अन्य हितधारकों के साथ जुड़ना। यह टाटा स्टील और इसमें शामिल सभी लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा टाटा स्टील अक्टूबर 2020 से रिस्पॉन्सिबल स्टील की सदस्य रही है।

महापर्व छठ पूजा शांतिपूर्ण संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

सूर्य मंदिर परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास व उनकी धर्मपत्नी ने अर्घ्य देकर राज्य में सुख-समृद्धि की कामना की

जमशेदपुर। लोक आस्था के महापर्व उदीयमान भगवान भास्कर को सुबह का अर्घ्य के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न हुआ। पूर्वी सिंहभूम जिले में जिला प्रशासन और छठ पूजा कमेटियों की तत्परता से लोक आस्था का महापर्व पूरे श्रद्धा और निष्ठभाव से संपन्न किया गया। सूर्य मंदिर परिसर में राज्य में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास व उनकी धर्मपत्नी ने भाजपा नेताओं के साथ भगवान सूर्य देव को अर्घ्य देकर राज्य में सुख समृद्धि की कामना की। वहीं मंत्री बन्ना गुप्ता, उपायुक्त विजया जाधव सहित आलाधिकारियों ने छठ घाटों पर सपरिवार भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। श्री श्री महाकालेश्वर समिति जुगसलाई में भव्य छठ घाट का निर्माण कराया गया। पोटका विधायक संजीव सरदार के नेतृत्व में बनाये गए छठ घाट में लगभग 45 हजार श्रद्धालुओं ने दोनों दिन भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। घाट का उद्घाटन विधायक, सांसद, समाजसेवी व अन्य गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से किया।

सांसद विद्युत वरण महतो ने सभी व्रत धारियों और श्रद्धालु को शुभकामनाएं देते हुए कहा आस्था के इस महान पर्व को हम सभी मिलजुल कर मनायें। इस दौरान सभी देश में समाज को सशक्त बनायें और समाज में व्याप्त बुराइयों को मिटाने का संकल्प लें। समिति द्वारा तैयार किए गए घाट की प्रशंसा करते हुए आस्तिक महतो ने कहा समिति ने नशा मुक्त भारत का आह्वान कर युवाओं को नशा से दूर रहने और पर्यावरण संरक्षण का जो संदेश दिया है वह काबिले तारीफ है। वहीं एसडीओ पियूष सिन्हा, अंचलाधिकारी अमित श्रीवास्तव, दंडाधिकारी सुमित प्रकाश,विशेष पदाधिकारी जगदीश प्रसाद यादव अपनी टीम के साथ महाकालेश्वर छठ घाट का दौरा किया समिति द्वारा पुष्प गुच्छ एवम शॉल ओढ़ाकर सभी का सम्मान किया गया।

विधायक मंगल कालिंदी ने अपनी निधि से बने छठ घाटों का किया उद्घाटन

अर्घ्य देकर छठी मैया से की राज्य की जनता के लिए सुख समृद्धि की कामना

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा जिला प्रशासन के सहयोग से हर्ष उल्लास के साथ से मनाया गया। छठ पूजा के अवसर पर झारखंड सत्तारूढ़ दल के सचेतक सह जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने राधिका नगर व कैरेज कॉलोनी में विधायक निधि से निर्मित छठ घाट का उदघाटन किया। मौके पर स्थानीय लोगों ने विधायक के प्रति आभार प्रकट कर उनका भव्य स्वागत किया। विधायक मंगल कालिंदी ने बताया राधिका नगर व कैरेज कॉलोनी में छठ घाट नहीं रहने से स्थानीय लोगों को काफी परेशान होती थी। पूर्व में ही स्थानीय लोगों ने अपनी समस्या से अवगत कराते हुए छठ घाट निर्माण का मांग की थी। विधायक ने कहा परेशानी को संज्ञान में लेते हुए विधायक निधि से छठ घाटों का निर्माण करवाया गया। उन्होंने बताया सोमवार छठ घाट के उदघाटन के दौरान कैरेज कॉलोनी में छठ व्रतियों के बीच साड़ी का वितरण किया गया। वहीं गोविंदपुर के विवेक नगर छठ घाट में स्थानीय लोगों ने हाई मास्ट लाइट लगाने की मांग की थी। जिस पर संज्ञान में लेते हुए वहां पर हाई मास्ट लाइट विधायक निधि से लगवाया गया। छठ पूजा के पहला अर्घ्य के पूर्व उदघाटन किया गया।

वहीं दूसरी ओर विधायक मंगल कालिंदी ने जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र के आरपी पटेल स्कूल परिसर में छठ व्रतियों के बीच पहुंचकर उनके साथ भगवान सूर्य देव को अर्घ्य देकर आस्था के महापर्व छठी मैया की पूजा अर्चना की। मौके पर विधायक ने श्रद्धा पूर्वक व्रतियों के पांव छूते हुए उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। विधायक ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर झारखंड वासियों के सुख समृद्धि व मंगलमय जीवन की कामना की। मौके पर विधायक मंगल कालिंदी ने कहा छठ पूजा लोक आस्था का महापर्व है। इसमें छठ व्रती अपने साथ-साथ पूरे समाज की भलाई के लिए छठी मैया से प्राथना करती है। इस दौरान पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लेती हैं।

रांची पुलिस ने जमशेदपुर से किया सुमित नाग को गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बिष्टुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बेली बोधन घाट के पास सौकित उर्फ किट्टू पर चापड़ से हमला कर घायल करने के मामले में पुलिस ने आरोपित सुमित नाग को उसके कदमा स्थित आवास से हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। वह फरार चल रहा था।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वह अपने घर आया हुआ है। इसके बाद पुलिस ने उसके घर पर छापेमारी की और गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके घर से एक हथियार और कुछ गोलियां भी बरामद की गई है। फिलहाल पुलिस थाने में सुमित से पूछताछ कर रही है।

घर से एक हथियार और कुछ गोलियां भी बरामद की गयी

पुलिस ने अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलवा दिया था : उल्लेखनीय है कि पांच सितंबर को बेली बोधन घाट के पास सौकीत सिंह उर्फ किट्टू पर आरोपितों ने जानलेवा हमला किया था। इस मामले में पूर्व में पुलिस ने आरोपित राजकुमार सिंह, अखिलेश सिंह, अमन मिश्रा, आदित्य झा और सतवीर सिंह को जेल भेज दिया है जबकि लालू सिंह और रोहित सिंह उर्फ गोलू ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजकुमार सिंह के कदमा मरीन ड्राइव के पास अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलवा दिया था।

छठ महापर्व : मंत्री ने अपने सौजन्य से बने दो छठ घाटों का किया उद्घाटन, कहा

गढ़वा के विकास के लिए मेरा सर्वस्व न्योछावर

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। छठ महापर्व के मौके पर गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण किया। इस दौरान मंत्री श्री ठाकुर के सौजन्य से शहर के दानरो नदी तट छठ घाट पर जागृति क्लब भगलपुर व जय देवी संघ टंडवा का निर्मित नियंत्रण स्टेज का फीता काटकर मंत्री ने उद्घाटन किया। साथ ही विभिन्न छठ घाटों पर आयोजित गंगा आरती में भाग लिया।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा है छठ माता की कृपा से एवं गढ़वा वासियों के आशीर्वाद से उन्हें गढ़वा सहित पूरे राज्य की जनता का सेवा करने का मौका मिला है। जनता की उम्मीद पर वे पुरी तरह खरा उतरने का प्रयास कर रहे हैं। जिस उम्मीद से लोगों ने उन्हें आशीर्वाद दिया उसी तरह उन्होंने भी तीन वर्षों में गढ़वा की तस्वीर बदल दी है। गढ़वा के गांव गांव, हर क्षेत्र में विकास की झलक दिखलाई पड़ रही है। मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि गढ़वा के विकास के लिए उनका सर्वस्व न्योछावर है। गढ़वा के एक-एक विकास को कार्यों को वे अपनी पुरी क्षमता लगाकर करेंगे। साथ ही गढ़वा सहित पूरे राज्य की जनता को उनके घर तक शुद्ध पेयजल मिलेगा। इस दौरान मंत्री ने जागृति क्लब भगलपुर, जयदेवी संघ टंडवा, स्टूडेंट क्लब, फ्रेंड्स क्लब, टी ग्रुप, छठ सेवा समिति सहिजना, पुलिस लाइन सहित विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को छठ की शुभकामनाएं देते हुए छठ माता से गढ़वा के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं विकास की कामना की। मौके पर झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, प्रवक्ता धीरज दुबे, नवीन तिवारी, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि जागृति क्लब के अध्यक्ष सुनील कुमार, डा. प्रतिमा कुमारी, विधायक प्रतिनिधि चंदन पासवान, संजय चौधरी, प्रमोद कुमार, सोनू कुमार,

छठ के रंग में रंगा मंत्री का आवास, 16 सूप से दिया अर्घ्य

मंत्री ने की गढ़वा की खुशहाली की कामना

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखंड के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर भव्य छठ महापर्व का आयोजन किया गया। मंत्री का आवास परिसर पूरी तरह भक्ति के रंग में रंगा रहा। मंत्री श्री ठाकुर की भाभी अमिता ठाकुर ने 16 सूप से भगवान भास्कर को अर्घ्य दीं। मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने छठ माता से गढ़वा के विकास, सुख, शांति, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की।

आवासीय परिसर में कृत्रिम तालाब एवं छठ घाट का निर्माण

कर भव्य तरीके से सजावट की गई थी। मंत्री श्री ठाकुर के सभी परिवार व रिश्तेदारों ने गढ़वा में छठ महापर्व में भाग लिया। चुनाव जीतने के बाद से ही मंत्री के सभी परिजन एवं रिश्तेदार छठ के मौके पर गढ़वा में ही आकर छठ व्रत करते हैं। यहां सनातन धर्म एवं भक्ति के प्रति मंत्री एवं उनके परिजनों का बेहतर समर्पण व विश्वास देखने को मिलता है।

सुमन साहू, जीतू पहलवान, पिंटू गुप्ता, शिव शंकर कुमार, राहुल गुप्ता, गणेश गुप्ता, अरुण गुरुजी, शिवपूजन गुरुजी, गौरी शंकर, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, मुकेश कुशवाहा, संत गुरुजी, सहित विभिन्न क्लबों के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

छठ महापर्व के मौके पर जिले के सभी पदाधिकारियों, प्रबुद्ध जनों, पार्टी के कार्यकर्ताओं आदि सभी को आमंत्रित किया जाता है। काफी संख्या में लोग मंत्री आवास पर पहुंचते हैं। मौके पर मंत्री श्री ठाकुर के भाई अमरनाथ ठाकुर, रंजीत ठाकुर, विनय ठाकुर, पत्नी चंचल ठाकुर, रोजी ठाकुर सहित उनके बहन, बहनोई सहित सभी परिजन मौजूद थे।

सात साल की मालिनी ने छठ पूजा करने के लिए रखा 36 घंटे का निर्जला उपवास

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। लगातार 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखने की बात ही सुनकर कई लोगों की हिम्मत जवाब दे जाती है। लेकिन, कहते हैं कि दृढ़ संकल्प कर लें, तो कोई भी काम नामुमकिन नहीं है. झारखंड के गढ़वा जिले की सात साल की मालिनी कुमारी को देखेंगे, तो आपको भी इस वाक्य पर यकीन हो जायेगा। आपको यकीन करना होगा कि दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली इस बच्ची ने पूरी नियम-निष्ठा के साथ न केवल छठ पूजा की, बल्कि 36 घंटे का निर्जला उपवास भी रखा।

मालिनी कुमारी की भक्ति की सभी कर रहे तारीफ : झारखंड के गढ़वा जिले के केतार प्रखंड की इस बच्ची के बारे में जिसने भी सुना, उसने दांतों तले उंगली दबा ली। मालिनी कुमारी की भक्ति-भावना की सभी तारीफ कर रहे हैं। उसकी हिम्मत को लोग सलाम कर रहे हैं। लोगों के मन में सवाल उठना लाजिमी है कि नन्हीं-सी इस बच्ची ने इतना कठिन व्रत क्यों किया? क्या किसी ने उस पर छठ पर व्रत रखने का दबाव बनाया था? क्या उसने अपनी किसी मनोकामना के लिए यह व्रत रखा?

मालिनी कुमारी ने क्यों रखा छठ का व्रत?

इस सवाल का जवाब खुद मालिनी कुमारी देती है। केतार प्रखंड के लतमरवा ग्राम निवासी रंजीत मेहता की पुत्री मालिनी कुमारी (7) ने बताया कि उसके घर में उसकी मां अनुराधा देवी, पिता रंजीत मेहता, चाची दालेंद्री देवी एवं दादी मीरा देवी को उसने छठ व्रत करते देखा। तैयारी के दौरान उसके मन में भी छठ पूजा करने की इच्छा जगी। उसने तय कर लिया कि वह छठ का व्रत रखेगी। इसके बाद उसने पूजा की तैयारी शुरू कर दी और पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की।

छठव्रतियों के साथ रात भर नदी किनारे जागती रही मालिनी : प्राथमिक विद्यालय लतमरवा में दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली मालिनी ने 36 घंटे का निर्जला उपवास प्रारंभ किया और घर के पास ही स्थित लतमरवा पंडा नदी के तट पर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके बाद पूरी रात घाट पर ही रही। वह रात भर अन्य छठव्रतियों के साथ जागती रही और सुबह उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर छठ महापर्व के अनुष्ठान को संपन्न किया। छठ व्रत पूर्ण करने के बाद मालिनी कुमारी पूरी तरह स्वस्थ है।

मेराल में छठ घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

मेराल (आजाद सिपाही)। उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही सोमवार की सुबह में चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न हो गया। इस दौरान छठ घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मुख्यालय के प्रमुख छठ घाटों में बाजार टोला शिव मंदिर छठ घाट, नेनुआ मोड़ छठ घाट, हॉस्पिटल चौक सरस्वटिया नदी छठ घाट, स्टेशन रोड तालाब छठघाट, मुडल टोला यूरिया नदी छठ घाट के अलावे गोंदा छठ घाट, अकलवानी सूर्य मंदिर छठ घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के बाद घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने व्रतियों से ठेकुआ का प्रसाद प्राप्त किया। थाना प्रभारी नीतीश कुमार अपने सहयोगी पुलिस अवर निरीक्षक संजय कुमार कुशवाहा एवं सुरजीत चौधरी के साथ बाजार टोला शिव मंदिर छठ घाट पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर अपने घर-परिवार तथा थाना क्षेत्र वासियों के सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।

बंशीधरनगर में छठ घाटों पर उमड़ी भीड़

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। सूर्योपासना का महापर्व छठ उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य के साथ ही संपन्न हो गया। श्री बंशीधर नगर अनुमंडल मुख्यालय में स्थित सूर्य मंदिर समेत विभिन्न गांवों में स्थित नदी एवं तालाबों में छठ व्रतियों की भारी भीड़ रही। श्री बंशीधर नगर पंचायत अध्यक्ष विजयालक्ष्मी देवी ने सूर्य मंदिर परिसर स्थित छठ घाट पर छठ व्रत कर क्षेत्र में अमन चैन एवं खुशहाली की कामना की। सूर्य मंदिर परिसर स्थित छठ घाट पर श्री बंशीधर सूर्य मंदिर ट्रस्ट, प्रभात क्लब, नव युवक क्लब, जय भामा शाह क्लब एवं फ्रेंड्स रॉक ग्रुप की ओर से साफ सफाई, लाईट एवं साउंड की व्यवस्था की गई थी एवं बड़े ही आकर्षक तरीके से सजाया गया था। छठ व्रतियों को क्लब के साथ-साथ समाजसेवियों ने भी काफी सहयोग प्रदान किया। जय भामा शाह क्लब की ओर से भंडारा का आयोजन किया गया था। भंडारा का शुभारंभ पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव एवं श्री बंशीधर सूर्य मंदिर ट्रस्ट के प्रधान ट्रस्टी राजेश राजेश प्रताप देव ने किया। भंडारा में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा को सफल बनाने में क्लब के संरक्षक भारत भूषण प्रसाद, ओमप्रकाश गुप्ता, कामेश्वर प्रसाद, अध्यक्ष वीरेंद्र अग्रहरि, रजनीकांत मधुर (भोलू), संजीत कुमार छोटू, विकास कुमार शालु, छन्नू अग्रवाल समेत कई लोगों के नाम शामिल हैं। उधर छठ पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर पुलिस काफी सक्रिय रही। एसडीपीओ प्रमोद कुमार केसरी, पुलिस इंस्पेक्टर राजेश कुमार एवं थाना प्रभारी योगेंद्र कुमार लगातार गश्ती कर रहे थे।

अज्ञात अपराधियों ने स्कूल निदेशक पर चलायी गोली, रांची रेफर

शुभचिंतकों ने किया एनएच 75 मार्ग जाम, अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिले के बेलचंपा स्थित ज्ञान निकेतन पब्लिक स्कूल के निदेशक सह युवा समाजसेवी अमित कुमार सिंह उर्फ बाबुल सिंह को टारगेट करते हुए अपराधियों ने रेहला थाना के समीप उन पर गोलियां दागी। गोलियां अमित सिंह को जख्मी करते हुए आगे निकल गयीं। घायलावस्था में अमित सिंह ने दौड़ते हुए रेहला थाना को इसकी

जानकारी दी। तत्पश्चात इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल पहुंचे। वहां से उन्हें रांची रेफर कर दिया गया।

इस संबंध में दूरभाष पर अमित कुमार सिंह ने बताया कि छठ की शाम अर्घ्य दिलाने के बाद वह थाना के सामने कई लोगों के साथ बैठे हुए थे। वहां से वह अपने घर के लिए निकले थे। कोयल नदी के पुल के समीप उनकी गाड़ी थी। गाड़ी तक पहुंचने के क्रम में ही उन्हें कुछ युवकों ने घात लगाकर टारगेट किया। उन्होंने भाग कर अपनी जान बचायी और थाना को इसकी सूचना दी।

फिलवक्त वह रांची में इलाज करा रहे हैं। गोली उनके पेट और हाथ को छिछोरते हुए दूसरी दिशा में निकल गई थी। हालांकि गोली लगने से खून बहुत बहा है। अभी वह स्वास्थ्य परीक्षण करा रहे हैं। डॉक्टरों की सलाह के बाद ही घर वापस लौटेंगे।

इस घटना की जानकारी मिलते ही उनके शुभचिंतकों में रोष का माहौल पैदा हो गया। कुछ लोगों ने बेलचंपा में एनएच 75 को जाम कर इसका पुरजोर विरोध किया एवं अपराधियों को अविलंब पकड़ने की मांग की।

जायंट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा ने छठ व्रतियों के बीच किया पूजा सामग्री का वितरण

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जायंट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा के द्वारा में आस्था के महापर्व छठ पूजा के शुभ अवसर पर जायंट्स के पूर्व अध्यक्ष मनोज केशरी के प्रतिष्ठान हिंदुस्तान सेनेटरी के पास लगभग 2100 छठ व्रतियों के बीच सुपला का कपड़ा तथा फल का वितरण ग्रुप अध्यक्ष ध्रुव केशरी की अध्यक्षता में किया गया। सदस्यों ने कहा कि जायंट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा के द्वारा स्थापना काल से ही छठ पूजा के अवसर पर छठ से संबंधित पूजन सामग्रियों का वितरण किया जाता रहा है। उसी कड़ी में आज सुपला का कपड़ा एवं फल का वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर फाउंडर अध्यक्ष सह जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन 8 के अध्यक्ष अलखनाथ पाण्डेय, ग्रुप अध्यक्ष ध्रुव केशरी, फेडरेशन 8 के पूर्व अध्यक्ष विनोद कमलापुरी, फेडरेशन 8 के सचिव नंद कुमार गुप्ता, फेडरेशन पदाधिकारी मनोज केशरी, यूनिट 2 के यूनिट डायरेक्टर मनोज केशरी, प्रशासनिक निदेशक मोजीबुद्दीन खां, उपाध्यक्ष कमलेश कुमार गुप्ता, वित्त निदेशक अशोक केशरी, दीपक तिवारी, मंदीप प्रसाद, अवधेश प्रसाद कुशवाहा, रविंद्र केशरी, अशोक केशरी, आनंद कुमार सिन्हा, मुकेश सिन्हा आदि उपस्थित थे।

जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति ने की गोलीबारी की निंदा

बैठक कर अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति के वरिष्ठ सदस्य सह ज्ञान निकेतन स्कूल बेलचम्पा के निदेशक अमित सिंह उर्फ बाबुल सिंह पर छठ की रात हुई गोलीबारी का जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति कड़ी निंदा की और पुलिस से अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग किया। आज समिति के अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय की अगुवाई में समिति के सदस्यों ने बाबुल सिंह के पिता उमेश सिंह से उनके आवास पर मुलाकात कर हालचाल जाना। फिलहाल अमित

सिंह खतरे से बाहर हैं और रांची में इलाज करा रहे हैं। समिति के सदस्यों ने उन्हें जल्द स्वस्थ होकर लौटने की कामना की है। गोलीबारी की घटना से जिला पब्लिक स्कूल समिति के सभी सदस्य काफी दुखी हैं।

अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय ने कहा कि रेहला थाना के सामने यह घटना घटी है। इससे पता चलता है कि अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं। आने वाले दिन को लेकर लोग चिंतित हैं। इसलिए समिति यह मांग करती है कि अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी हो। गोलीबारी करने के पीछे उनका क्या इरादा था इसका जल्दी खुलासा हो। मौके पर समिति के उपाध्यक्ष सुशील कुमार केशरी, सचिव एमपी केशरी, कोषाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा, संयुक्त सचिव संजय सोनी, चंद्रभूषण सिन्हा, कमलेश दुबे, महेंद्र विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

घर में फंदे से झूलते मिला किशोरी का शव हत्या की आशंका

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिला मेराल थाना क्षेत्र के कजराठ गांव निवासी रमेश चौधरी की पुत्री गुड्डी कुमारी 14 वर्ष की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई। उसका शव घर में ही ओढ़नी के फंदे से झूलता हुआ पाया गया। घटना रविवार की रात की है। मृतका के स्वजनों के अनुसार रविवार की रात में घर के सभी लोग छठ घाट पर गए थे। जबकि गुड्डी कुमारी घर में अकेली थी। रात करीब नौ बजे गुड्डी के पिता रमेश चौधरी घर पहुंचे तो गुड्डी को ओढ़नी के फंदे से झूलता हुआ पाया। उन्होंने परिवार वालों को तत्काल इसकी सूचना दी। इसके बाद परिवार के लोग छठ घाट से घर पहुंचे और शव को फंदे से उतारा गया। लोगों ने इसकी सूचना मेराल पुलिस को दी। मृतका के स्वजनों ने गुड्डी कुमारी की हत्या किये जाने की आशंका जतायी है।

संदेहास्पद स्थिति में युवक की मौत

गढ़वा (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के अग्रवाल मोहल्ला में संदेहास्पद स्थिति में एक युवक की मौत हो गई। घटना रविवार देर रात की है। मृतक संजय चौधरी 35 वर्ष पिता राजेंद्र चौधरी बिहार राज्य के गया जिले के मैगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत चांहो गांव का रहनेवाला था। वह गढ़वा शहर के नगवां में रहकर मेन रोड स्थित जवाहर भोजनालय में 17 वर्षों से काम करता था। स्वजनों के अनुसार संजय चौधरी अपनी पत्नी व बच्चों के साथ नगवां मोहल्ला स्थित सूर्या क्लब छठ घाट पर गया था। इस दौरान अग्रवाल मोहल्ला की गली से होकर गुजरने के दौरान किसी मकान के छत से उसके सिर पर एक ईंट गिर गई। इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने पर मौत हो चुकी थी।

मेराल थाना पुलिस ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा की ली शपथ

मेराल (आजाद सिपाही)। देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर सोमवार को पूरे देश में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इसी क्रम में मेराल थाना परिसर में शपथ समारोह आयोजित कर थाना प्रभारी नीतीश कुमार के द्वारा पुलिस पदाधिकारीयों एवं कर्मियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता व सुरक्षा की शपथ दिलायी गई।

एक ही रात दो पुलिस जवान सहित पांच घरों में चोरी

मझिआंव (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के दवनकरा गांव के झनझनवां टोला पर रविवार छठ पूजा की बीती रात्रि में चोरों ने दो पुलिस जवान सहित पांच घरों में ताला तोड़कर चोरी कर ली। जानकारी के अनुसार बीती रात्रि घर के सभी परिजन छठ घाट पर पूजा में व्यस्त थे। इसी में घर सुनसान होने के कारण चोर बड़े आराम से लाखों रुपये के जेवरात, नकद रुपये, बर्तन, कपड़ा सहित पांच घरों में चोरी कर फरार हो गए। परिजनों ने बताया कि रात्रि में छठ पर्व को लेकर छठ घाट पर थे। छठ घाट से सोमवार को अहले सुबह घर आने के बाद देखा कि घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और घर के समान बिखरे पड़े थे। जिसके बाद चोरी की आशंका होने पर मझिआंव थाना को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचे मझिआंव थाना के एएसआई आलोक कुमार चोरी की घटना की काफी गहनता से जांच में जुट गए। इधर भुक्तभोगी प्रदीप पाल ने बताया एक बक्सा सहित 30 हजार नगद, सोने की एक लॉकेट, पांच थान सोना का गहना की चोरी हो गयी है। वहीं उमेश पाल के घर से 12 हजार रु. नकद, दो थान चांदी के गहना, साड़ी, एलआईसी का पेपर पासबुक, वहीं मलु पासवान के घर से बक्सा तोड़ कर 20 हजार रु. नकद की चोरी हो गयी है। मलु पासवान ने बताया कि इस पैसे से बड़े लड़का दिलीप पासवान का टीबी की बीमारी का इलाज कराना था, जो चोरों ने चोरी कर ली है। बताया कि इलाज के लिए रांची जाना था। लेकिन पैसे की चोरी हो जाने से अब नहीं जा पाएंगे। वहीं झारखण्ड पुलिस में कार्यरत शोभनाथ पासवान की मां सनझिरिया देवी ने बताया कि घर में रखे बक्सा एवं गोदरेज तोड़ कर पांच थान सोना की जेवरात एवं चार थान चांदी के जेवरात, बर्तन, साड़ी एवं तीन हजार रु. नकद की चोरी कर ली गयी है। बताया कि घर में हमारे साथ एक मात्र वृद्ध पति रहते हैं। वहीं सरयू पासवान ने बताया कि चोरों ने घर में रखे बक्सा एवं गोदरेज तोड़ कर तीन थान चांदी का जेवरात, एक थान सोना की जेवरात, साड़ी, बर्तन, पांच हजार रु. नकद एवं एटीएम रार्ड की चोरी कर ली गयी है। बताया कि मेरा लड़का सीआइ एसएफ का जवान है।

छठ महापर्व : झामुमो रंका प्रखंड अध्यक्ष ने किया पूजा कमेटियों का आर्थिक सहयोग

मंत्री के सौजन्य से झामुमो रंका प्रखंड कमेटी ने छठव्रतियों के बीच फल वितरित किया

थाना प्रभारी की अगुवाई में छठव्रतियों के बीच किया पूजा सामग्री का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। सूर्य उपासना एवं लोक आस्था का पावन पर्व छठ बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया। छठ व्रतियों के बीच समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा पूजन सामग्री एवं प्रसाद फलाहार आदि का सहयोग प्रदान कर छठ पर्व करने हेतु प्रेरित किया गया।

छठ के अवसर पर गढ़वा विधायक सह मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के सौजन्य से झामुमो रंका प्रखंड कमेटी के द्वारा रंका नदी पुल के पास सटॉल लगाकर प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में फल का वितरण किया गया। विश्रामपुर पंचायत मुखिया प्रतिनिधि छोटू सिंह के नेतृत्व में पंचायत अन्तर्गत छठ पूजा कमेटी को सहयोग राशि प्रदान की गयी। रंका राजनंदिनी ग्रुप के द्वारा सूर्य भगवान की मूर्ति स्थापित कर पूजा अर्चना की गयी। इसके लिए यहां मंत्री के द्वारा 5100 रुपए, थाना मोड़ गिदियाही नदी छठ घाट पूजा समिति को 2100 रुपये, चौधरी मुहल्ला छठ घाट पूजा समिति को 2100 रुपए, सोनार मुहल्ला छठ घाट पूजा समिति को 2100 रुपये प्रदान किये गये। रंका के सिंगाकला लोहवा पुल नदी सूर्योदय छठ पूजा कमेटी के द्वारा भक्ति जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया एवं सूर्य भगवान की पूजा मूर्ति स्थापित कर की गयी। इसके लिए मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के सौजन्य से झामुमो रंका प्रखंड कमेटी के द्वारा 30 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की गयी। छठ पूजा के अवसर पर रबदा- कंचनपुर एवं दूधवल पंचायत के ग्राम जून एवं हेताड़कला में छठ पूजा के अवसर पर भक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। चुटिया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि शंभू गुप्ता के नेतृत्व में मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के सौजन्य से फल व पूजा सामग्री का वितरण किया गया।

सबसे सराहनीय बात यह है कि रंका थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय की अगुआई में छठ व्रतियों के बीच स्टॉल लगाकर फलाहार सामग्री का वितरण कर हौसला बढ़ाया गया।

इस अवसर पर झामुमो रंका प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता, बीस सूत्री अध्यक्ष अहमद अली अंसारी, उपाध्यक्ष कार्तिक पांडेय, प्रखंड प्रमुख हेमंत लकड़ा, दक्षिणी जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि रतन सिंह, उतरी जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि राहुल तिवारी, देवेंद्र नाथ तिवारी, रंका मुखिया प्रतिनिधि राजेश कुमार मद्धेशिया, युवा प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार सोनी, राजकू रवि, लवली उरांव, उपाध्यक्ष अरविंद सोनी, संतोष कुमार रवि, श्याम सुंदर यादव, समाजसेवी श्याम सुंदर प्रसाद, सचिव इरफान अंसारी, जिला अल्पसंख्यक मोर्चा के आफताब आलम, नौशाद राय, उपाध्यक्ष मुकेश तिवारी, सचिव सह खरडीहा पंचायत मुखिया प्रतिनिधि पप्पू यादव, संजय सिन्हा, बलराम यादव, समाजसेवी अमरेंद्र कुमार, रणजीत कुमार सौडिक सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पिपरवार में एकता दिवस के रूप में मनायी गयी सरदार पटेल की जयंती

पिपरवार (आजाद सिपाही)। आजादी के बाद छोटे बड़े रियासतों को भारत में विलय कराकर देश को एकता के एक सुत्र में बांधने वाले लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को सोमवार को एकता दिवस के रुप में मनाया गया। इसी कड़ी में सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक सीबी सहाय ने बचरा स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अधिकारियों, कर्मियों के साथ उपस्थित लोगों को एकता का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद रियासतों के रुप में छोटे बड़े टुकड़ों में बटे क्षेत्रों को अपनी राजनीतिक एवं रणनीतिक कुटनीति के बदौलत भारत में विलय कराने का श्रेय उन्हें जाता है। इसीलिए उन्हें लौह पुरुष की उपाधि दी गई। इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक निरंजन सेनापति, मुख्य कार्मिक प्रबंधक आलोक मनीष सोय और प्रशांत साहू आदि उपस्थित थे।

रन फॉर यूनिटी में दौड़े लोग, केंद्रीय मंत्री ने दिलायी एकता व अखंडता की शपथ

लौह पुरुष सरदार पटेल ने बदल दी एकता की परिभाषा:अर्जुन मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। लौहपुरुष भारतरत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती सोमवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनायी गयी। इस अवसर पर केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय , जिला प्रशासन और बिरसा कॉलेंज द्वारा रन फॉर यूनिटी एकता के लिए दौड़ का आयोजन किया गया। जिला स्तर परआयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, डीसी शशि रंजन, एसपी अमन कुमासर, डीडीसी नीतीश कुमार, बिरसा कॉलेज की प्राचार्य डॉ जेरमन कुल्लू किड़ो द्वारा बिरसा कॉलेज खूंटी स्टेडियम से किया गया। इस अवसर पर अर्जुन मुंडा ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आजादी के बाद देश में एकता बनाए रखने में अहम योगदान था। सरदार पटेल ने एकता की परिभाषा ही बदल दी। उनके विचार आज भी जीवित है। इसी विचार के साथ हमें आज आगे बढ़ना चाहिए। हम सभी विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के नागरिक हैं। यह हमारी देश की खूबसूरती है कि अन्य धर्म, जाति, समुदाय के लोग यहां पर निवास करते हैं और आपसी भाईचारे के साथ रहते हैं। मंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को पूरा किया। समृद्ध भारत में हम सभी नागरिक अपने आप को सशक्त महसूस कर रहे हैं इसका पूरा श्रेय सरदार पटेल को जाता हैं। सरदार पटेल के मूल्य, विचार हमेशा जीवित हैं। हमें उनके विचारों पर चलने की जरूरत है। इस दौरान अर्जुन मुंडा ने देश की एकता और अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए सभी लोगों को शपथ दिलाई। उक्त मौके पर मेजर डॉ जेएस नाग, एनएसएस के समन्वयक तारीफ लुगुन, पूनम माई तिउ, डॉ मंजूषा पूर्ति, अनंत राम, राजकुमार गुप्ता, विजय प्रधान, घनश्याम मिश्रा, सुरेंद्र महतो आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी में शामिल खूंटी के धावक।

महत्वपूर्ण न्यूज

बुंडू में लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न

बुंडू/सिल्ली (आजाद सिपाही)। लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ। बुंडू व आसपास के क्षेत्रों में छठ व्रतियों ने अपने स्वजनों के साथ छठ घाटों पर पहुंचकर रविवार को अस्ताचलगामी और सोमवार को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार में शांति व समृद्धि की कामना की। बुंडू स्थित सूर्य मंदिर स्थित सरोवर में हजारों की संख्या में छठ व्रत रखने वाले लोग पहुंचे और भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। इस मौके पर प्रशासनिक अधिकारी एवं सभी वर्ग के लोग मौजूद थे। संस्कृति बिहार की ओर से श्रद्धालु भक्तों को लाइटिंग पूजा करने की व्यवस्था कराई गई थी। इस मौके पर एसडीओ अजय साव, डीएसपी अजय कुमार, आजसू नेता राम दुर्लभ सिंह मुंडा इंस्पेक्टर पंकज भूषण, भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष विवेकानंद जयसवाल, किसान मोर्चा राजकुमार महतो, संस्कृति बिहार संचालक प्रमोद कुमार, सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण मुंडा, रोशन महतो, सतनारायण भगत, अरुण जैन, धनंजय महतो और अंगद महतो आदि मौजूद थे। इधर, नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश उरांव, नगर उपाध्यक्ष सुनील कुमार जयसवाल समेत सभी वार्ड पार्षदों ने नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत जलाशयों का दौरा कर साफ सफाई का जायजा लिया। वहीं, सिल्ली। मुरी सिल्ली आसपास के क्षेत्रों में सिल्ली साहेब बांध एवं मुरी हिंडालको स्थित स्वर्णरेखा नदी में सोमवार कि सुबह छठ महापर्व को लेकर 36 घंटे निराहार निर्जला उपवास रखकर व्रतियों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। साथी ही व्रतियों ने महिलाओं की मांग में सिंदूर भरकर शांति समृद्धि की कामना की। मुरी हिंडालको स्वर्णरेखा नदी घाटों पर गूंज परिवार की ओर से स्टोर लगाया जाता है वहीं दूसरी ओर समाज कल्याण समिति मुरी सिल्ली की स्टाल के माध्यम से छठ व्रतियों के लिए हर एक दौरा में फल का वितरण एवं अर्घ्य देने के लिए गाय का दूध व चाय वितरण किया गया।

सोनाहातू में छठ महापर्व संपन्न

सोनाहातू/राहे (आजाद सिपाही)। लोक आस्था का महापर्व छठ अस्ताचालगामी व उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ। प्रखंड क्षेत्र के कई गांवों में छठ घाटों को विद्युत लाइटों से सजाया गया था। वहीं, छठ की गीतों से पूजा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। सोमवार की सुबह उगते सूरज को अर्घ्य देने व देखने के लिए दानाडीह के बुढा बांध तालाब में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। वहीं बच्चे आतिशबाजी कर उस्ताहित होने नजर आए। इसके अलावे जामूदाग डेहरी तालाब, बांमलाडीह के कांची नदी घाट, बारेंदा व पंडाडीह आदि गांवों में धूमधाम से छठ महापर्व मनाया गया। दूसरी ओर, राहे प्रखंड में भी सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य के अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही सूर्य उपासना का महापर्व छठ संपन्न हुआ। छठ घाट पर हवन करके व्रतियों ने 36 घंटे के निराजल व्रत का समापन किया। श्रद्धालुओं ने भी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। महिलाओं ने एक दूसरे की मांग में सिंदूर भरकर परिवार समाज व देश मे सुख शांति समृद्धि की कामना की। परंपरागत गीतों की गूंज से पूरा माहौल भक्तिमय बन गया था। हर घाट में श्रद्धा का रंग देखने को मिला। राहे कोकरो नदी, बड़ा तालाब व दुलमी तालाब आदि जगहों पर व्रतियों के साथ श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य दिया। दुलमी गांव में भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रताप कुशवाहा, सताकी गांव में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष विनय महतो धीरज ने सपरिवार के साथ छठ पूजा किया।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व छठ संपन्न

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सूर्योपासना का महापर्व छठ चौथे दिन सोमवार को छठ व्रतियों द्वारा उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ। रविवार की शाम पहले अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए छठ घाट पर व्रतियों एवं श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। क्षेत्र में सपही नदी के किनारे स्थित राय, बचरा, चुरी, पुरनी राय एवं दामोदर नदी के किनारे बेंती, बहेरा, कल्याणपुर छठ घाटों पर रविवार की शाम अस्ताचल सूर्य एवं सोमवार की सुबह उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ व्रती एवं श्रद्धालुओं ने भगताव भास्कर से परिवार की सेहत व सुख समृद्धि की कामना की।

एनके क्षेत्र में सीआइएसएफ ने निकाली राष्ट्रीय एकता जागरूकता बाइक रैली

खलारी (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय एकता दिवस पर एनके एरिया केडीएच स्थित सीआईएसएफ कमांडेंट कार्यालय से कमांडेंट श्री मांगा के नेतृत्व में राष्ट्रीय एकता की जागरूकता के लिए बाइक रैली निकाली गयी। बाइक रैली एनके क्षेत्र के केडीएच, डकरा, सुभाषनगर, डकरा बाजार सहित अन्य जगहों से हो कर गुजरा। इस दौरान लोगों राष्ट्रीय एकता को किस तरह से कायम रखना है और मजबूत करना है के बारे में जागरूक किया गया। बाइक रैली सभी जगहों से घुम कर पुन: सीआईएसएफ कमांडेंट कार्यालय में आकर समाप्त हुई। इस बाइक रैली में उप कमांडेंट उपेंद्र, निरीक्षक केके घोष, निरीक्षक सरफराज आलम, निरीक्षक खुर्शीद आलम, उप निरीक्षक अनूप सिंह, उप निरीक्षक अखिलेश कुमार सहित सैकड़ों बल के जवान शामिल हुए।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने दी इंदिरा गांधी और सरदार पटेल को विनम्र श्रद्धांजलि

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय परिसर में सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई। जिलाध्यक्ष राम कृष्णा चौधरी की अगुवाई में दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण कर नमन किया। जिलाध्यक्ष और पूर्व विधायक कालीचरण मुंडा ने कहा कि आज के परिप्रेक्ष्य दोनों की प्रासंगिकता आज भी मायने रखती है। इंदिरा गांधी देश की अखंडता के लिए शहीद हो गयी, तो सरदार पटेल ने देश की सर्वभौम एकता के लिए किए गए कार्यों से अपनी अमिट छाप छोड़। इस अवसर पर प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता ओम प्रकाश मिश्रा, विनायक राय, संजीव परधिया, विल्सन तोपनो, बसंत सुरीन आदि थे।

तमाड़ की खबरें

विधायक सुदेश महतो ने किया दुलमी गांव में समाजसेवी की मूर्ति का अनावरण

राहे (आजाद सिपाही)। प्रखंड के दुलमी गांव स्थित मुहानी तालाब पर समाज सेवी महादेव कोईर और गंगामनी देवी की मूर्ति का विधायक सुदेश महतो ने विधिवत अनावरण किया। दोनों दिवंगत गांव में काफी लोकप्रिय थे और किये गये सामाजिक कार्यों के चलते युवाओं के लिए प्रेणास्रोत है। उनकी पुण्यतिथि पर प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस मौके पर चितरंजन महतो, भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रताप कुशवाहा, रंगबहादुर महतो, ज्योति कोईरी,अमूल्य मेहता, मनोरंजन मेहता, अरुण मेहता और प्रमोद सिंह आदि थे।

नि:शुल्क पुस्तकालय व कोचिंग सेंटर का उद्घाटन

तमाड़ (आजाद सिपाही)। फौजी व पुलिस जवान ग्रुप की ओर से रायडीह मोड़ में नि:शुल्क पुस्तकालय और कोचिंग सेंटर का उद्घाटन सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट अजीत कुमार अधिकारी ने किया। उक्त पुस्तकालय तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के सभी बलों के जवानों द्वारा सहयोग कर स्थापित किया गया है। इस कार्य में सीआरपीएफ के जवान अंकित कुमार, बीएसएफ जवान संजू मुंडा, जिला बल जवान परमेश्वर अहीर, जैप जवान बिपादभंजन महतो, नंदकिशोर महतो आदि का सहयोग रहा।

तमाड़ पहुंचे केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने ग्रहण किया प्रसाद

तमाड़ (आजाद सिपाही)। केंद्रीय मंत्री सह खूंटी के सांसद अर्जुन मुंडा सोमवार को तमाड़ पहुंचे और कार्यकर्ता के घर जाकर छठ पूजा का प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ अपनी बातों को साझा करते हुए 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुण्डा के जन्म दिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन की जानकारी दी। साथ ही कार्यकर्ताओं को अभी से ही राष्ट्रपति के ऐतिहासिक स्वागत की तैयारी में लग जाने का निर्देश दिया। साथ ही फोरलेन सड़क निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। मालूम हो कि पिछले दिनों एनएचआई कर्मियों को कड़ी फटकार लगाए थे। उसके बाद से ही काम में प्रगति आई है जिसकी जानकारी कार्यकर्ताओं ने मंत्री अर्जुन मुण्डा को दी। इस बीच वे लोहड़ी टिंपुर जाकर ग्राम प्रधान स्व. अशोक मुण्डा के परिवार के सदस्यों से मिलकर शोक व्यक्त किया। इस दिन मौके पर जिला सांसद प्रतिनिधि महेंद्र नाथ शाहदेव, अंड़की सांसद प्रतिनिधि अनुप साहु, तमाड़ सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह मुण्डा, जिप सदस्य दिलीप सेठ, बुण्डू नगर मंडल अध्यक्ष आलोक दास, सुबोध मुखर्जी, गोलक दास अधिकारी, रुपेश गुप्ता, चैतन पुरान, रंजित महतो, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष महावीर सोनी और विवेक गुप्ता आदि मौजूद थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक की मौत

सिल्ली (आजाद सिपाही)। सिल्ली बुंडू मार्ग स्थित पटका पूल के समीप रविवार के रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 45 वर्षीय एक अदेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। उसकी पहचान बीरबल महतो के रूप में हुई है। वह सिल्ली के लोवादाग का रहने वाला था। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची सिल्ली पुलिस ने शव को कब्जे में ले कर सोमवार को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। जानकारी के मुताबिक बीरबल महतो हिन्डाल्को में कैंटीन कर्मी था। रविवार रात ड्यूटी खत्म कर वापस घर जाने के क्रम में एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से घटनास्थल पर मौत हो गई। कैंटीन की देखरेख करने वाले पुरुषोत्तम पांडे ने बताया कि बीरबल महतो काफी सजग रहता था। रविवार को भी वह ओवर टाइम ड्यूटी कर घर जाने के लिए निकला था लेकिन हादसे का शिकार हो गया।

जमीन के विवाद में हुई थी ग्राम प्रधान ओशक सिंह मुंडा की हत्या, दो गिरफ्तार

तमाड़ (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के लोहडी टिमपुर गांव के ग्राम प्रधान अशोक सिंह मुंडा हत्याकांड का तमाड़ पुलिस ने दो दिन के बाद खुलासा कर करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया। उनकी पहचान हरेंद्र कुमार और गदाधर पुरान उर्फ गोदा के रूप में हुई है। पुलिस का दावा है कि दोनों ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। बताया कि उनके साथ जमीन का विवाद था। थानेदार दीपक कुमार सिंह ने बताया कि वर्षो से जमीन का विवाद था। इसमें ग्राम प्रधान और आरोपी की भूमिका संदिग्ध थी। इसी बीच शराब के नशे में बांस से पीटकर आरोपी ने ग्राम प्रधान अशोक सिंह मुंडा की हत्या कर दी और फरार हो गया। पहले भी हत्या की योजना बनाई गई थी, लेकिन उसमें वे सफल नहीं हुए थे। गौरतलब हो कि 27 अक्टूबर की रात ग्राम प्रधान अशोक सिंह मुंडा की बांस से पीटकर हत्या कर दी गई थी।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर एकता दौड़ का आयोजन

खलारी (आजाद सिपाही)। स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री, लौहपुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को सोमवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। डकरा यूकेएस कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवकों ने गजेन्द्र यादव के निर्देशन में एकता दौड़ का आयोजन किया। जिसे गजेन्द्र यादव ने तिरंगा झंडा दिखाकर रवाना किया।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ महापर्व छठ संपन्न

आजाद सिपाही टीम

खलारी/खूंटी। लोक आस्था व सूर्य उपासाना का महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ। इससे पूर्व खलारी कोयलांचल सहित आस-पास के क्षेत्रों में चार दिनी इस महापर्व को लेकर रविवार को छठ व्रतियों ने अपने नजदीक के नदी, तालाबों में स्थित छठ घाटों में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान भास्कर का पूजन किया। खलारी के एसीसी छठ घाट, जेहलीटांड़, केडी ओल्ड साइडिंग लम्बा धौड़ा, मोहननगर, खिलान धौड़ा स्थित तलाबों में बने छठ घाटो और दामोदर नदी, सपही नदी एवं सोनाडुबी नदी में करकट्टा, धमधमियां, खलारी बाजारटांड़, डकरा, केडीएच, भूतनगर, मानकी, चूरी, सुभाषनगर सहित क्षेत्र के विभिन्न जगहों से आकर छठ व्रतियों द्वारा भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पण किया गया। सभी छठ घाटों पर स्थानीय पूजा समितियों व युवकों द्वारा साफ-सफाई और घाट को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया था। वहीं एसीसी छठ घाट, मोहननगर छठ घाट तथा केडी ओल्ड साईडिंग लम्बाधौड़ा छठ घाट, धमधमियां स्थित दामोदर छठ घाट, मानकी सपही नदी छठघाट सहित अन्य जगहों के घाटों में भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित की गई थी। खलारी एसीसी छठ घाट में जय माता दी ग्रुप खलारी के सदस्यों द्वारा दूध व फल का वितरण किया गया। इसके साथ ही छठ घाट पर सुबह में ग्रुप की ओर से लोगों के लिए नि:शुल्क चाय की व्यवस्था की गयी थी।

मोहननगर छठघाट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़।

अर्जुन मुंडा ने की हौसला आफजाई

वहीं, अटूट विश्वास एवं आस्था का महापर्व छठ के मौके पर फ्रेंड्स क्लब तोरपा द्वारा किये गए सफल ऐतिहासिक आयोजन की सूचना मिलने पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद फ्रेंड्स क्लब के सदस्यों को बधाई देने और हौसला अफजाई के लिए तोरपा पहुंचे। वे समिति के सदस्य और सांसद प्रतिनिधि व भाजयुमो जिला महामंत्री दीपक तिग्गा के घर पहुंचे और समिति के सदस्यों से मुलाकात की। इस मौके पर जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, ओपी कश्यप, ज्योतिष भगत, संतोष जयसवाल, नीरज पाढ़ी, केशव कुमार, आशीष कुमार, जुरन आईंद, सुदर्शन भोक्ता आदि मौजूद थे। बाद में मंत्री ने तपकारा जाकर व्रतियों से आशीर्वाद लिया। मौके पर कन्हैया जयसवाल, उमेश चौधरी, राजकुमार साहू, नीरज साहू आदि थे।

प्रेमी के साथ फरार हुई नाबालिग का पेड़ से लटकता शव बरामद

खूंटी (आजाद सिपाही)। सायको थानांतर्गत गिड्डू गांव स्थित तालाब के पास एक पेड़ से सोमवार को एक नाबालिग लड़की का शव बरामद हुआ। उसकी पहचान हिस्सी कुमारी (15) के रूप में हुई है। वह मारंगहादा थानांतर्गत रांगरोंग गांव की रहने वाली थी। आशंका व्यक्त की जा रही है कि उसकी हत्या कर आत्महत्या दिखाने के लिए गमछा के सहारे पेड़ से लटका दिया गया है। इस बबात मृतका के स्वजनों द्वारा उसके प्रेमी गिड्डू गांव निवासी नारन पाहन के विरुद्ध सायको थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया गया है। वहीं, घटना के बाद से आरोपित फरार है। पुलिस उसकी तलाश में छापामारी कर रही है। वहीं, सायको थाना प्रभारी रितेश कुमार ने बताया कि जांच के दौरान मृतका के स्वजनों ने पुलिस को बताया कि हिस्सी कुमारी को उसके पूर्व परिचित प्रेमी नारन पाहन गत शुक्रवार को घर से भगा ले गया था। तभी से उसका कोई पता नहीं चल रहा था। थाना प्रभारी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असल कारणों का पता चल सकेगा। वहीं, शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया गया।

प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे खूंटी सांसद व विधायक

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी के सांसद और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और तोरपा विधायक कोचे मुंडा सोमवार को हर छठ का महा प्रसाद ग्रहण करने के लिए खूंटी के वार्ड पार्षद अनुप साहू के आवास पर पहुंचे। उनकी मां तारा देवी ने छठ महापर्व का मंगल टीका लगाकर दोनों को आशीर्वाद दिया। आवास के मुख्य द्वार पर राजेन्द्र प्रसाद और राजकुमार गुप्ता ने अर्जुन मुंडा और कोचे मुंडा को अंग वस्त्र देकर उनका स्वागत किया। मौके पर वयोवृद्ध भाजपा कार्यकर्ता मुनीनाथ मिश्रा, जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, ज्योतिष ड्रागत, ओम प्रकाश कश्यप, कृष्णानंद तिवारी, जय प्रकाश भाला आदि उपस्थित थे। बाद में मंत्री और विधायक अधिवक्ता भोलानंद तिवारी के आवास पर पहुंच कर प्रसाद ग्रहण किया। वहीं, वार्ड पार्षद अनूप साहू ने छठ घाट पर 70 व्रतियों के बीच शॉल का वितरण किया।

राज्यसभा सांसद ने किया महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन

शिक्षा और खेल में महिला - पुरुष की हो बराबरी की भागीदारी: खीरू महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

सोनाहातू/तमाड़/बुंडू। राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने सोनाहातू मेला मैदान में महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उन्होंने सभी बालिका खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें आशीर्वाद दिया और फुटबॉल को किक मारकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा शिक्षा और खेल में महिला-पुरुष की भागीदारी बराबरी हो। उन्होंने कहा कि झारखंड विविधताओं का प्रदेश है। यहां कला, खेल व संस्कृति लोगों के रग-रग में है। बेटी बहन को पढ़ने लिखने और खेलने कूदने का अवसर देना चाहिए तभी हमारा समाज और देश विकासशील बनेगा। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को कोसते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बालू के उठाव के कारण नदी का पुल और सड़क जर्जर हो रहे हैं। ग्रामीणों को इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। गांव जगेगा तभी देश बचेगा। उन्होंने कहा कि कांची नदी में पुल छतिग्रस्त के मामले में उच्च स्तरीय जांच कराएंगे। इस मौके पर समाजसेवी लालचंद महतो, हरे कृष्ण कुमार, दुर्गा प्रसाद महतो और शैलेंद्र महतो आदि मौजूद थे।

खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन करते राज्यसभा सांसद खीरू महतो।

तमाड़ में दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

तमाड़ प्रखंड के मारधान स्कूल मैदान जादोडीह में राष्ट्रीय एकता दिवस पर सोमवार से दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता सह रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल खेल जी एफ सी फुटबॉल क्लब पनाडीह और नेताजी फुटबॉल स्पोर्टिंग क्लब मारधान के बीच हुआ। जिसमें जी एफ सी फुटबॉल क्लब पनाडीह विजेता रहा। अतिथियों के हाथों पुरस्कार वितरण किया गया। मैन ऑफ द मैच बुधुराम मुर्मू और मैन ऑफ द सिरीज गुडडू नायक रहे। इससे पूर्व खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि ऋषिकेश महतो, मुखिया राज किशोर सिंह मुंडा, पंसस प्रतिनिधि अश्विनी कुमार महतो आदि ने संयुक्त रूप से किया। विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि खेल भई जिंदगी का एक अहम हिस्सा है। इसमें जिंदगी के दुख सुख की तरह हार जीत भी खेल का हिस्सा है। खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। इस मौके पर प्रताप सिंह मुंडा, गौरांग सिंह मुंडा, कमला देवी, गोविन्द महतो, बांका बाउरी पुराण, मान गोविंद सिंह, पंचानन महतो, पिंटू पुराण, समीर कुमार, रंजीत सेठ, पिंटू पुराण, दीपक पुराण, दुखन बनर्जी, अनिल महतो, रामनाथ प्रमाणिक, दिनेश पुराण, गुरुवा पुराण, दिनेश प्रमाणिक, मनोज महतो, कमल महतो आदि मौजूद थे। वहीं, पांच परगना किसान महाविद्यालय में रविवार को राज्यसभा सांसद खीरू महतो का एनसीसी के प्रभारी हिंदी विभागाध्यक्ष और इंटर के प्रभारी प्राचार्य राधा रमन साहू ने शॉल एवं बुके देकर सम्मानित किया।

बेड़ो में छठ पर्व पर श्रद्धालुओं ने की भगवान सूर्य की आराधना

बेड़ो (आजाद सिपाही)। चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। जहां ऐतिहासिक डुकु छठ तालाब के घाट पर व्रतियां और श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान मांडर विधायक नेहा शिल्पी तिर्की, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, मांडर विधानसभा के युवा नेता सन्नी टोप्पो, हिंदू जागरण मंच के वाणी कुमार राय, सांसद प्रतिनिधि राकेश भगत, धनंजय कुमार राय, मुखिया सुशांति भगत, सीओ सुमंत तिर्की, थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता व मुन्ना बड़ाईक आदि मौजूद थे। वहीं मौके पर जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों ने छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छठ महापर्व सभी के लिए सुख- समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि लोक आस्था और विश्वास का यह महापर्व राज्य के लिए कल्याणकारी हो। वहीं छठ घाट पर प्रशासन की पुख्ता व्यवस्था रही। गली-मुहल्लों में छठ मइया के गीत गुंजायमान रहे। इधर प्रखंड के तुको, खुखरा, केशा, पाकलमेड़ी, खत्रीखटंगा, जहाना, जमनी, पुरियो, जरिया,हुटार ताबेर, बिरनीबेड़ा, बारीडीह समेत ग्रामीण इलाके में भी छठ मैया का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

लापुंग में जिप सदस्य हिंदिया टोप्पो ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर की क्षेत्र की सुख -शांति की कामना

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग में आस्था का महापर्व छठ उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। लापुंग के ककरिया में जिप सदस्य हिंदिया टोप्पो ने अर्घ्य दिया व क्षेत्र की सुख शांति की कामना की। फतेहपुर व गोविंदपुर (जरियागढ़) का कारो नदी बंगाली घाट, मालगो तालाब, लापुंग व लालगज की भंगी नदी व ककरिया कनकी नदी में भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। सुरक्षा व्यवस्था के लिए लापुंग पुलिस सदल बल तैनात थी व कारो नदी गोविंदपुर में जरियागढ़ पुलिस सदल बल तैनात थी।

भांवर ढीपा राजाडेरा में जतरा मेला लगाने का लिया गया निर्णय

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। जतरा समिति भांवर ढीपा राजाडेरा की रविवार को एक बैठक हुई। बैठक में प्रत्येक वर्ष भांवर ढीपा में सोहराई जतरा मेला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से जिप सदस्य राजेन्द्र शाही मुण्डा, विरेन्द्र सिंह भोगता, मोतीराम मुण्डा आदि उपस्थित हुए। बैठक में जतरा मेला आयोजित किये जाने को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में रेशमा बाण्डो, रीना देवी, ज्योति प्रेमिला एक्का, राहील मिंज, पुष्पा एक्का, रीना बाण्डो, सुशीला एक्का, विनिता तिर्की, चुमानी बाण्डो, शुक्रो कच्छप, उज्यस टोप्पो, फिलोमिन मिंज, इब्राहिम एक्का, चंद्रो बाण्डो, सिमोन एक्का, उमेश चैधरी आदि मौजूद थे।

साल्हन गांव में कपड़ा दुकान का उद्घाटन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के साल्हन गांव में सोमवार को बिरजा मुण्डा कपड़ा दुकान एवं प्रज्ञा केन्द्र का शुभारंभ हुआ। इसका उदघाटन भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र महतो एवं शिक्षाविद् डॉ रिझू नायक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर सुरेन्द्र महतो ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र भी अब तेजी से विकसित होने लगा है। ग्रामीणों को अब हर जरूरत की चीज गांव में उपलब्ध हो रही है। डॉ रिझू नायक ने कहा कि ग्रामीणों को अब कपड़ा की खरीदारी के लिए शहर जाने की जरूरत नहीं है। उन्हें घर में ही यह सुविधा आसानी से मिल जाएगी। संचालक बिरजा मुण्डा ने कहा कि ग्राहकों को इस दुकान में सस्ते दाम पर टिकाउ और हर रेंज का कपड़ा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। मौके पर सिकंदर अंसारी, शिबु मुण्डा, सुरेन्द्र मुण्डा, राजेन्द्र महतो, रोहित करमाली, विजय करमाली, परमानंद साहू, घनेनाथ महतो, गोपाल मुण्डा, रामपद चौधरी, संदीप मुण्डा, किस्टो मुण्डा आदि मौजूद थे।

कुच्चू पंचायत के मुखिया के निधन पर शोक

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। कुच्चू पंचायत के मुखिया सह अनगड़ा प्रखंड कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष रमाकांत शाही मुंडा का निधन रविवार को इलाज के दौरान रिम्स में हो गया। स्व. मुंडा लंबे समय से पेट की बीमारी से ग्रस्ति थे। पार्टी के प्रति हमेशा समर्पित रहने और गरीबों के सहयोग में आगे रहने वाले रमाकांत शाही मुंडा के निधन से पूरे अनगड़ा प्रखंड में शोक की लहर दौड़ गयी। गौरतलब है कि मुंडा कुच्चू पंचायत से दो बार मुखिया पद के लिए निर्वाचित हुए थे। उनके निधन पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, खिजरी विधायक की पत्नी रिया तिर्की, कांग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष सुरेश बैठा, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, सोमनाथ मुण्डा, जिला परिषद अनगड़ा पूर्वी राजेन्द्र शाही मुण्डा, जिला परिषद अनगड़ा प. अनुराधा मुण्डा, जैनेन्द्र कुमार, मुस्तफा अंसारी, सुंदरी तिर्की, प्रमुख दीपा उरांव, भुवनेश्वर बेदिया मुखिया नवागढ़, ग्रामप्रधान बालेश्वर बेदिया, पंचमी देवी, संगीता देवी, एतवा उरांव, उप मुखिया सहदेव बेदिया, अमुल्य नीरज खलको, बेलस तिर्की, प्रदीप साहू, नारायण मुंडा, राजेंद्र मुंडा, सचिन नायक, यूनुस अंसारी, शिवदास गोस्वामी, शफीक अंसारी, नईम अंसारी, जोन तिग्गा, सचिमोहन कुमार, सोहरैया बेदिया, दीपक मुण्डा, जयशंकर पहान आदि ने शोक व्यक्त किया है।

छठ महापर्व : रातू में श्रद्धा-हर्षोल्लास के साथ छठ महापर्व का समापन

छठ घाटों पर हजारों छठव्रतियों ने उदीयमान सूर्य को दिया अर्घ्य

दुधिया रंग से सराबोर हुआ क्षेत्र, संस्थाओं ने व्रतियों का किया सहयोग, पुलिस प्रशासन क्षेत्र में रहा चौकस

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। प्रखंड में सूर्य उपासना का चार दिवसीय छठ महापर्व धार्मिक श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया। नहाय खाय के साथ प्रारंभ हुए इस पर्व के प्रथम दिन नहाय खाय कद्दू भात, दूसरे दिन खरना पूजन, तीसरे दिन अस्ताचलगामी भगवान भूवन भास्कर को पहला अर्घ्य के साथ चौथे व अंतिम दिन उदीयमान सूर्य को व्रतियों द्वारा अंतिम अर्घ्य अर्पित किया गया। सोमवार की सुबह राजमहल तालाब के अलावा प्रखंड के रातू पाली, बाजपुर, हुरहुरी, झखराटांड़, तिलता, सुंडिल, नया सोसो, चटकपुर तालाबों में बनाये गये घाटों में हजारों व्रतियों ने उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर मन्नतें मांगी। महाराजा तालाब में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। यहां करीब 50 हजार से भी अधिक लोगों की भीड़ उमड़ी। रविवार की शाम छठ घाट दुधिया रंग से सराबोर हो उठा। वहीं, पटाखे व छठ गीत-संगीत से माहौल गुंजायमान रहा। जमकर आतिशबाजी भी हुई। रातू छठ पूजा समिति व श्री साईं स्वयं सेवी संस्था के अलावा कई सामाजिक संगठनों की ओर से व्रतियों का सहयोग किया गया। संगठन की ओर से फल, दूध व पूजा सामग्री की व्यवस्था की गयी थी। छठ व्रतियों की सुविधा के लिए भव्य मंच बनाया गया था। जिसका उद्घाटन राजकुमारी माधुरी मंजरी देवी ने किया। इस दौरान पुलिस प्रशासन क्षेत्र में पूरी तरह चौकस रहा। सुरक्षा की कमान डीएसपी प्रवीण कुमार ने संभाली।

कार्यक्रम की सफलता में अजय नाथ शाहदेव, नितेश नाथ शाहदेव, अतुल राज, सुबोध साहू, संजय साहू, कृष्णा साहू, मुन्ना केशरी, राजकुमार, सुषमा तिर्की, जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, रवि कुमार, हरि साहू, मुकेश बैठा, जय कुमार, अविनाश कुमार, शिवम बड़ाइक, बैजू, राजा, प्रिंस राज, संतोष कुमार के अलावा अन्य लोगों का सराहनीय योगदान रहा

ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने नामकुम में दिया उदीयमान सूर्य को अर्घ्य

स्टेन रोज क्लब के सदस्यों ने ग्रामीण एसपी, थाना प्रभारी एवं कांग्रेस नेता रमेश पांडे को अंग वस्त्र और मेमेंटो भेंट कर किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने छठ पूजा के समापन पर सोमवार को नामकुम क्षेत्र के कई जलाशयों का दौरा किया। उनके साथ नामकुम थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार तिवारी, पुलिस अवर निरीक्षक अनिमेष शांतिकारी सहित पुलिस बल शामिल थे। ग्रामीण एसपी ने प्रखंड अंतर्गत के सिदरौल जोड़ा मंदिर तालाब में छठव्रतियों के बीच जाकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया एवं राज्य की खुशहाली के लिये छठी मैया से आशीष मांगा। सिदरौल के बाद ग्रामीण एसपी नामकुम स्थित स्वर्णरेखा नदी पहुंचे जहां छठव्रतियों एवं समिति के सदस्य से मिलकर विधि व्यवस्था की जानकारी ली।

स्टेन रोज क्लब के सदस्यों ने ग्रामीण एसपी, थाना प्रभारी एवं कांग्रेस कमेटी के महासचिव रमेश पांडे को अंग वस्त्र और मेमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। वहीं डीएसपी मुख्यालय प्रथम नीरज कुमार ने भी विभिन्न जलाशयों पर जाकर विधि व्यवस्था देखीं। घाघरा स्वर्णरेखा नदी पर नवयुवक संघ छठ पूजा समिति, केतारी बगान नदी में स्वर्णरेखा उत्थान समिति, जोरार तेतरी टोली में छठ पूजा आयोजन समिति के द्वारा दूध और गंगाजल का वितरण किया गया।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर मांगी परिवार की खुशहाली

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। लोक आस्था का महापर्व छठ नामकुम में धूमधाम से मनाया गया। छठ पूजा आयोजन समिति तेतरी टोली, स्टेन रोज क्लब छठ पूजा समिति और न्यू महादेव शिव शक्ति क्लब पंडित सदन के छठ घाटों में व्रती महिलाओं ने उदयाचलगामी भगवान भास्कर उगते हुये सुर्य को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख समृद्धि के लिये कामना की।

इससे पूर्व रविवार को अस्ताचलगामी डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। अंतिम दिन भगवान भास्कर और छठी मैया की उपासना के लिये छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सैकड़ों श्रद्धालु सिर पर प्रसाद की टोकरी रख परिवार के साथ नंगे पैर घाट पर पहुंचे थे। इसी के साथ ही चार दिवसीय महापर्व संपन्न हो गया।

अंजुमन कमेटी के शेख साजुद्दीन अध्यक्ष व खुर्शीद आलम सचिव निर्वाचित

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन कमेटी रजा नगर उपर कुटे के पदाधिकारियों के चयन को लेकर रविवार को मदरसा परिसर में मतदान कराया गया। विधि-व्यवस्था की समस्या के मद्देनजर सिकिदिरी थाना प्रभारी भगवान तामसोय की देख-रेख में शांतिपूर्वक मतदान कराया गया। अध्यक्ष पद के लिए दो, सचिव पद के लिए तीन और कोषाध्यक्ष पद के लिए चार उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में 269 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। इसमें शेख साजुद्दीन को 216 मत और अफरोज खान को 53 मत प्राप्त हुए। शेख साजुद्दीन ने अफरोज खान को 163 मतों से हराकर अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। जबकि सचिव पद के लिए हुए मतदान में 265 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। खुर्शीद आलम को 137 मत और रेहान खान को 114 मत प्राप्त हुए। खुर्शीद आलम ने रेहान खान को 23 मतों से पराजित कर सचिव पद पर कब्जा जमाया। वहीं कोषाध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में सलाल खान यासीन को 72 मतों से पराजित कर कोषाध्यक्ष बने। शांतिपूर्वक मतदान कराने के लिए बनी चुनाव निगरानी कमेटी के पदाधिकारियों फारूक खान, अब्दुल गफ्फार खान, खालिक खान, नाजिर खान, साबिर खान, अशरफ खान, इस्माइल खान, शफीक खान, ईदुल खान व जमील अख्तर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम : सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप मनायी गयी

सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र सेबों के जवानों ने रन फार यूनिटी दौड़ लगायी

नगड़ी में राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फार यूनिटी दौड़ में शामिल जवान

टाटीसिलवे में सरदार पटेल की जयंती मनाते लोग

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। नगड़ी के सेंबो स्थित सीआरपीएफ ग्रुप केन्द्र में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनायी गयी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विशन स्वरूप शर्मा, उप महानिरीक्षक सीआरपीएफ ग्रुप केन्द्र रांची उपस्थित थे। उन्होंने मौके पर ग्रुप केन्द्र के जवानों और अधिकारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई तथा मौके पर आयोजित मार्च पास्ट की सलामी ली। मौके पर उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जीवन वृत्त की जानकारी दी। साथ ही राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने का आह्वान किया। राष्ट्रीय एकता दिवस पर ग्रुप केन्द्र सेंबो द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जवानों ने रन फार यूनिटी के तहत दौड़ लगायी। साथ ही रांची शहर के कुछ क्षेत्रों में साइकिल और बाइक रैली निकाल लोगों के बीच एकता का संदेश दिया।

टाटीसिलवे में लौह पुरुष सरदार पटेल की जयंती मनायी गयी

नामकुम (आजाद सिपाही)। भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभाई पटेल की 147वीं जयंती सोमवार को पटेल सेवा संघ टाटीसिलवे के द्वारा टाटीसिलवे बाजार निवासी सरयुग प्रसाद के आवास पर मनायी गयी। मौके पर सरयुग प्रसाद ने कहा कि हिन्दुस्तान को आजादी मिलने के बाद सरदार वल्लभाई पटेल ने पूरे राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। इसी के कारण वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से राजकुमार पटेल, सरयुग प्रसाद, गोविंद महतो, सुरेंद्र प्रसाद, राजेंद्र महतो, रंजन कुमार सिंह, चंद्र मोहन आदि उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

कांके में छठ व्रतियों ने अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर की सभी के सुख-शांति की मंगल कामना

कांके (आजाद सिपाही)। क्षेत्र में हजारों छठव्रतियों ने विभिन्न जलाशयों में अस्ताचलगामी सूर्य और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर सभी के लिए मंगल कामना की। छठ व्रतियों ने आईआईसीएम रोड स्थित पोटपोटो नदी छठ घाट, कांके पिठोरिया रोड स्थित चुरीन गढ़हा जुमार नदी छठ घाट, बीएयू जुमार नदी छठ घाट, बोड़ेया स्थित पोटपोटो नदी छठघाट, सुकुरहुटू छठ तालाब सहित होचर, बुकरू अन्य जलाशयों में अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को और उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पण किया। क्षेत्र के सभी जलाशयों में समितियों द्वारा छठ व्रतियों के बीच पूजन सामग्री भी वितरित की गयी। छठ पूजा समिति कांके द्वारा पोटपोटो नदी छठ घाट पर छठ व्रतियों की सुविधा के लिए गंगा जल, दूध, चाय सहित पूजन सामग्रियों का वितरण किया गया। वहीं छठव्रतियों को सुविधा उपलब्ध कराने में समिति के संस्थापक अमित यादव, अध्यक्ष संदीप यादव, संरक्षक सुनील गुप्ता, राजेश मोदक, प्रमोद राय, विक्रम महतो, सतेंद्र सिंह बबलू, तरुण वर्मा सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा। वहीं चुरीन गढ़हा जुमार नदी पर छठव्रतियों को सुविधा उपलब्ध कराने में अध्यक्ष आलोक बैठा, समाजसेवी पंकज सिंह, महेश कुमार मनीष, विष्णु यादव, राजेश यादव सहित सदस्यों का योगदान रहा।

इटकी में सैकड़ों छठ व्रतियों ने उदीयमान भगवान भुवन भास्कर को दिया अर्घ्य

इटकी (आजाद सिपाही)। इटकी और आसपास के ग्रामीण इलाकों में सोमवार की प्रातः सैंकड़ों छठव्रती सहित हजारों श्रद्दालुओं ने उदीयमान भगवान भुवन भास्कर को अर्घ्य प्रदान किया। कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारणी अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री बंधु तिर्की भी भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए प्रातः 4.30 बजे छठ घाट पहुंचे और भक्ति भाव के साथ भगवान सूर्य देव को अर्घ्य दिया। प्रातः से ही छठव्रती और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का क्षेत्र के नदी, तालाब, बांध, पोखर सहित अन्य घाटों में पहुंचकर भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर स्वच्छता और भक्ति के साथ प्रार्थना की। निर्धारित समय में छठ व्रतियों ने उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और पारन कर 36 घंटे का निर्जला उपवास को समाप्त किया। इसके पूर्व रविवार की शाम अस्ताचली सूर्य को छठ व्रतियों ने अर्घ्य दिया। बनिया टोली स्थित छठ घाट पर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की द्वारा साफ-सफाई और विद्युत साज सज्जा और विभिन्न संगठनों द्वारा दूग्ध फल और आम का लकड़ी वितरण किया गया। इधर मोरो, मकुन्दा, कुन्दी, पंडरा नदी, हरही गंगा जल सहित अन्य जलाशयों में भारी संख्या में छठ व्रतियो ने भगवान सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया।

नगड़ी में छठव्रतियों ने सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार समाज और देश की सुख शांति-समृद्धि की कामना की

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। लोक आस्था और नेम निष्ठा का महापर्व छठ के चौथे दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देते ही संपन्न हो गया। महापर्व छठ के चौथे दिन सोमवार को प्रखंड क्षेत्र के नगड़ी, नारो, देवरी, साहेर, एड़चोरो, चिपरा, लालगुटवा, कुदलोंग, बलालोंग, टुण्डूल सहित कई पंचायतों के दर्जनों गांवों में विधि विधान के साथ पूजा की गयी। इससे पूर्व सभी छठवर्ती स्थानीय तालाबों एवं नदी में भगवान भास्कर को नमन कर परिवार समाज में देश की सुख शांति समृद्धि कल्याण होने की कामना की। मौके पर हरि ओम युवा समिति, संकल्प सेवा समिति, साहू परिवार समिति के लोगों ने शिविर लगाकर छठ में शामिल सभी लोगों का अभिनंदन किया। इधर प्रखंड के स्वर्णरेखा नदी तालाब, नारो तालाब तथा बोटवा बांध, एड़चोरो में कोयल नदी के किनारे, हरही गांव में गंगाधरतालाब, नयासराय के छठ तालाब में भी शिविर लगाकर लोगों का अभिनंदन किया। मौके पर नगड़ी प्रखंड में हो रहे छठ पर्व में जोहार पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष विजय महतो, भाजपा नेता शंशाक राज, नगड़ी जिप सदस्य पूनम देवी, इंस्पेक्टर राजेश सिन्हा, नगड़ी थाना प्रभारी ओमप्रकाश टोप्पो सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

ठाकुरगांव में छठव्रतियों के बीच पूजा समितियों ने किया फल-दूध का वितरण

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र में सोमवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय महापर्व छठ हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हो गया। इससे पूर्व छठव्रतियों ने रविवार की शाम अस्चलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से थाना क्षेत्र के ठाकुरगांव, हिसरी, बंसरी खखरा, भांटबोडेया, उरुगुट्ठ, हेसलपीरी, बेड़वारी, इटहे आदि गांवों के तलाबों व जलाशयों में छठव्रतियों द्वारा पूजा की गयी। साथ ही घाटों में समितियों द्वारा आकर्षक विद्युत सज्जा भी की गई थी। वहीं विभिन्न संगठनों द्वारा व्रतियों के बीच फल व दूध आदि का भी वितरण किया गया।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व संपन्न, ओरमांझी में मिथिलांचलवासी महिलाएं आज से मनायेंगी शामा चकेवा पर्व

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। आस्था का महापर्व छठ उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हो गया। आज से मिथिलांचल की युवतियां, महिलाएं टोली बनाकर सामा चकेबा पर्व मनायेंगी। प्रखंड के डोमा नदी छठ घाट पर पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, सांसद संजय सेठ, कुच्चू तालाब में राज्य सभा सांसद प्रो. आदित्य प्रसाद साहू, मुखिया दीपक बड़ाइक, पंसस ललिता देवी, सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सतीश बड़ाइक, पूजा समिति ओरमांझी के अध्यक्ष सत्य नारायण तिवारी, शशि मेहता, आनंद मेहता, कुलदीप तिवारी, उप मुखिया संतोष कुमार गुप्ता, छठ पूजा समिति के अध्यक्ष संतोष गुप्ता आदि के द्वारा अर्घ्य अर्पण किया गया।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व संपन्न, गंगा आरती रहा आकर्षण

छठ महापर्व पर विश्रामपुर और रेहला में हुआ भक्ति जागरण, झूमे श्रोता

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पूरे पलामू क्षेत्र में लोक आस्था का महापर्व छठ उगते हुये भगवान सूर्य के अर्ध्य देने के साथ सोमवार को संपन्न हो गया। चार दिनों तक चले इस महापर्व से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया था। रविवार की शाम को क्षेत्र के सभी छठ घाटों पर गंगा आरती का आयोजन किया गया। रेहला कोयल छठ घाट के गंगा आरती में सैकड़ों लोग शामिल हुये। विश्रामपुर के शिव छठ घाट और राजघाट पर भी गंगा आरती हुई। सभी घाटों पर आयोजित गंगा आरती श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। इधर इस अवसर पर विश्रामपुर व रेहला में भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। भक्ति जागरण में गायकों के देवी गीतों पर सारी रात श्रोता झूमते रहे। विश्रामपुर शिव घाट व राज घाट पर छठ पूजा समिति ने भक्ति जागरण का आयोजन किया। शिव घाट व राज घाट पर आयोजित भक्ति जागरण का उद्घाटन भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह विधायक पुत्र डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने बतौर मुख्य अतिथि फीता काट कर किया। कार्यक्रम के दौरान शिव घाट पूजा कमेटी ने अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में मुन्ना चंद्रवंशी,विधायक के जिला प्रतिनिधि रामचंद्र यादव, सामाजिक सेवा समिति अध्यक्ष संजय पांडेय,प्रेम शंकर दुबे, बड़कू सिंह, विधायक प्रतिनिधि पंकज कुमार लाल, राजन पांडेय, बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम, थाना प्रभारी शशि रंजन, नगर प्रबंधक सुभाष हेंब्रम, विजय कुमार रवि, एनके तिवारी, एसएम एस्ले, रवींद्र नाथ उपाध्याय, मुंशी प्रसाद गुप्ता, लक्ष्मण साव, बिहारी लाल गुप्ता, ललन सोनी, गोपाल सोनी का नाम प्रमुख है। इधर रेहला कोयल छठ घाट पर आयोजित भक्ति जागरण का उद्घाटन मंत्री मिथलेश ठाकुर, दिनेश सिंह, डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी, अजीत तिवारी,अमृत शुक्ला,ब्रहदेव प्रसाद आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

नगर निगम की महापौर ने खुद छठ घाटों की सफाई का संभाली थी कमान

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। छठ महा पर्व के अवसर पर महापौर अरुणा शंकर ने जहां एक ओर छठ घाटों पर सफाई की कमान संभालती नजर आ रही थी वही दूसरी ओर निगम के हर घाटों पर जाकर छठ व्रतियों से मिलकर आशीर्वाद लेते नजर आई। इस अवसर पर कई सामाजिक संस्थानों ने महापौर अरुणा शंकर को उनके कार्य शैली को देखते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी घाटो की विशेष साफ-सफाई को देख हर जगह महापौर अरुणा शंकर की भूरी भूरी प्रशंसा छठ करने दूसरे शहरों से आये अतिथियों ने भी किया। स्थानीय लोगों ने बताया चैनपुर, शाहपुर, डाल्टनगंज, कचरवा, पंपू कल के कई घाटों में महापौर ने छठ व्रतियों को असुविधा ना हो इसके लिए गत 10 दिनों से अपने निजी खर्च कर कई जगहों पर जेसीबी, डस्ट, मोरम, स्ट्रीट लाइट, ब्लीचिंग के छिड़काव के साथ सफाई की व्यवस्था करवा रही थी जिसे स्थानीय लोगों ने खूब सराहा। निगम के एक पदाधिकारी जो घाटों की सफाई की देखरेख कर रहे थे से पूछा गया तो बताया निगम में कर्मी काफी कम है, काफी कर्मी छठ करने भी गये हैं बावजूद महापौर मैडम ने गत एक सप्ताह से अपने खुद हर व्यवस्था की मॉनिटरिंग करते हुए जरूरत पड़ने पर अपने निजी मैन पावर और भाड़े पर जेसीबी लगाकर खुद अपनी निगरानी में हम सबों का हाथ बटा रही थी जिससे हम उत्साही थे और हम सब मिलकर घाटों के साथ-साथ शहर की सफाई भी कर पाये।

भक्ति जागरण सनातन सांस्कृतिक का सुरक्षा कवच है : अविनाश देव

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। छठ महापर्व के मौके पर चैनपुर प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम कूदागा कला टोला भंडार में माटी कला बोर्ड के सदस्य अविनाश देव ने फीता काटकर भक्ति जागरण का उद्घाटन किया। लोक आस्था एवं विश्वास का पर्व छठ के मौके पर उपस्थित दर्शक श्रोता छठव्रती को उद्बोधन में श्री देव ने कहा कि आज भी गांव देहात में सामूहिक मनोरंजन का घोर अकाल है, खास कर महिलायें इससे वंचित रह जाती है। इस स्थिति में पर्व त्योहार के मौके पर सामूहिक मनोरंजन की ब्यवस्था काबिल ए तारीफ है। हमारी मातायें बहने मनोरंजन के साथ सांस्कृतिक समझ को भी विकसित करती है। भक्ति जागरण सिर्फ मनोरंजन ही नहीं बल्कि सनातन संस्कृती का सुरक्षा कवच है। मैं भगवान भास्कर से सुख शांति स्वच्छता स्वास्थ्य समृद्धि की कामना करता हूं। इस मौके पर भुनेश प्रजापति, प्रदीप प्रजापति, विनय प्रजापति, अर्जुन प्रजापति, जयकुमार, डब्लु कुमार, चारखु भुइयां, विनोद भुइयां, प्रभु भुइयां, माटीकला कार्यालय के प्रभारी शोभा प्रजापति सहित दर्जनों युवा कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय रहे। गयक डब्लू दीवाना, गायिका शिल्पी चंद्रा पूरे कार्यक्रम में रात भर अपनी स्वर का जलवा बिखराते रहे और दर्शक श्रोताओं को झुमाते रहे। पलामू जिला सिविल कोर्ट के एडवोकेट एवं समाजसेवी ओंकार नाथ तिवारी ने अपने सुनहरे शब्दों को स्वर में पिरो कर श्रोताओं को शुभकामनायें प्रेषित किये। सबों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ और इसी तरह सामाजिक कार्यों को करते रहने का उम्मीद भी रखता हूं।

हुसैनाबाद विधायक कमलेश कुमार ने किया छठ घाट का उद्घाटन

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद विधायक कमलेश कुमार सिंह ने हुसैनाबाद के बसडीहा छठ घाट का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने हुसैनाबाद के जेपी चौक पर छठ व्रतियों के बीच फल का वितरण किया। वहीं हैदरनगर के सदाबह नदी मुख्य छठ घाट पर विधायक मद के सात लाख रुपए की लागत से बनने वाले नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। हैदरनगर छठ घाट पर आयोजित कार्यक्रम में विजेता क्लब की मांग पर घाट पर डीप बोरिंग, पुल का निर्माण, दो हाई मास्ट लाइट एवं स्नानागार की व्यवस्था करने की घोषणा की। उन्होंने क्षेत्र के सभी लोगों को छठ महापर्व की शुभकामनायें दी। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के सभी नागरिक उनके परिवार के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो इसका वह हमेशा ख्याल रखते हैं। वह हैदरनगर छठ घाट के बाद कुकही स्थित सूर्य मंदिर छठ घाट पर पहुंच कर उपस्थित लोगों को छठ महापर्व की शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि समयभाव की वजह वह जिन घाटों पर नहीं पहुंच सके इसके लिए उन्हें अफसोस है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि अजीत सिंह, डा प्रदीप कुमार सिंह, विनय पासवान,शंकर ठाकुर, मानना खान ,विमलेश सिंह, सजू खान, योगेंद्र कुमार सिंह, गुड्डु सिंह, बबिता सिंह, राजकुमार ठाकुर, जी जयप्रकाश उपाध्याय, चंदन सिंह, जितेंद्र सिंह, संजय सिंह,रंजित मालाकार,अनूप सिंह, अपपू सिंह, अशरफ हसन के अलावा विजेता क्लब व जगराता क्लब के कार्यकर्ता मौजूद थे।

उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा का चार दिवसीय अनुष्ठान के साथ हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया। सोमवार को व्रतियों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ जन कल्याण की कामना की साथ समापन किया।सुबह के अर्घ्य देने के लिए सभी छठ घाट पर श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखी गयी। आस्था के इस महापर्व को लेकर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में काफी हर्षोल्लास था। चारों तरफ छठी मइया की गीत से पूरा माहौल भक्तिमय बना था, रविवार की शाम अस्तांचलगामी सूर्य की उपासना की गई थी सोमवार को उदीयमान सूर्य की उपासना की गई। दोपहर तीन बजे से घाट पर व्रतियों को आने का सिलसिला शुरू हुआ 4:30 बजे शाम तक सभी छठ घाट पर काफी भीड़ हो गई। इस अवसर पर शहर के जेपी चौक स्थित छठ घाट पर नगर पंचायत द्वारा प्रकाश एवं साउंड की व्यवस्था की गई थी।वहीं कई सामाजिक संस्था द्वारा स्टॉल लागकर पूजन सामग्री का प्रबंध किया गया था। स्वयंसेवी संगठन द्वारा भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। वहीं पंच मंदिर सरोवर पार्क में छठपूजा समिति द्वारा पूरे पार्क को काफी आकर्षक ढंग से सजाया गया था। वही नहर मोड़ स्थित जमुहारी छठघाट पर मेला का आयोजन किया गया। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में देवरी पंम्पू सोन घाट, शिवमंदिर सोन घाट, दंगवार सूर्य मंदिर घाट, बराही घाट, बुधुआ बड़ेपुर समेत कई घाट को सजाया गया था। छठ घाट पर पुलिस थी मुस्तैद छठ घाट पर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद थे। वही पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी जगन्नाथ धान, पुलिस निरीक्षक दीपक कुमार, महिला थाना प्रभारी सुरबाला भृंगराज, देवरी ओपी प्रभारी इंद्रदेव राम, दंगवार ओपी प्रभारी चंदन सिन्हा अपने अपने क्षेत्रों में काफी सक्रिय देखे गये। मौके पर विधायक कमलेश कुमार सिंह, पूर्व विधायक संजय कुमार सिंह यादव, जिप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह,भाजपा के वरिष्ठ नेता बिनोद कुमार सिंह, नगर अध्यक्ष शशि कुमार, उपाध्यक्ष गयासुद्दीन सिद्दिकी, रामेश्वर राम, उषा देवी ,कांग्रेस के वरीय नेता धनंजय तिवारी,आरएसएस के जिला संघचालक दिनेश कश्यप, चंदन सिंह, गुड्डु सिंह,राजद नेता विनय यादव, लखनदेव सिंह, निरंजन प्रसाद, अनुराग कुमार,समाजसेवी मिंटू सिंह, मुन्ना कुमार देव,पवन चौधरी,भाजपा नेता अविनाश कश्यप,छोटू सिंह,अमित कश्यप, अजय गुप्ता, अर्जुन गुप्ता समेत कई लोग मौजूद थे।

खाद्यान्न संधारण में अनियमितता बरतने के मामले में उपायुक्त की बड़ी कार्रवाई

सहायक गोदाम प्रबंधक सह जनसेवक निलंबित, विभागीय कार्रवाई के लिए प्रपत्र 'क' गठित करने का भी निर्देश

जिला आपूर्ति पदाधिकारी को आरोपी जनसेवक से चार सौ क्विंटल तैंतीस किलो छह सौ ग्राम खाद्यान्न के विरुद्ध सोलह लाख एक हजार तीन सौ चौवालीस रूपये वसूलने के निर्देश

खाद्यान्न उठाव, निर्गत एवं वितरण में अनियमितता को लेकर गंभर हैं : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत एनएफएसए मद में अनियमितता बरतने व खाद्यान्न घोटाले के आरोप में पलामू डीसी आंजनेयुलू दोड्डे ने हुसैनाबाद के राज्य खाद्य निगम गोदाम के सहायक गोदाम प्रबंधक सह जनसेवक अरविंद कुमार सिंह को निलंबित कर दिया है साथ ही जनसेवक अरविंद कुमार सिंह से सोलह लाख एक हजार तीन सौ चौवालीस रुपये की वसूली करने के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। निलंबन अवधि में जनसेवक का मुख्यालय सदर मेदनीनगर निर्धारित किया गया है। सहायक गोदाम प्रबंधक सह जनसेवक पर होगा विभागीय कार्यवाही प्रारंभ, प्रपत्र 'क' गठित करने का उप विकास आयुक्त को दिया गया निर्देश। जनसेवक के निलंबन के पश्चात उपायुक्त ने हुसैनाबाद के प्रखंड विकास पदाधिकारी को जनसेवक सह सहायक गोदाम प्रबंधक के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारंभ करते हुए प्रपत्र 'क' में आरोप पत्र गठित कर एक सप्ताह के अंदर नियमानुसार अग्रसारित करने के लिये उप विकास आयुक्त को निर्देशित किया है। इसी तरह उपायुक्त ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी शब्बीर अहमद को जनवेसक से सोलह लाख एक हजार तीन सौ चौवालीस रुपये की वसूली करने के लिये निर्देशित किया है।

क्या है पूरा मामला

हुसैनाबाद के विधायक कमलेश कुमार सिंह ने पलामू उपायुक्त से हुसैनाबाद के राज्य खाद्य निगम गोदाम के सहायक गोदाम प्रबंधक सह जनसेवक अरविंद कुमार सिंह द्वारा खाद्यान्न का घोटाला किये जाने के संबंध में शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की थी जिसके पश्चात उपायुक्त ने हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में एक संयुक्त जांच दल के द्वारा पूरे मामले की जांच करवायी जिसमें संधारित पंजी के अनुसार मिलान किये जाने के पश्चात चार सौ क्विंटल तैंतीस किलो छह सौ ग्राम खाद्यान्न कम पाया गया। जिसके बाद डीसी ने हुसैनाबाद के राज्य खाद्य निगम गोदाम के सहायक गोदाम प्रबंधक सह जनसेवक अरविंद कुमार सिंह से चार सौ क्विंटल तैंतीस किलो छह सौ ग्राम खाद्यान्न के विरुद्ध वसूलनीय राशि सोलह लाख एक हजार तीन सौ चौवालीस रुपये वसूलने के लिये जिला आपूर्ति पदाधिकारी शब्बीर अहमद को निर्देशित किया गया। ज्ञातव्य है कि जिले के उपायुक्त श्री दोड्डे खाद्यान्नों में अनियमितता को लेकर गंभर हैं। इसी माह के 22 तारीख को पांकी के कोनवाई में अंगूठा लगवा कर लाभुक को राशन नहीं देने जाने के मामले में जन वितरण प्रणाली दुकानदार अजय कुमार सिंह को भी निर्लंबित किया गया था।

युवा समाजसेवी ने छठ व्रतियों के बीच पूजन सामग्री का किया वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्रामपुर के डिहरिया वार्ड 11 मे युवा समाजसेवी सह प्रगति इंस्टिट्यूट एंड कंप्यूटर सेंटर बिश्रामपुर के डायरेक्टर अल्ताफ हुसैन एवं डिहरिया वार्ड 11 के भावी वार्ड पार्षद प्रत्याशी युवा नेत्री फिरदौस आरा के द्वारा प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी 90 छठ व्रतियों के बीच फल एवं पूजा सामग्री का वितरण किया गया। फिरदौस आरा ने कहा आज छठ महापर्व के शुभ अवसर पर फल एवं पूजा सामग्री छठ व्रतियों के बीच बांटकर हमें बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि जनता एक बार सेवा करने का मौका देती है तो वार्ड 11 को स्वच्छ और सुंदर बनाने में तन मन धन लगा दूंगी और सेवा भाव से समाज के सभी वर्गों के लिये काम करूंगी। सभी वर्गों को एक साथ लेकर चलूंगी। मैं सब से यही कहूंगी कि हमें एक बार सेवा करने का जरूर मौका दें। इस मौके पर भोला ठाकुर, अंगल कुमार, बाल्मीकि ठाकुर, शंभू चंद्रवंशी, मुन्ना कुमार, बलवंती देवी, फुलवंती देवी, रानी कुमारी, पूजा कुमारी, शंभू राम सहित काफी संख्या में छठ व्रतियों को छठ पूजा सामग्री वितरण किया गया।

विधायक के जिला प्रतिनिधि ने भक्ति जागरण का किया उद्घाटन

पांकी(पलामू) लोक आस्था छठ माहपर्व के अवसर पर पांकी प्रखंड स्थित मंगलपुर में भक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि पांकी विधायक के निदेर्शानुसार जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता,विशिष्ट अतिथि पांकी थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी ने फीता काट कर किया। मौके पर प्रकाश मेहता ने कहा कि छठ महापर्व एक ऐसा त्योहार है कि जो लोग सूर्य भाग्यवान को पूजा करते है। इस पूजा में अमीर हो या गरीब एक कतार में पूजा करते है। छठ महापर्व पूजा से हम सभी लोग को समझने की जरूरत है। थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी ने कहा कि छठ महा पर्व सुद्धता का पर्व है। यह पर्व से हम सभी को यह सीख मिलती है कि उगते हुए सूर्य के साथ डूबते हुए सूर्य की भी पूजा की जाती है। मौके पर विधायक के निजी सहायक प्रो बच्चन ठाकुर, अधिवक्ता लाला यादव, बिरेन्द्र मेहता ,गोपाल यादव, बिजय ठाकुर, पूजा समिति अध्यक्ष उमेश प्रसाद ,चंदन प्रसाद,अरविंद पासवान , कार्तिक सिंह , नीरज सिन्हा, मंटू सिन्हा, अनिल राम सुनेश्वर राम तथा सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

टी-20 वर्ल्ड कप में रविवार को टीम इंडिया साउथ अफ्रीका से 5 विकेट से हार गई। इस नतीजे के बाद सुपर-12 में ग्रुप-2 का समीकरण काफी बदल गया है। अब ग्रुप की 6 में से 5 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने की होड़ में हैं।

भारत की हार से बदला समीकरण

बांग्लादेश से हारी तो बाहर हो सकती है टीम इंडिया

पर्थ (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में रविवार को टीम इंडिया साउथ अफ्रीका से 5 विकेट से हार गई। इस नतीजे के बाद सुपर-12 में ग्रुप-2 का समीकरण काफी बदल गया है। अब ग्रुप की 6 में से 5 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने की होड़ में हैं। चलिये एक-एक कर सभी टीमों की संभावनाओं को जानते हैं। नीदरलैंड की टीम रविवार को पाकिस्तान से हार गई। यह तीन मैचों में डच टीम की लगातार तीसरी हार है। वह सेमीफाइनल की होड़ से बाहर होने वाली ग्रुप-2 की पहली टीम बन गई है। रविवार के मुकाबलों से पहले टीम इंडिया ग्रुप-2 में सबसे अच्छी स्थिति में थी। भारत पर जीत के बाद अब इस स्थिति में साउथ अफ्रीका की टीम आ गई है। तीन मैचों से साउथ अफ्रीका के पांच पॉइंट्स हैं। उसके अब पाकिस्तान और नीदरलैंड से मैच बाकी हैं। दोनों मैच जीतने पर टीम 9 अंक के साथ टेबल टॉपर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंच जायेगी। एक मैच में हार के बाद भी साउथ अफ्रीका अंतिम चार में पहुंच सकता है। उसका नेट रन रेट 2.772 का है जो ग्रुप में सबसे बेहतर है।

भारत के लिए बांग्लादेश से मुकाबला बेहद अहम

टीम इंडिया को अब बुधवार को बांग्लादेश से मैच खेलना है। यह मैच भारत के लिए काफी अहम हो गया है। अगर भारतीय टीम यह मैच हारती है तो फिर उसके पांच मैच खत्म होने के बाद ज्यादा से ज्यादा 6 अंक हो सकते हैं। इसके लिए भी आखिरी मैच में भारत को जिम्बाब्वे को हराना होगा। अगर भारतीय टीम बांग्लादेश से हार जाती है और बांग्लादेश आगे चल कर पाकिस्तान को भी हरा देता है तो वह साउथ अफ्रीका के साथ सेमीफाइनल में पहुंच सकता है। इस वजह से भारत के लिए बांग्लादेश के खिलाफ मैच एक तरह से करो या मरो जैसा हो सकता है। पाकिस्तान के लिए अब सेमीफाइनल में पहुंचना बेहद मुश्किल हो गया है। हालांकि यह असंभव नहीं है। अगर भारतीय टीम बांग्लादेश से हारती है और पाकिस्तान की टीम साउथ अफ्रीका को हरा देती है तो उसके लिए चांस बन सकता है। इस स्थिति में दोनों टीमों के 4-4 पॉइंट हो जाएंगे और 6 नवंबर को होने वाले दोनों मुकाबले काफी अहम हो जाएंगे। उस दिन भारत का सामना जिंबाब्वे से और पाकिस्तान का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। उस दिन अगर भारत और पाकिस्तान दोनों जीत जाती हैं तो फिर दोनों के 6-6 पॉइंट होंगे और बेहतर नेट रन रेट वाली टीम अंतिम चार में पहुंच जायेगी।

न्यूजीलैंड-बांग्लादेश दौरों के लिए टीम इंडिया का ऐलान:न्यूजीलैंड नहीं जायेंगे रोहित और विराट

नयी दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड और उसके बाद बांग्लादेश दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। न्यूजीलैंड टूर टी-20 वर्ल्ड कप के बाद 18 नवंबर से शुरू होगा। इसमें 3 वनडे और इतने ही टी-20 खेले जायेंगे। इसके बाद टीम इंडिया बांग्लादेश जायेगी। वहां तीन वनडे और दो टेस्ट मैच खेले जायेंगे। उत्तरप्रदेश के ऑलराउंडर यश दयाल को पहली बार टीम इंडिया में मौका दिया गया है। वो बांग्लादेश में वनडे सीरीज खेलेंगे। यश लेफ्ट आर्म पेसर और राइट हैंड बैटर हैं। मध्यप्रदेश के रजत पाटीदार को भी इसी फॉर्मेट में जगह दी गई है। **न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम:** हार्दिक पंड्या (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन (विकेट कीपर), वॉशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, हर्षल पटेल, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक। **न्यूजीलैंड दौरे के लिए ओडीआइ टीम:** शिखर धवन (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेट कीपर), शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन (विकेट कीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दूल ठाकुर, शहबाज अहमद, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर, कुलदीप सेन और उमरान मलिक।

धनबाद कोयलांचल में धूमधाम से संपन्न हुआ लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ

उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य दे व्रतियों ने मांगा सुख, समृद्धि और शांति का आशीर्वाद

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर आशीर्वाद मांगती छठव्रति महिलाएं।

उग हो सूरज देव अरघ के बेरिया, पूजन के हो बेरिया न...

छठघाट कर भगवान भास्कर को जल अर्पण करने के लिए भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु।

छठव्रति को जल अर्पण करते लोग।

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद/झरिया। अस्ताचलगामी और उदयीमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ संपन्न हुआ। व्रतियों ने देश, समाज और परिवार की कुशलता की कामना की। जिले के झरिया, डिगवाडीह, तिसरा, चासनाला, भौरा, धनबाद, मनईटांड, स्टीलगेट, गोविंदपुर, बैंकमोड निरसा, चिरकुंडा, एग्यारकुंड, मैथन, पंचेत, सिंदरी, बलियापुर, बाघमारा, महुदा, कतरास, तेतुलमारी, लोयाबाद, पुटकी, केंदुआटुंडी, पूर्वी टुंडी और राजगंज आदि क्षेत्र के दर्जनों तालाबों में लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर की पूजा कर आशीर्वाद मांगा। इससे पूर्व भारी संख्या में श्रद्धालु अहले सुबह ही अपने-अपने छठ घाट पहुंच गए। सूप और डालियों में दीप प्रज्वलित कर सूर्योदय का इंतजार किया। सूर्य उदय होते ही अर्घ्य देने का सिलसिला शुरू हुआ। आकर्षक साजो सज्जा से सजे छठ घाटों का नजारा अलौकिक था। छठी मईया के कर्णप्रिय भक्ति गीतों से पूरा इलाका गुंजायान रहा। वहीं सैकड़ो व्रतियों ने अपने-अपने घर में ही बने जलकुंड से अर्घ्य अर्पित कर भगवान सूर्य की आराधना की।

निगम, परिषद और प्रशासन रहा सतर्क

सोमवार की अहले सुबह जिले के हर क्षेत्र से गीत गाती महिला श्रद्धालुओं की टोली छठ घाट की ओर प्रस्थान करने लगी। सड़कों पर युवाओं की टोली, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि और विभिन्न छठ पूजा समिति के सदस्य दूध का वितरण करते दिखे। व्रतियों की वापसी में प्रसाद मांगकर ग्रहण किया। इस दौरान शहरी क्षेत्रों में नगर निगम और ग्रामीण क्षेत्रों में नगर परिषद के कर्मी के साथ प्रशासनिक व छठ पूजा समिति पदाधिकारी व सदस्य, स्थानीय पुलिस, शांति समिति सदस्य छठ घाटों पर व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर सजग दिखे।

धनबाद की ग्रामीण एसपी ने पहली बार किया छठ पर्व

धनबाद की ग्रामीण एसपी रिष्मा रमेशन और उनके पति लातेहार एसपी अंजनी अंजन ने भी चार दिवसीय महापर्व छठ को धार्मिक नियमानुसार संपन्न किया। केरल की मूल निवासी एसपी रिष्मा ने अपने पति सह लातेहार एसपी आवास पर पूरे नियम और निष्ठा के साथ 36 घंटे का निर्जला व्रत किया। सोमवार को अपने पूरे परिवार के साथ छठ घाट पहुंची और पूजा अर्चना करते हुए भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित

कर नमन किया। पति एसपी अंजनी भी छठ महापर्व पर पूरी आस्था के साथ शामिल हुए। सिर पर प्रसाद का दऊरा उठा घाट तक पहुंचे। इस दौरान धनबाद की ग्रामीण एसपी रिष्मा रमेशन ने कहा कि उन्होंने पहली बार छठ व्रत किया है। यह आस्था और विश्वास का त्योहार है, जिसमें प्रकृति की पूजा होती है। उत्तर भारत में इसे करने वालों की संख्या काफी अधिक है। उन्होंने कहा कि पहली बार छठ व्रत करने पर उन्हें अपार खुशी मिली। सूर्य उपासना का धार्मिक महत्व होने के साथ-साथ वैज्ञानिक महत्ता भी है, जिसका मानव जीवन पर खासा असर पड़ता है। वहीं दऊरा उठा घाट पहुंचे एसपी अंजनी अंजन ने भी कहा कि छठी मैया का पर्व कर आपार खुशी मिली है।

ब्राह्मण समाज ने फूंका जलेश्वर महतो का पुतला

कतरास (आजाद सिपाही)। कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो द्वारा विगत दिनों ब्राह्मणों द्वारा कसाईखाने के संचालन संबंधित दिए गए बकाय के बाद उपजा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसके प्रतिवाद में ब्राह्मण समाज के लोग जगह-जगह पर जलेश्वर महतो का विरोध कर रहे है। इसी कड़ी में सोमवार को झगराही पांडेय बस्ती में ब्राह्मण समाज के दर्जनों लोगों ने जुलूस निकालकर जलेश्वर महतो के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद उनका पूतला जलाकर विरोध दर्ज कराया। ब्राह्मण समाज के धर्मेंद्र पांडेय ने कहा कि जलेश्वर महतो अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए ब्राह्मण समाज पर अति आपत्तिजनक ब्यान दिए थे। जिसकी वे कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। जलेश्वर महतो खुलासा करें कि कौन ब्राह्मण कसाईखाना का संचालन करता है। वे अपने ब्यान के लिये माफी मांगे नहीं तो उग्र आंदोलन होगा।

बोकारो व बेरमो में लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न

जरीडीह बाजार दामोदर तट पर डगवान भास्कर को अर्घ्य देने को उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

आजाद सिपाही टीम

जरीडीह बाजार/बेरमो। उदीयमान भगवान भास्कर के अर्घ्य देने के साथ ही लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ का सोमवार को समापन हुआ। पूरे बेरमो कोयलांचल सहित जरीडीह बाजार में छठ महापर्व को लेकर काफी उल्लास रहा। रविवार को छठ व्रतियों ने अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य दिया। सोमवार को उदीयमान भगवान भास्कर के अर्घ्य के साथ पर्व का समापन हुआ। अर्घ्य देने को लेकर जरीडीह बाजार दामोदर तट हजारों छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं से दूर-दूर तक पटा हुआ था। श्रद्धा और आस्था का यह सैलाब अद्भुत नजारा पेश कर रही थी। इस मनभावन नजारा को हर कोई अपने कैमरे में कैद करने को उत्सुक थे। विशेषकर युवक-युवतियों में सेल्फी का क्रेज भी बढ़ चढ़कर देखी जा रही थी। छठ घाट के किनारे विभिन्न संगठन और क्लब की ओर से चाय कॉफी बिस्किट के स्टाल लगाए गए थे। विधि व्यवस्था को लेकर गांधीनगर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद दिखी। झामुमो के वरीय नेता मदन मोहन अग्रवाल भी अपने पूरे परिवार के साथ यहां अर्घ्य देने पहुंचे थे। सभी ने भगवान भास्कर को जल अपर्ण कर सुख, समृद्धि और क्षेत्र के उन्नति की कामना की। वहीं, गांधीनगर थाना क्षेत्र के विभिन्न जोरिया, पोखर और तालाबों में भी श्रद्धालुओं ने अर्घ्य अपर्ण किया।

भगवान भास्कर को अर्घ्य देते श्रद्धालु।

सूर्य उपासना करते झामुमो के वरीय नेता मदन मोहन अग्रवाल।

भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर मांगा आशीर्वाद

बोकारो (आजाद सिपाही)। उदीयमान बगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न हुआ। सोमवार को अंतिम दिन बोकारो वासियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर सुख-समृद्धि की कामना की। जिले के सभी तालाबों, नदियों, जल कुंभी पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। छठ घाटों पर छठी

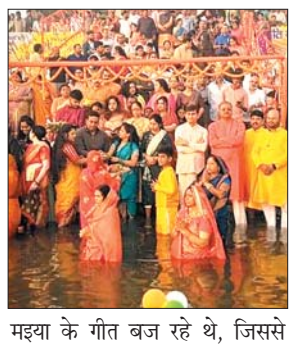

मइया के गीत बज रहे थे, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। तरह-तरह के लाइट्स छठ घाटों पर आकर्षण का केंद्र रहे.। अर्घ्य देने के बाद व्रति महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया। वहीं, बोकारो के विभिन्न घाटों पर सामाजिक संगठनों एवं पूजा समितियों ने व्रतियों के बीच फलों का वितरण किया। कई जगहों पर निःशुल्क पानी, चाय आदि की व्यवस्था की गयी थी। छठ पूजा समितियों ने प्रशासनिक अधिकारियों और सामाजिक सरोकार से जुड़े लोगों को सम्मानित भी किया। वहीं, पूजा को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए सभी घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। बोकारो डीसी, एसपी, विधायक, समेत अन्य लोगों ने छठ पूजा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

छठपूजा में व्यस्थ पांच घरों को चोरों ने बनाया निशाना, 25 लाख की संपत्ति लेकर हुए चंपत

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। सुदामडीह थाना अंतर्गत रिवर साइड टाइप 2 और न्यू माइनस कॉलोनी के पांच आवासों में सोमवार अहले सुबह अपराधियों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। घटना के वक्त सभी घरों के लोग महापर्व छठ को लेकर अर्घ्य देने छठ घाट गए थे, जिसका लाभ उठा कर चोरों ने पांचों आवासों से नगदी सहित लगभग 25 लाख रुपये के स्वर्णाभूषण की चोरी की है। घटना को अंजाम देने से पहले अपराधियों ने क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे को कपड़ों से ढक दिया था। उधर, घर वापस लौटते ही गृहस्वामियों को घटना का पता चला, तो सभी के होश उड़ गए। इसकी सूचना पाकर सुदामडीह पुलिस मौके पर पहुंच जांच में जुट

गई है। पीड़ित गृहस्वामी चोरी गए सामानों के आंकलन में जुटे रहे।

अर्घ्य देकर घर लौटने पर उड़े गृहस्वामियों के होश

पीड़ित गृहस्वामियों में अजय शर्मा, गीता चौहान, दिनेश विश्वकर्मा और ओमप्रकाश कुमार सहित अन्य के अनुसार छठ महापर्व को लेकर वे लोग सपरिवार अर्घ्य देने छठ घाट गए थे। वापस लौटने पर घर के भीतर के सामान बिखरे पड़े मिले। अलमीरा और बक्शे का ताला टूटा था। लॉकर में रखे सभी आभूषण सहित नगदी नदारद थे। इसके बाद हो हल्ला करने और दूसरे आवासों में भी चोरी होने की जानकारी हुई। अहले सुबह हुई घटना से लोगों में पुलिस के खिलाफ गुस्सा है। लोगों का कहना था कि उक्त क्षेत्र में देर रात तक पान, सिगरेट, गुटखा की दुकान खुली रहती है जहां शराब के नशे में असामाजिक तत्व जुटे रहते है। पुलिस को इन सब से कोई सारोकार नहीं रहता है। आशंका जताई गई की घटना के पीछे क्षेत्र के ही कुछ लोगों का हाथ हो सकता है। पीड़ितों ने सुदामडीह पुलिस को अज्ञात चोरों के विरुद्ध शिकायत देते हुए घटना का उद्डेदन कर चोरी गए आभूषणों को बरामद करने की मांग की है।

बोकारो में याद किए गए भारत रत्न सरदार पटेल

राष्ट्रीय एकता और अखंडता के शिल्पकार थे लौहपुरुष सरदार पटेल: बिरंची नारायण

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। राष्ट्रीय एकता दिवस भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 147वीं जयंती पर बोकारो विधायक सह मुख्यसचेतक (विरोधी दल) बिरंची नारायण ने गरगा पूल के पास स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। कहा कि भारत लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय एकता और अखंडता के शिल्पकार थे। भारत के इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों से दर्ज कराने वाले सरदार पटेल का योगदान कोई नहीं भूला

सकता। भारत का 'शिल्पकार' माने जाने वाले सरदार पटेल ने आजादी के बाद टुकड़ों में बनी 565 रियासतों को जोड़ कर एक अखंड भारत बनाया था। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री संजय त्यागी, ओबीसी मोर्चा जिलाउपाध्यक्ष सुभाष प्रसाद सिंह, भाजपा पिंडरा जोरा मंडल अध्यक्ष सनातन सिंह, हीरालाल मंडल, दुर्गा गोराई, किरण महतो, कृतन कुंभकार, नरेश कुमार रजवार, बंटी मंडल, निमाई दास, शक्ति सोनार, मेघु महतो, श्यामल किशोर महतो, मनोज कुमार, राजेश कुमार और धर्मेन्द्र कुमार आदि उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

सीएसआईआर-सिंफर में सर्तकता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ, मना राष्ट्रीय एकता दिवस

धनबाद (आजाद सिपाही)। सीएसआइआर-केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान, धनबाद के बरवा रोड परिसर स्थित सभागार में सोमवार को लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्मतिथि पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। लगे हाथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह का भी शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्रशासन नियंत्रक आलोक शर्मा ने संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी व अंग्रेजी भाषाओं में राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। उसके बाद सतर्कता जागरूकता के संबंध में अपना विचार रखते हुए उन्होंने इस सप्ताह के दौरान आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में संक्षिप्त जानकारी पेश की। इसके बाद संस्थान के सदस्यों को सत्यनिष्ठा शपथ भी दिलाई गई। इसके अतिरिक्त संस्थान में प्रातः 6.30 बजे संस्थान के बरवा रोड परिसर में गेट संख्या 1 से लेकर गेट संख्या 2 तक और डिगवाडीह परिसर में नालंदा गेट से नेताजी कॉम्प्लेक्स तक राष्ट्रीय एकता दौड़ भी सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संस्थान के डिगवाडीह परिसर एवं क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों में संबंधित प्रभारी वैज्ञानिकों द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस एवं सत्यनिष्ठा की शपथ दिलवाई गई।

हर व्यक्ति अपने आसपास हो रहे भ्रष्टाचार का विरोध शुरू कर दे तो बड़ा बदलाव संभव : महाप्रबंधक हर्षद

कथारा (आजाद सिपाही)। केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देश पर कथारा क्षेत्र के सभी परियोजना व इकाइयों में सोमवार को सीसीएल मुख्यालय रांची के मुख्य सतर्कता अधिकारी सुमित कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ हुआ, जो छह नवंबर तक चलेगा। इस वर्ष का विषय भ्रष्टाचार मुक्त भारत, विकसित भारत रखा गया है। देश में हर साल 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में इस दिन कथारा महाप्रबंधक कार्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाते हुए उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। वहीं, सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत प्रातः 11.30 बजे से सभी कार्यालयों में बैनर-पोस्टर लगाकर सतर्कता जागरूकता सप्ताह का प्रचार किया गया। महाप्रबंधक हर्षद दातार की उपस्थिति में महाप्रबंधक कार्यालय में सत्यनिष्ठा सपथ का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारियों की भागीदारी रही। उन्होंने कहा कि नागरिक भागीदारी के माध्यम से सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने के लिए यह जागरूकता सप्ताह हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। उन्होंने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे आयोग द्वारा परिचालित सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा लें। कहा कि समाज में भ्रष्टाचार को तब और बढ़ावा मिलता है, जब लोग गलत कार्यों को देखकर निगाहें फेर लेते हैं और सामान्य भाव की तरह अपने काम में लग जाते हैं। हर व्यक्ति अपने आसपास हो रहे भ्रष्टाचार का विरोध शुरू कर दे तो बड़ा बदलाव खुद आ जाएगा। इस वर्ष स्कूलों में निबंध प्रतियोगिता, सतर्कता जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक आयोजित की जाएगी। क्षेत्र के सभी परियोजना एवं इकाई में जागरूकता के लिए अभियान चलाया जाएगा। इस मौके पर उप प्रबंधक (सीएसआर) चंदन कुमार, एसओ माइनिंग सीबी तिवारी, एसओ पीएंडपी के जयंत कुमार, सतेन्द्र शर्मा, चंदन कुमार उप प्रबंधक (सीडी), सुप्रिया भारती सहायक प्रबंधक (पीसीआरएस), जयंत शाहा सहायक प्रबंधक (जुलोजी) के अलावा विश्वकर्मा भारती, साबिर अहमद अंसारी, सभी मखदूम और अमित टोप्पो आदि उपस्थित रहे।

धनबाद : कॉस्मेटिक दुकान में लगी भीषण आग, लाखों की संपत्ति जलकर हुई खाक

धनबाद (आजाद सिपाही)। बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के रे टाकीज के समीप स्थित श्याम भवन मार्केट की लक्ष्मी नारायण स्टोर के कॉस्मेटिक डिस्ट्रीब्यूशन हाउस नामक एक दुकान में सोमवार अहले सुबह भीषण आग लग गई। इससे दुकान में रखे करीब 50 लाख रुपये की संपत्ति जल कर खाक हो गई। आग में लगी। दुकान के मालिक विजय खेरिया ने बताया कि सुबह छह बजे उन्हें मार्केट के ही किसी साथी दुकानदार ने फोन कर आग लगने की सूचना दी। जिसके बाद वे तुरंत मौके पर पहुंचे। उनके साथ बाकी दुकानदार भी जुटे। वहीं, अगलगी की सूचना पाकर पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक सारा सामान जलकर राख हो चुका था। विजय खेरिया के अनुसार करीब 40 से 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उधर, मार्केट के दुकानदारों ने आतिशबाजी की वजह से आग लगने की आशंका जताई है। बतातें चलें कि उक्त मार्केट में कई नमचीन दुकानें भी हैं।

मनाई गई प्रधानमंत्री स्व इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि

बोकारो थर्मल (आजाद सिपाही)। देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि सोमवार को बोकारो थर्मल स्थित त्रिजल नगर में मनाई गई। उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सह समाजसेवी बाबूलाल गिरी और बेरमो प्रखंड उप प्रमुख बिनोद कुमार साहू ने स्व: इंदिरा गांधी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके बताए व दिखाए रास्ते पर चलने की शपत ली गई। वक्ताओं ने कहा कि हमें गर्व है कि देश की प्रगति और एकता अखंडता के लिए स्व: इंदिरा गांधी ने जो कार्य किया उसे हम सभी देशवासी कभी भूल नहीं सकते हैं। इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य मो अख्तर अंसारी, रामजी साव, रब्बेश शर्मा, दीपक कुमार, दिलीप शर्मा, झबू प्रजापति, राजेंद्र शर्मा, चंदन महतो आदि थे।

बीएसएल में आयोजित हुआ राष्ट्रीय एकता दिवस

बोकारो (आजाद सिपाही)। लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर सोमवार को बीएसएल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बीएसएल के कार्यकारी निदेशक प्रभारी सह अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी ने राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इससे पूर्व गांधी चौक से इस्पात भवन तक राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन भी किया गया।

सतर्कता : गुजरात हादसे के बाद उठाया गया कदम

धबलेश्वर झूला पुल की क्षमता को कम किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। कटक गुजरात में मोरबी झूला पुल गिरने के बाद कटक प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। कटक जिले के आठगड धबलेश्वर पीठ को जोड़ने वाले झूला पुल की सुरक्षा को लेकर प्रशासन की ओर से ततपरता देखा गयी है। झूला पुल में एक ही समय में 200 व्यक्ति जाकर मंदिरों के दर्शन कर सकते हैं। धबलेश्वर पीठ को जोड़ने वाले झूला पुल की लंबाई 254 मीटर और वहन क्षमता 1500 लोगों की थी। प्रशासन ने बताया कि 2006 में बने इस पुल का रखरखाव नहीं होने से इसकी क्षमता 600 है, लेकिन आज यह 200 लोगों तक

ही सीमित कर दिया गया है।

कटक धबलेश्वर झोला पुल को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। कार्तिक महीने के कारण प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु इस झूला पुल से आने जाने करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में क्षमता से अधिक आने जाने के कारण खंभे से जुड़ी लोहे की कड़ी कमजोर हो गयी हैं। कोलकाता के एक विशेषज्ञ टीम ने धबलेश्वर झूला पुल कमजोरी को स्वीकार किया है और तत्काल मरम्मत का सुझाव दिया है।

इंटीग्रेटेड परियोजना प्रबंधन ऐंड सर्विस नेहरू कॉलोनी कोलकाता के अभिजीत चक्रवर्ती के नेतृत्व में एक तकनीकी टीम ने ग्रामीण विकास विभाग (आरडी) से एक कॉल प्राप्त करने के बाद पुल का निरीक्षण किया। खंभे के निचले हिस्से कमजोर हैं, जबकि खंभे को ऊपर रखने वाली डंडियां कमजोर हो गयी हैं।

20 साल कि इस स्टीन की क्षमता था, लेकिन 16 साल में कमजोर हो गया। इसका कारण ज्यादा वजन ढोने के कारण खराब हो गयी है। साथ ही लंबे बोल्ट मुड़े हुए हैं। इसलिए टीम का मानना है कि झूला पुल की तत्काल मरम्मत की जरूरत है। पुल की निरीक्षण के बाद तकनीकी टीम व ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई।

पहले दलाल काम करवाने का लेते थे टेंडर, अब दलाली के आफिस हो गये खत्म : ब्रजेश पाठक

13 विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को यूपी रत्न से किया गया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ। वर्ष 2017 से पहले नोएडा सहित कई पश्चिमी जिलों में ऐसे आफिस खुले होते थे। दलाल दावा करते थे कि आप पैसा खर्च करो आपका काम सौ प्रतिशत हो जाएगा। आज कोई भी व्यक्ति पैसा लेकर यह दावा नहीं कर सकता कि आपका काम हो जाएगा। यह प्रमाण है कि भ्रष्टाचार को शून्य करने के लिए सरकार ने काम किया है। ये बातें उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कही। वे यूपी डवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा आयोजित श्रेष्ठ यूपीः साकार होते सपने के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर उप्र के 13 विभिन्न क्षेत्रों में विशेष काम करने वाले लोगों को श्रेष्ठ यूपी रत्न सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि पहले कोई कहता कि हम पूर्वांचल के डान है, कोई कहता हम तो पूरे यूपी के डान हैं। आज दावा करके कहा जा सकता है कि यहां कोई अर्गजाइन्ज्ड क्रिमीनल नहीं रह गया है। यहां लुच्चे-लफंगे पूरे सिस्टम पर कब्जा कर लिये थे, लेकिन आज वे सभी जेल की सलाखों में हैं।

उपेंद्र राय श्रेष्ठ यूपी रत्न से किये गये सम्मानित

वरिष्ठ पत्रकार उपेंद्र नाथ राय को यूपी रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ कांकेर में रहते हुए माओवादियों पर बहुत काम किया था। वहां खतरा मोल लेते हुए भी उनकी कई स्टोरियां की। जहां आम तौर पर संवाददाता नहीं जाते, उस सितरम और अबूझमाड़ में भी गये। आज वे पत्रकारिता क्षेत्र में लखनऊ में रहते हुए भी गांव पर वैज्ञानिक पद्धति से आठ बिग्घा हरी मिर्च की खेती करा रहे हैं। उनकी बहु आयामी प्रतिभा पर यह पुरस्कार उन्हें दिया गया। इसके साथ ही गो उत्पादक संघ के राधेश्याम दिक्षित, बांदा के डीएम अनुराग पटेल, हमीरपुर के डीएम डॉक्टर चंद्र भूषण त्रिपाठी, आधुनिक खेती के लिए 110 पुरस्कार पा चुके राम कीरत मिश्र, 15 से अधिक अपने नाम पेटेंट करा चुका आकाश श्रीवास्तव, जैविक कृषि पर कार्य करने वाले उदित नारायण शुक्ल, अंतरराष्ट्रीय शूटर रूचि सिंह, उपेंद्र नाथ राय आदि को श्रेष्ठ यूपी रत्न से सम्मानित किया गया।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमें जब काम करने का मिला, तब 13 मेडिकल कॉलेज थे। आज पूरे प्रदेश 35 सरकारी क्षेत्र के मेडिकल कालेज हैं। 20 प्राइवेट क्षेत्र के मेडिकल कालेज हैं। अब प्रधानमंत्री ने सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने का आदेश दे दिया है। इस कार्यक्रम का संचालन भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में स्वतंत्र निदेशक चंद्र भूषण पांडेय ने किया। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष व वर्तमान में देवरिया सांसद रमापति राम त्रिपाठी ने कहा कि आज भारत के साथ ही यूपी भी बदल रहा है, क्योंकि यहां प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की नीयत साफ है। ये दोनों लोग राष्ट्र व राष्ट्र के लोगों के लिए हर वक्त जीते-मरते हैं।

नवीन पटनायक ने भुवनेश्वर से जयपुर के लिए उड़ान सेवा का शुभारंभ किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। जयपुर के लिए नियमित उड़ान सेवा शुरू की गयी है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक द्वारा इसका शुभारंभ किया गया। विमान ने जयपुर के लिए उड़ान भरी, जो राज्य सरकार द्वारा संचालित पहला हवाई अड्डा है। पहले चरण में इंडिया वान एयर ने 9 सीटर विमान का संचालन किया है।

हालांकि उड़ान भुवनेश्वर से सुबह 11:35 बजे शुरू होगी और लगभग 1:20 बजे जयपुर पहुंचेगी। वहां से यह 1.40 बजे विशाखापत्तन के लिए रवाना होगी और 2:30 बजे पहुंचेगी। यह दोपहर 3 बजे विशाखापत्तन से रवाना होगी और 3:50 बजे जयपुर पहुंचेगी, फिर 4.05 बजे जयपुर से रवाना होगा और 5:50 बजे भुवनेश्वर पहुंचेगी। भुवनेश्वर से जयपुर के लिए टिकट की कीमत शुरू में 1,049

रुपये है और अधिकतम कीमत 2,500 रुपये होगी।

हालांकि परिवहन मंत्री टूकुनी साहू ने भुवनेश्वर से जयपुर के लिए हवाई सेवा के बारे में कहा कि इससे दूरदराज के इलाकों में परिवहन की सुविधा होगी। व्यापार, कला, संस्कृति और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुगम बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द ब्रह्मपुर और उतकेला के लिए रास्ता खुलेगा। इसी तरह वाणिज्य एवं परिवहन के विशेष सचिव मनोज मिश्र ने कहा कि अब सप्ताह में छह दिन उड़ानें संचालित होंगी। इससे पर्यटन और ईको-टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। उतकेला हवाई अड्डा लाइसेंसिंग चरण में है। 15 नवंबर तक अनुमति मिलने की उम्मीद है। हॉकी विश्व कप से पहले राउरकेला को हवाई सेवा मिलेगी।

स्वच्छता अभियान के दौरान एमसीएल ने 379 मीट्रिक टन स्क्रैप डिस्पोज किया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। संबलपुर महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने कुल 64 साइट की सफाई की है और 5.27 लाख वर्ग फुट के क्षेत्र की अधिग्रहण किया और 379 मीट्रिक टन स्क्रैप का डिस्पोज किया है, जिसकी कीमत 154.25 लाख है। इस विशेष अभियान के तहत साफ-सफाई, अंतरिक्ष प्रबंधन और कार्यालयों के सौंदर्यीकरण की व्यापक योजना बनाई गई है, जिसे कंपनी मुख्यालय, परिचालन क्षेत्रों और परियोजना कार्यालयों के कार्यालय परिसर में और उसके आसपास लागू किया गया है। इस संबंध में अभियान की शुरुआत से काफी पहले स्वच्छता स्थलों की पहचान की गयी थी और कंपनी के निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार बेकार स्क्रैप सामग्री और अप्रचलित वस्तुओं को डिस्पोज के लिए पहचाना किया गया। स्वच्छता अभियान 2.0 में शामिल मुख्यालय और क्षेत्रीय टीमों के समन्वित प्रयासों के कारण अभियान सफल रहा है।

पैर और एंकल अब ऑर्थोपेडिक्स का फोकस

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। आयुर्विज्ञान संस्थान और सम अस्पताल में पैर और एंकल की सर्जरी आथोर्पेडिक्स में एक नयी विकासशील उप-विशेषता दो दिवसीय सम्मेलन और कार्यशाला आयोजन किया गया। इंडियन फुट एंड एंकल सोसाइटी और ओडिशा ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के तत्वावधान में होने वाले कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिनिधियों के लिए लाइव सर्जरी और व्यावहारिक कार्यशाला अनुष्ठित हो गया। इंडियन फुट एंड एंकल सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ राजेश साइमन मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल नयी दिल्ली से डॉ कमल दुरेजा और एमएस रमैया मेमोरियल अस्पताल बेंगलुरु के डॉ एसएम अजय सहित प्रख्यात रिसोर्स पर्सन कार्यशाला में शामिल हुए हैं।

डॉ साइमन ने कहा कि पैर ऑर्थोपेडिक्स का एक उपेक्षित हिस्सा था, क्योंकि हम इसे ठीक से समझ नहीं पाये थे, लेकिन आधुनिक तकनीक के आगमन और सीटी स्कैन और एमआरआइ की उपलब्धता के साथ हम आज इसे बेहतर समझते हैं। उन्होंने कहा कि यह समय है हमें अपना दिमाग खोलना होगा और जो हमने गलत तरीके से सीखा था, उसे भूल जाना चाहिए। सोआ के कुलपति प्रो (डॉ) अशोक कुमार महापात्र आईएमएस और सम अस्पताल के डीन प्रो. संघमित्रा मिश्र चिकित्सा अधीक्षक, प्रो. पुष्पराज सामंतसिंहर ओडिशा ऑथोर्पेडिक एसोसिएशन के अध्यक्ष, डॉ आरके महापात्र और ओडिशा ऑथोर्पेडिक एसोसिएशन के सचिव डॉ. बसंत बेहेरा ने भी उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। आईएमएस और सम अस्पताल में हड्डी रोग विभाग के प्रमुख प्रो (डॉ) अनिरुद्ध दास ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

संबलपुर मंडल में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। संबलपुर मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद सिंह ने 31 अक्टूबर को रेलवे स्टेडियम, संबलपुर में स्वर्गीय सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर संबलपुर मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलायी। सभी रेलकर्मियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाये रखने के लिए खुद को समर्पित करने और सभी भारतीयों के बीच संदेश फैलाने के लिए कड़ी मेहनत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संबलपुर मंडल के

अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद सिंह की नेतृत्व में रेलवे स्टेडियम से रेल नगर गेट तक 'रन फॉर यूनिटी' का भी आयोजन किया गया। इस आयोजन में संबलपुर मंडल के सभी अधिकारियों, बड़ी संख्या में कर्मचारियों और खिलाड़ियों ने भाग लिया।

संबलपुर मंडल कर्मियों ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर ली शपथ

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। पूर्वतट रेलवे, संबलपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, श्री विनीत सिंह ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2022 के आयोजन के अवसर पर सभी क्षेत्रों की गतिविधियों में निष्ठा और पारदर्शिता लाने के लिए 31 अक्टूबर-2022 को मंडल कार्यालय परिसर के प्रगति धारा में संबलपुर मंडल के कर्मचारियों और अधिकारियों को सतर्कता निष्ठा शपथ दिलायी। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 31 अक्टूबर-2022 से 6 नवंबर-2022 तक मनाया जा रहा है। संबलपुर मंडल

के अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद सिंह, सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में इस प्रतिज्ञा समारोह में भाग लिया ।

ब्राजील के अगले राष्ट्रपति होंगे लूला डा सिल्वा

ब्राजील (एजेंसी)। लूला डा सिल्वा लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े देश ब्राजील के नए राष्ट्रपति होंगे। उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को करीब 21 लाख 39 हजार वोटों से हरा दिया। लूला वामपंथी वर्कर्स पार्टी से हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक वो 1 जनवरी 2023 को पद संभालेंगे, तब तक बोल्सोनारो केयरटेकर राष्ट्रपति बने रहेंगे। इस साल लूला 6वीं बार राष्ट्रपति पद के लिए खड़े हुए, जिसमें उन्हें जीत मिली। उन्होंने पहली बार 1989 में चुनाव लड़ा था। ये तीसरी बार होगा जब लूला राष्ट्रपति पद संभालेंगे। इसके पहले वो 2003 से 2010 के बीच दो बार राष्ट्रपति चुने गये थे।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**